Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Tuesday, 02 January 2024 ● Year : 01 ● Issue : 342 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

हितकारी और मनोरम बात दुर्लभ होती है।

भारवि

रणबीर की एनिमल ने हासिल किया खास...

SHARE

सेंसेक्स	:	72,271.94
निफ्टी	:	21,741.90

SARAFA

सोना	:	6,015
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भारत-पाक ने साझा की परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची

NEW DELHI : भारत और पाकिस्तान ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के माध्यम से दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमले को रोकने के समझौते के तहत शामिल परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान-प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि इस समझौते पर 31 दिसंबर, 1988 को हस्ताक्षर किए गए थे और 27 जनवरी, 1991 को लागू हुआ था। अन्य बातों के साथ-साथ इसमें प्रावधान है कि भारत और पाकिस्तान पहली जनवरी को समझौते के तहत शामिल किए जाने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के बारे में एक-दूसरे को सूचित करेंगे। यह दोनों देशों के बीच ऐसी सूचियों का लगातार 33वां आदान-प्रदान है। पहला आदान-प्रदान 01 जनवरी, 1992 को हुआ था।

प्रगति पर अपने विचार मेरे साथ साझा करें : मोदी

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नागरिकों से जन-मन सर्वे में भाग लेने और पिछले 10 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति पर अपने विचार साझा करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, पिछले 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति के बारे में आप क्या सोचते हैं? नमो ऐप पर जन मन सर्वेक्षण के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया सीधे मेरे साथ साझा करें!ह्व उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 19 दिसंबर को अपनी सरकार और स्थानीय प्रतिनिधियों के प्रदर्शन पर व्यापक सवालों के साथ नमो ऐप पर जन-मन सर्वे की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य सरकार के 10 सालों के कामों पर जनता से फीडबैक लेना है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर हुआ सस्ता

NEW DELHI : नए साल-2024 के पहले दिन कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के मूल्य में कटौती की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं विपणन कंपनियों ने बड़ी राहत देते हुए 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 1.50 रुपये से लेकर 4 .50 रुपये तक की कटौती की है। नई दरें सोमवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की वेबसाइट के मुताबिक अब राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1.50 रुपये घटकर 1755 .50 रुपये हो गई है। मुंबई में इसका दाम 1.50 रुपया सस्ता होकर 1708 .50 रुपये हो गया है। चेन्नई में सबसे ज्यादा 4 .50 रुपये घटकर इसकी कीमत 1924 .50 रुपये हो गई है। कोलकाता में इसकी कीमत 50 पैसे की मामूली बढ़त के साथ 1869 रुपए हो गई है।

झामुमो के गांडेय विधायक डॉ सरफराज अहमद ने दिया इस्तीफा, बोले- पार्टी में रहूंगा, निजी कारण से लिया फैसला

विस से अधिसूचना जारी, टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर पूर्व में छोड़ा था कांग्रेस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा के गांडेय विधानसभा से विधायक डॉ सरफराज अहमद ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हुए झारखंड विधानसभा ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। उनके इस्तीफे के बाद झारखंड विधानसभा में 31 दिसंबर 2023 से पद रिक्त हो गया है। विधायक ने बताया कि नाराजगी जैसी कोई बात नहीं है। मैंने निजी कारण से इस्तीफा दिया है। मैं जेएमएम के साथ हूं और अभी भी राज्य में पार्टी का उपाध्यक्ष हूं। इस्तीफे की चर्चा के बाद कई तरह की अफवाह थी। जेएमएम की केंद्रीय कमेटी में उपाध्यक्ष बनाए गए डॉ सरफराज अहमद ने साल 2019 में कांग्रेस पार्टी छोड़ जेएमएम में शामिल हुए थे। दरअसल अविभाजित बिहार के जमाने में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके सरफराज अहमद को साल 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में गांडेय से टिकट नहीं दिया गया था। वे इस बात से नाराज हो गए थे। जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

- तीसरी बार गाण्डेय के विधायक बने थे डॉ सरफराज अहमद
- 1984 में गिरिडीह लोकसभा से कांग्रेस के टिकट पर बने थे सांसद
- स्व राजीव गांधी के समय 1985 में एआइसीसी के संयुक्त सचिव भी रहे

गरमाई झारखंड की सियासत

झारखंड की राजनीति को अपने जीवन के लगभग पांच दशक देने वाले कद्दावर नेता डॉ. सरफराज अहमद के अचानक इस्तीफे के बाद राज्य की सियासी गर्मी बढ़ गयी है। हालांकि झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे ने गांडेय विधायक डॉ. सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद कहा कि पार्टी में सब कुछ ठीक है और कोई समस्या नहीं है। हालांकि झामुमो के पार्टी स्तर पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा जा रहा है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि सरफराज अहमद को 2024 में होने वाले राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाकर दिल्ली की राजनीति में शिफ्ट किया जा सकता है।

कल्पना सोरेन बन सकतीं सीएम

RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस्तीफा देंगे और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन राज्य की अगली सीएम बनेंगी। गोड्डा से भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस बात का दावा किया है। दरअसल, गांडेय से विधायक सरफराज अहमद ने अचानक विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया गया है। इसके बाद गांडेय से कल्पना सोरेन को विधानसभा भेजने की अटकलें लगाई जा रही हैं। निशिकांत दुबे ने सोमवार को 12 बजकर 22 मिनट पर पहला पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- झारखंड के गांडेय विधायक सरफराज अहमद ने विधानसभा से इस्तीफा दिया, इस्तीफा स्वीकार हुआ। हेमंत सोरेन जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे, झारखंड की अगली मुख्यमंत्री उनकी पत्नी कल्पना सोरेन जी होंगी। नया साल सोरेन परिवार के लिए कष्टदायक। दुबे ने दूसरा पोस्ट दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर किया। इसमें उन्होंने झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को टैग करते हुए लिखा- राज्यपाल को कानूनी सलाह लेना चाहिए।

इसरो ने फिर रचा इतिहास

एक्सपोसेट मिशन किया लॉन्च

AGENCY SRIHARIKOTA : एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट (एक्सपोसेट) को 1 जनवरी की सुबह 09:10 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। एक्सपोसेट में ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार्स की स्टडी के लिए दो पेलोड पोलिक्स और एक्सपेक्ट लगे हैं। 21 मिनट बाद इन्हें पृथ्वी की 650 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में स्थापित किया गया। सैटेलाइट को 650 किलोमीटर की कक्षा में स्थापित करने के बाद पावर जनरेट करने के लिए इसके सोलर पैनल खोले गए। वहीं रॉकेट की चौथी स्टेज को पृथ्वी की 350 किलोमीटर की कक्षा में लाया गया। ये पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंट मॉड्यूल के रूप में इस्तेमाल होगा।

ओवर स्पीड ने फिर ली जान, 6 दोस्तों की मौत

दो घायल, मातम में बदली नए साल की खुशी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : नए साल का पहला दिन सरायकेला-खरसावां जिला के तहत आदित्यपुर के बाबाकुटी आश्रम के लोगों के लिए मातम भरा रहा। सोमवार को तड़के बिष्टुपुर थाना के साई मंदिर गोल चक्कर के समीप सड़क दुर्घटना में आदित्यपुर के आरआईटी थाना क्षेत्र के तहत बाबाकुटी के छह युवकों की मौत हो गई। नव वर्ष पर एक इंडिगो कार पर सवार आठ युवक पिकनिक मनाने मरीन ड्राइव की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उनकी कार की स्पीड काफी ज्यादा थी। इसी दौरान डीसी आवास के पास कार अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे लगे लोहे के पोल से और फिर पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। तीन लोग कार में बुरी तरह फंसे थे। जिसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बड़ी मुश्किल से तीनों को बाहर निकाला जा सका। कार में सवार पांच युवकों शुभम कुमार, सूरज शाह, अनिरूद्ध प्रसाद यादव, अनिकेत कुमार, हेमन्त कुमार सिंह और पीयूष उर्फ टुकटुक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक की एमजीएम में इलाज के दौरान मौत हुई। कार में सवार हर्ष कुमार झा और रवि झा घायल हो गए, जिन्हें टीएमच और स्टील सिटी में बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। दोनों युवक अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र हैं। हादसे के बाद से सभी परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

- अनियंत्रित होकर पोल फिर पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार
- कार में पिकनिक मनाने मरीन ड्राइव की ओर जा रहे थे सभी युवक

टक्कर के बाद कार के चिथड़े उड़ गए।

इनकी गई जान

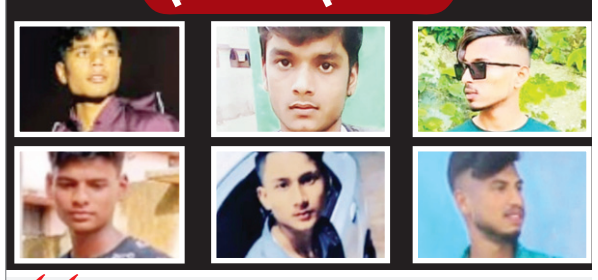

जमशेदपुर में सड़क दुर्घटना में 6 लोगों की मृत्यु की दु:खद खबर से मन आहत है। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे। दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हू।

हेमंत सोरेन, सीएम।

एक साथ निकली छह शव यात्रा

नए साल के पहले ही दिन एक साथ बाबाकुटी से छह युवकों की शव यात्रा निकली जो दुख की पराकाष्ठा थी। इसे देख आदित्यपुर वासियों के आंखें नम हो गई थी। बता दें कि एक ही मोहल्ले के रहने वाले इन सभी दोस्त 31 दिसम्बर की रात बाबाकुटी के एस रोड में नव वर्ष पर पिकनिक की तैयारी के लिए इकट्ठा हुए थे। पुराने साल को सभी ने जश्न के साथ विदा किया। रात में सभी युवक एकसाथ लिट्टी चोखा बनाया। इसके बाद सुबह सूरज की कार में सवार होकर सभी पिकनिक मनाने के लिए निकले थे। आरआइटी थाना क्षेत्र के बाबाकुटी आश्रम के रहने वाले 6 युवकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने को लेकर स्थानीय लोग पूर्व पार्षद मनोज राय के अस्पताल पहुंचे। बाबाकुटी आश्रम में मातमी सन्नाटा पसर गया है।

खरसावां गोलीकांड के शहीदों को हेमंत सोरेन ने दी श्रद्धांजलि

शहीदों की कराई जाएगी पहचान अपना कार्यकाल पूरा करेगी सरकार : सीएम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को खरसावां के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि खरसावां के शहीद स्थल को आदिवासियों का प्रेरणा स्थल बनाएंगे। हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर इस स्थल को प्रेरणा स्थल बनाया है। हमारी सरकार ने हमेशा शहीदों को सम्मान दिया है। खरसावां गोलीकांड के शहीदों की पहचान कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि शहीदों के आश्रितों को भी सम्मान मिल सके। उन्होंने कहा कि जल्द ही शहीद स्थल के पास के क्षेत्र में सात करोड़ रुपये से विकास कार्य होंगे। आगे और भी योजना बनायी जाएगी। सीएम ने मंच से विपक्षी दलों पर निशाना साधने के साथ-साथ अपनी सरकार की उपलब्धियों को भी जनता के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी और 2024 का भी चुनाव जीतकर वे सरकार बनाएंगे।

- खरसावां के शहीद स्थल को आदिवासियों का प्रेरणा स्थल बनाएंगे
- शहीद स्थल के पास के क्षेत्र में सात करोड़ रुपये से होंगे विकास कार्य
- शहीदों के आश्रितों की भी पहचान कर देंगे सम्मान

पेज 3 में पढ़ें : राजनीतिक उठापटक का साल रहेगा 2024, एकजुटता के साथ फिर बनाएंगे सरकार : हेमंत

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में छह माह की बच्ची की मौत

BIJAPUR : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों के साथ सोमवार को मुठभेड़ के दौरान क्रॉस फायरिंग में छह माह की बच्ची की मौत हो गई तथा उसकी मां घायल हो गई। वहीं, मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के गंगालूर थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों के जवानों को गश्त के लिए रवाना किया गया था और दल के जवान जब मुतवंडी गांव के करीब थे तब नक्सलियों ने उनपर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुतवंडी गांव के निकट शाम करीब पांच बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान क्रास फायरिंग में मुतवंडी गांव की छह माह की बच्ची की मृत्यु हो गई और उसकी मां के हाथ में गोली लगी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान भी घायल हुए हैं।

पत्रकार को धमकी देने के मामले में होटवार जेलर से आज होगी पूछताछ

सेल और टेलीफोन बूथ के आसपास का सीसीटीवी फुटेज भी मांगा

CRIME REPORTER RANCHI : एक अखबार के पत्रकार को धमकाने के मामले में होटवार जेल के जेलर प्रमोद कुमार से ईडी मंगलवार को पूछताछ करेगी। पूरा मामला शराब घोटाला मामले में जेल में बंद योगेंद्र तिवारी के नाम से एक अखबार के पत्रकार को फोन पर धमकाने से संबंधित है। ईडी ने जेल से अलग-अलग नंबरों से धमकी दिये जाने के मामले को गंभीरता से लिया था, और बीते 30 दिसंबर 2023 को ईडी ने जेलर को समन जारी कर पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है। ईडी ने जेलर से योगेंद्र तिवारी के सेल और टेलीफोन बूथ के आसपास का सीसीटीवी फुटेज भी मांगा है।

- जेल में बंद योगेंद्र तिवारी के नाम पर पत्रकार को दी गई थी धमकी
- 30 दिसंबर को ईडी ने जेलर को समन जारी कर उपस्थित होने को कहा था

इधर, एनयूजेआई ने भी सख्त कार्रवाई की मांग

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के अध्यक्ष रास बिहारी ने रांची के वरिष्ठ पत्रकार को शराब माफिया द्वारा दी गई धमकी पर गहरी चिंता जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि रांची के होटवार जेल से फोन करके प्रमुख हिन्दी दैनिक के प्रधान संपादक को धमकी देने से झारखंड सरकार पर भी सवाल उठते हैं। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले को भारतीय प्रेस परिषद में भी उठाया जाएगा।

अगले 20 साल तक वायु सेना के बेड़े में रहेगा सुखोई-30, अपडेट हो रहा सबसे ताकतवर फाइटर जेट

2045 तक दुश्मनों की नींद उड़ाए रखेगी फाइटर जेट

AGENCY NEW DELHI : इंडियन एयरफोर्स सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट को अगले 20 साल तक बेड़े में शामिल रखने की तैयारी कर रही है। इसके लिए जेट में कई टेस्ट और बदलाव किए जा रहे हैं। वायु सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुखोई को अपग्रेड करने के लिए एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) की मदद ली जा रही है। यह रूसी फाइटर जेट सितंबर 2002 से वायु सेना में शामिल है। रूस के फाइटर जेट्स की एयरफ्रेम और दूसरे कंपोनेंट्स काफी मजबूत होते हैं। इसको लेटेस्ट एवियोनिक्स, हथियार और देश में तैयार हुए विरुपाक्ष रडार से लैस किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारतीय वायुसेना सक्रिय रूप से अपने उपकरण सूची को स्वदेशी बनाने के मिशन पर काम कर रही है। जल्द ही भारतीय कंपनियों से 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के उपकरण खरीदने की तैयारी में है।

- एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल के साथ ब्रम्होस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से लैस है एसयू-30 एमकेआई
- सितंबर 2023 में भारत सरकार ने 45,000 करोड़ रुपए के नौ रक्षा खरीद प्रस्तावों को दी थी मंजूरी

खरीदे जाएंगे 12 एसयू-30 एमकेआई

सितंबर 2023 में भारत सरकार ने 45,000 करोड़ रुपए के नौ रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। इसके तहत 12 सुखोई लड़ाकू प्लेन (एसयू-30 एमकेआई) और हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें ध्रुवास्त्र खरीदी जाएंगी। साथ ही डोर्नियर विमान का अपग्रेडेशन किया जाएगा। वहीं, नवंबर 2023 में बाड़मेर के उतरलाई एयरबेस पर तैनात मिग-21 की एक स्क्वाड्रन को सुखाई-30 एमकेआई की स्क्वाड्रन से रिप्लेस किया गया था। इस एयरबेस पर सुखाई-30 एमकेआई की दो स्क्वाड्रन तैनात हैं। बाड़मेर जिले में पिछले 9 साल में 8 मिग क्रैश हो चुके थे। इसके बाद मिग-21 को एयरबेस से हटाने की चर्चा शुरू हुई थी। हालांकि देश में उतरलाई के अलावा बाकी जगहों पर मिग-21 की तैनात है। केंद्र सरकार ने युद्ध जैसे हालात में देश को रक्षा क्षेत्र में मजबूत करने की दिशा में भारत-पाक बॉर्डर पर इमरजेंसी हाइवे हवाई पट्टी बनाई है। युद्ध जैसे हालात में भारतीय वायु सेना अगड़ावा में बनी 3200 मीटर लंबी इमरजेंसी हवाई पट्टी का इस्तेमाल सिर्फ फाइटर प्लेन के लिए कर सकेगा। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना अपने विमानों का सेवाकाल बढ़ाने के लिए एयरफ्रेम एवं विमान के अन्य हिस्सों पर व्यापक परीक्षण करती है और ऐसा करना का उसके पास अनुभव भी है।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ आतंकवादी घोषित

NEW DELHI : कनाडा में रहते हुए भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले गैंगस्टर सतविंदर सिंह उर्फ सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। सरकार ने बराड़ को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। गोल्डी बराड़ को पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस का मास्टरमाइंड माना जाता है। बराड़ के इशारे पर ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों ने मूसेवाला की हत्या की थी। कनाडा स्थित ब्रम्पटन के रहने वाले गोल्डी बराड़ का संबंध प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से है। इससे पहले केंद्र सरकार ने 2023 के आखिरी दिन प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के कनाडा में रह रहे सदस्य लखबीर सिंह उर्फ लांडा को भी आतंकवाद रोधी कानून के तहत आतंकवादी घोषित किया था।

जापान में 7.6 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी

वाजिमा के तट पर समुद्र में 4 फीट ऊंची उठीं लहरें

AGENCY TOKYO : जापान में सोमवार को 7.6 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद यहां सुनामी आ गई। वाजिमा शहर में करीब 4 फीट ऊंची (1.2 मीटर) लहरें उठी हैं। जापान के वक्त के मुताबिक, यह ऊंची लहरें शाम 4.21 बजे दिखीं। कुछ जगहों पर एक मीटर से कम ऊंचाई की लहरें नजर आई हैं। एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि 5 मीटर (16 फीट) ऊंची लहरें उठ सकती हैं। कोस्टल एरिया में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया है। जापान की मेट्रोलॉजिकल एजेंसी ने सोमवार शाम कहा- आने वाले दिनों में देश के कुछ हिस्सों में इसी तरह का भूकंप आने की आशंका है। लिहाजा, लोगों से अपील है कि वो सतर्क रहें। वाजिमा शहर में एक बिल्डिंग ढहने की भी खबर है। इसके मलबे मे 6 लोग दबे हैं। इसी शहर के 35 हजार घरों में बिजली नहीं है।

BRIEF NEWS

पिकनिक से लौटते समय सड़क हादसे में युवक की मौत

DUMKA : जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिकनिक से लौटते समय सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। मृतक युवक उदय मंडल (26) शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के ढाका गांव का रहने वाला था। युवक पिकनिक से वापस अपने घर की ओर लौट रहे था। घुमावदार सड़क में बाइक का संतुलन बिगड़ जाने के कारण पुलिया से टकराकर गिर पड़ा, जिससे उसकी मौत हो गई।

गरीबों के बीच कंबल वितरण कर पुलिस अधिकारी ने मनाया नववर्ष

KHUNTI : वैसे तो नव वर्ष का आनंद लोग अपने ढंग से मनाते हैं, कोई परिवार के साथ नव वर्ष का आनंद पिकनिक आदि मनाकर कर उठाते हैं, तो कई लोग ऐसे भी होते हैं, जो अलग ढंग से ही नव वर्ष का लुत्फ उठाते हैं, जो अपने साथ ही गरीबों के हि को ध्यान मे रखकर पर्व-त्योहार मनाते हैं। इन्हीं में एक हैं झारखंड पुलिस के एक कनीय अधिकारी सत्यजीत कुमार। वर्तमान में रनिया थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक सत्यजीत कुमार को अपने दोस्तों और परिवार के साथ नव वर्ष का त्योहार गरीबों कें साथ मनाने में अधिक आनंद का अनुभव करते हैं। 2024 के पहले दिन जहां लोग अपने परिवार और इष्ट मित्रों के साथ नव वर्ष का लुत्फ उठा रहे थे, वहीं सत्यजीत कुमार गरीबों को कंबल और गर्म कपड़े देकर अपने नव वर्ष का उत्सव मना रहे थे।

पुलिस अधिकारियों को दिया गया पॉक्सो और जेजे एक्ट का प्रशिक्षण

KHUNTI : पुलिस मुख्यालय में नव वर्ष के मौके पर सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन कर खूंटी जिले के पुलिस निरीक्षकों और अवर पुलिस निरीक्षकों को पोक्सो एक्ट और जेजे एक्ट का प्रशिक्षण्ध दिया गया। तोरपा अंचल के पुलिस निरीक्षक दिग्विजय सिंह और खूंटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर पिंकू यादव ने कनीस पुलिस अधिकारियों को पोक्सो एक्ट और जेजे एक्ट के सबंध में जानकारी दी और कहा कि इन मामलों के अपराध काफी संगीन होते हैं और इस पर पलिस अधिकारियों को गहनता के साथ जांच करने की जरूरत है। दोनों पुलिस अधिकारियों ने इसके तहत सजा और अन्य कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए जिले के पीडीएस दुकानदार

JAMSHEDPUR : जन वितरण प्रणाली के दुकानदार केंद्रीय कमेटी की देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में अपनी मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। पूर्वी सिंहभूम जिले के 1430 जन वितरण प्रणाली दुकानदारों ने हड़ताल का समर्थन किया हैं। उन्होंने झारखंड फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन के आह्वान पर यह कदम उठाया है। दुकानदार अनुकंपा नियुक्ति के मामले में 60 साल की उम्र सीमा तय किए जाने का विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा वे प्रति क्विंटल कमीशन बढ़ाने की भी मांग कर रहे हैं। इसके अलावा भी उनकी अन्य कई मांगे हैं। इन मांगों को पूरा करने के लिए उन्होंने पूर्व में सरकार को अल्टीमेटम दिया था, परंतु जब मांग पूरी नहीं हुई तो जिले के सभी 1430 दुकानदार पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार हड़ताल पर चले गए हैं।

तीन शराब दुकानों में चोरी, नकद समेत महंगी शराब ले उड़े चोर

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के तीन शराब दुकानों को चोरों ने अपना निशाना बनाया है। शहर दुकानों से चोरों ने नकद समेत महंगी शराब की चोरी कर ली। चोर ने अपने साथ डीवीआर भी लेकर चले गए। सोमवार सुबह इसकी जानकारी तब हुई जब दुकान कर्मी दुकान खोलने पहुंचे। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना उत्पाद विभाग और पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। चोरों ने सीतारामडेरा थाना अंतर्गत भुइयांडीह शराब दुकान, बिरसानगर के हुरलुंग और गोविंदपुर के जोजोबेड़ा स्थित शराब दुकान को अपना निशाना बनाया। इधर, विभाग के पदाधिकारी भी घटना स्थल पहुंचे और चोरिब्ला आकलन करने में जुट गए।

पिकनिक मनाने आए युवक वृंदाहा फॉल से लापता, डूबने की आशंका

मोटरसाईकिल से तीन युवक पहले तिलैया डैम फिर वृंदाहा पहुंचे

PHOTON NEWS KODERMA : बिहार के समस्तीपुर से पिकनिक मनाने कोडरमा जिले के वृंदाहा वाटर फॉल आए तीन युवकों में एक के डूबने की आशंका है। सोमवार को जानकारी मिलने के बाद पुलिस की ओर से वृंदाहा में स्थानीय गोताखोरो की मदद से सर्च अभियान चलाया गया लेकिन अंधेरा होने के कारण सफलता नही मिली।

अब मंगलवार को बाहरी गोताखारों की मदद से खोजबीन शुरू की जाएगी। लापता युवक का एक चप्पल पानी में व दूसरा जमीन पर पाया गया है। समस्तीपुर जिले ताजपुर थाना क्षेत्र के ब्रहमपुरा गांव का विनीत झा अपने फूफेरे भाई चंदन व दोस्त अभिषेक के साथ नया साल मनाने रविवार की सुबह कोडरमा पहुंचा था, जहां से तीन युवक मोटरसाईकिल से पहले तिलैया डैम गए और फिर देर शाम गुगल सर्च के जरिए वृंदाहा पहुंचे। यहां तीनों ने शराब का सेवन किया, जिसके बाद पहले चंदन और फिर बाद में विनीत और अभिषक फॉल के किनारे जमीन पर ही सो गए।

वृंदाहा वाटर फॉल। ● फोटोन न्यूज

देर रात जब चंदन की ठंड से नींद टूटी तो वह अभिषेक को जगाया और विनीत को खोजा, लेकिन विनीत नही मिला। रात भर दोनों उसे खोजते रहे। सुबह होने पर दोनों किसी तरह लिफ्ट लेकर तिलैया पहुंचे पुलिस को घटना की जानकारी दी। चंदन के चाचा कोडरमा स्टेशन पर संचालित शौचालय की देखरेख करते है। चंदन अपने घर से चाचा के पास जाने की बात कहकर दोस्तों के साथ निकला था। चंदन चाचा का ही मोटरसाईकिल लेकर वृंदाहा गया था।

संथाल परगना के नये डीआईजी संजीव कुमार ने संभाला कार्यभार

PHOTON NEWS DUMKA : संथाल परगना प्रक्षेत्र के डीआईजी के रूप में संजीव कुमार ने सोमवार को योगदान दिया। डीआईजी का प्रभार लेने के बाद कार्यालय में एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर डीआईजी ने कहा कि बाबा नगरी में सेवा का मौका मिला है। बाबा नगरी होने के कारण देश विदेश से काफी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। पुलिस का जो दायित्व है, उसका निर्वहन होगा।

पुलिस और पब्लिक का संबंध अच्छा हो इसके लिए कार्य करेंगे, ताकि भयमुक्त समाज का निर्माण हो सके। इसके लिए रेंज के सभी छह जिलों के पुलिस पदाधिकारी मिल कर कार्य करेंगे। लेकिन इसके लिए आम लोगों का सहयोग भी अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में साइबर क्राइम एक बड़ा मुद्दा है। साइबर अपराध पर अंकुश लगे इसके लिए हर सभव प्रयास होगा। स्वच्छ पुलिसिंग के साथ भयमुक्त समाज का निर्माण के दिशा में सकारात्मक प्रयास किया जायेगा।

संजीव कुमार का स्वागत करते अधिकारी।

हिट एंड रन मामले में नए कानून के विरोध में चालकों का तीन दिवसीय हड़ताल शुरू

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू के बस सहित अन्य वाहन चालकों ने नए हिट एंड रन कानून में बदलाव की मांग को लेकर एक से तीन जनवरी तक हड़ताल की घोषणा कर दी है। मामले में पलामू चालक संघ के तत्वावधान में मेदिनीनगर शहर में सोमवार को जमकर प्रदर्शन किया।साथ ही पुराने कानून को लागू करने की मांग की गई। बसों का परिचालन भी पूर्णतः बंद रखने की जानकारी दी गई है। करीब डेढ़ सौ बसों का परिचालन नहीं हुआ है।

केंद्र सरकार द्वारा हिट एंड रन मामले में किए गए कठोर नियम के विरोध में चालक आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पलामू चालक संघ के सदस्यों ने बताया कि बस चालक जानबूझकर कभी भी एक्सीडेंट नहीं करते। हादसे के बाद बड़े वाहन के चालकों को दोषी ठहरा दिया जाता है। बस चालकों ने सरकार द्वारा लाए जा रहे नियम में बदलाव की मांग की है। इसे काला कानून बताया। उन्होंने कहा कि इस कानून में बदलाव नहीं होने पर आगे बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

चालकों की इस हड़ताल से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। नए वर्ष के मौके पर काफी संख्या में लोग आ जा रहे हैं, ऐसे में जब यात्रियों की तादाद बढ़ी हुई है और बसों का पूर्णतः परिचालन बंद हो जाने से काफी संख्या में यात्री परेशान हो रहे हैं। कम दूरी के लिए ऑटो से यात्री सफर कर ले रहे हैं , लेकिन लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।

हड़ताल में शामिल चालक संघ के लोग। ● फोटोन न्यूज

कोडरमा में अहिबरन जयंती और मिलन समारोह का आयोजन

शिक्षा के क्षेत्र में यह समाज आगे बढ़ रहा, यह हर्ष का विषय : अन्नपूर्णा

PHOTON NEWS KODERMA : नए साल पर सोमवार को बरनवाल सेवा सदन में अहिबरन जयंती सह परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कोडरमा सांसद सह केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने किया। इस दौरान अतिथियों ने महाराज अहिबरन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मौके पर सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज आगे बढ़ता है और संगठन मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यह समाज आगे बढ़ रहा है यह हर्ष का विषय है। पूर्व जिप प्रधान शालिनी गुप्ता ने नए साल की शुभकामना देते हुए ऐसे आयोजनों की सराहना की और कहा कि इससे समाज की एकता को भी बल मिलता है। उन्होंने कहा कि समाज के साथ और हित में सदैव कार्य करती रहूंगी।

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे उमरा यात्री दी गयी महत्वपूर्ण जानकारी

ट्रेनिंग कैंप में उमरा की जानकारी देते लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : अलग-अलग इलाकों से आए महिला,पुरुष हज उमरा यात्रियों को हज उमरा की महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। सैकड़ों हज उमरा यात्रियों को हज के सफर के लिए रहनुमाई की गई। डुमरी प्रखंड कुलीयत्स शालीहात नावाटांड में गिरिडीह जिला से जाने वाले हाजियों के लिए हज तरबियत कैम्प का आयोजन किया गया। मदीना ट्रेवल्स के बेनर तले ये हज तरबियत कैम्प में बड़ी तादाद में हजयात्री शामिल हुए। मदीना ट्रेवल्स के अध्यक्ष मौलाना इलियास मजाहिरी ने जानकारी देते हुए बताया कि हज तरबियत कैम्प में मौलाना सगीर, अध्यक्ष गिरिडीह जमीयत उलेमा के अध्यक्ष मौलाना अकरम, गिरिडीह जमीयत उलेमा के सीक्रेट मौलाना रुस्तम काशमी,मौलाना मुबीन साहब ने हज से जुड़ी जानकारी व प्रशिक्षण दिया और हज के अपने तजुर्बों को साझा किया। हज यात्रियों की रहनुमाई कुरआन व हदीस की रोशनी में की गयी। हज व? उमराह के दौरान किए जाने वाले हज के अरकान जैसे तवाफ करना, सफा एवं मरवाह के चक्कर लगाना, शैतान को कंकरी मारना, एहराम बांधना आदि का प्रैक्टिकल करके बारीकी से समझाया। हज के दौरान पढ़ी जाने वाली नमाज और दुआएं भी सिखाई गई। तरबियत कैम्प का संचालन कुलीयत्स शालीहात नावाटांड के मोहतमिम मौलाना जोहर ने किया। वहीं शायरों शायरी के जरिए मक्का और मदीना का महत्व बताया। तरबियत कैम्प में प्रमुख रूप से ग्रामीणों तथा उलेमाओं ने मदीना ट्रेवल्स झारखंड के अध्यक्ष इलियास मजाहिरी तथा मोलाना जोहर के प्रति शुक्रिया अदा किया।

उत्कल एक्सप्रेस रद्द रहने से नाराज यात्रियों ने किया हंगामा

JAMSHEDPUR : कुहासा के कारण 10 दिनों से लगातार लेट चल रही पुरी-ऋषिकेश कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस को रेलवे ने अप-डाउन में एक-एक दिन रद्द किया है। पुरी से रविवार 31 दिसंबर को उत्कल एक्सप्रेस नहीं खुली, इस कारण सोमवार को ट्रेन टाटानगर नहीं पहुंची। इसे लेकर सोमवार सुबह टाटानगर स्टेशन पर यात्रियों ने जमकर बवाल काटा। पूछताछ केंद्र में यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां कर्मचारियों से सटीक जानकारी नहीं मिलने के कारण लोग आक्रोशित हो गए और स्टेशन मास्टर कार्यालय में पहुंच कर हंगामा करने लगे। बाद में पूछताछ केंद्र के कर्मचारियों एवं आरपीएफ जवानों ने किसी तरह यात्रियों को ट्रेन रद्द होने का कारण बता कर शांत कराया। मालूम हो कि उत्कल एक्सप्रेस ऋषिकेश से लगातार 18 से 20 घंटे लेट चल रही है। इससे उत्कल एक्सप्रेस का एक फेरा पुरी से 31 दिसंबर रविवार रात रद्द कर दिया गया था। हालांकि 3 जनवरी बुधवार को ऋषिकेश से भी ट्रेन का एक फेरा रद्द किया गया है जबकि सोमवार को भी डाउन में ट्रेन अभी 11 घंटे लेट चल रही है। मालूम हो कि कुहासा के कारण अभी दिल्ली, यूपी, बिहार व मुंबई मार्ग की 10 ट्रेन लगभग रोज लेट से चल रही है।

कोल ब्लॉक व रेलवे कोयला रैक साइडिंग निर्माण के विरोध में ग्रामीणों ने लगाया जनता कर्फ्यू

PHOTON NEWS DUMKA : शिकारीपाड़ा प्रखंड में कोल ब्लॉक और रेलवे कोयला रैक साइडिंग निर्माण के विरोध में सोमवार को जनता कर्फ्यू लागू कर कई सड़क को अनिश्चितकालीन जाम कर दिया गया है।

जगतपुर, चायपानी, हरिणसिंगा, पंचवहिनी, पाटोशीमल, पाकदहा, लताकादर, भिलाईटांड, जमरुपानी, मकरापहारी आदि गांव में कोल ब्लॉक व पकदाहा रेलवे कोयला रैक साइडिंग निर्माण बढ़ता जा रहा है। प्रभावित गांव के चारों तरफ सडक में बांस बैरियर व बड़े-बड़े चट्टान लगाकर ग्रामीण सड़क बंद कर दिया गया। चौंकाने वाली बात है कि चिरूडीह-हुलासडंगाल, हुलास डंगाल-जमरुपानी, जमरुपानी - लताकादर, हुलासदंगाल-पाक दहा आदि सडक पर बड़े-बड़े चट्टान एवं बैरियर से जाम करने के घंटे बीत जाने के बाद भी प्रशासन झांकने भी नहीं पहुंची।

ग्रामीणों ने कहा कि लगातार विरोध के बावजूद स्थानीय विधायक जनप्रतिनिधि व प्रशासन पूंजीपति कंपनी के इशारे पर चल रही है। विधायक नलिन सोरेन के कुछ गिने-चुने नेता कोल ब्लॉक व रेलवे कोयला साइडिंग निर्माण में अपनी जेब भरने का काम कर रहे हैं झामुमो विधायक को भी चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

स्थानीय ग्रामीण जल जंगल जमीन की लड़ाई खुद बढ़-चढ़कर करेगा इसके लिए किसी बाहर के नेता व दलालों की जरूरत नहीं है। जनता कर्फ्यू लागू करते हुए आज से प्रभावित गांवों में कॉल ब्लॉक से जुड़े कर्मचारी पदाधिकारी के अलावे प्रशासन विधायक के प्रवेश पर रोक रहेगी। ग्रामीणों की लगातार विरोध को देखते हुए हरिणसिंगा पाकदहा रेलवे हाल्ट परिसर में निर्माण कार्य स्थल पर भी चुड़का लगाकर काम बंद बंद कर दिया गया है इसके बावजूद किसी तरह की गतिविधि होने पर ग्रामीण इसकी जवाब देही प्रशासन पर करने की बात कही।

खरसावां गोलीकांड के शहीदों को आजाद समाज पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने सोमवार को खरसावां गोलीकांड की 76वीं बरसी मनाई। इस अवसर पर खरसावां में पार्टी ने पैदल मार्च निकाला। हाथों में बैनर लिए पार्टी नेताओं ने खरसावां गोलीकांड के शहीदों के सम्मान में नारे लगाए और खरसावां बाजार से लेकर केरसे मुंडा चौक तक पैदल मार्च किया। तदोपरांत आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेताओं ने खरसावां शहीद स्थल पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। पार्टी के प्रदेश महासचिव आकाश मुखी ने खरसावां गोलीकांड को आजाद भारत का सबसे बड़ा नरसंहार करार देते हुए शहीदों के परिवारों को अबतक न्याय नहीं मिलने की बात कही। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष तरनी सेन माझी, आसपा पूर्वी सिंहभूम जिला महासचिव सन्नी सामड, आसपा पूर्वी सिंहभूम जिला उपाध्यक्ष शमीम अकरम, आसपा पूर्वी सिंहभूम जिला कोषाध्यक्ष दिलशाद अख्तर, जिब्रान आजाद आदि मौजूद थे।

धार्मिक स्थलों में पूजा-अर्चना व प्रार्थना कर लोगों ने की नववर्ष की शुरूआत

सैलानियों से गुलजार रहे खूंटी के पर्यटन स्थल

PHOTON NEWS KHUNTI : आंग्ल नव वर्ष के पहले दिन सोमवार को खूंटी जिले के सभी पर्यटन स्थल सैलानियों से गुलजार रहे, जबकि धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हिंदुओं ने जहां मंदिरों, देवी मंडपों और अन्य धार्मिक स्थलों में पूजा-अर्चना कर अंग्रेजी नव वर्ष की शुरूआत की। वहीं मसीही विश्वासियों ने गिरजा घरों में प्रार्थना कर अपनी दिनचर्या की शुरूआत की। जिले के प्रसिद्ध पेरवांघाट जलप्रपात, पंचघाघ जलप्रपात, सप्तधारा, पाडॅपुड़िंग, उलूंग, पेमघाघ जलप्रपात, लटरजंग डैम, लतरातू जलाशय, पंगुरा जलप्रपात सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर नववर्ष का उत्सव मनाने के लिए सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

पेरवांघाघ, पंचघाघ जैसे पिकनिक स्थलों पर तो भीड़ इस कदर उमड़ पड़ी कि लोगों को खाना बनाने और बैठने के लिए जगह तलाशने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कहीं लोग डीजे की धुन पर थिरक रहे थे, तो वहीं पकवानों की सुंगंध आ रही थी। लोगों ने परिवार और मित्रों के संग नववर्ष का जमकर लुत्फ अठाया।

बाबा आम्रेश्वर धाम सहित अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भींड़ : अंग्रेजी नववर्ष के मौके पर रविवार को राज्य के पसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम, नकटी मंदिर, बाबा नागेश्वर धाम, बुढ़वा महादेव, नामकुम महादेव मंदिर, सोनमेर माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर अपने और परिवार की समृद्धि की कामना की।

जरियागढ के नववर्ष उत्सव में शामिल हुए दर्जनों गांवों के लोग : छोटानागपुर की पुरानी रियासत जरियागढ़ के राजपरिवार द्वारा नववर्ष के मौके पर जरियागड़ के पास कारो नदी के तट पर नववर्ष उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों ने हिस्सा लिया औ शाकाहारी और मांसहार व्यंजन का लुत्फ उठाया। नववर्ष उत्सव के पूर्व जरियागढ़ा और आसपास के ग्रामीणों ने नृत्य-गीत के साथ राज पविचार के सदस्यों का पांव पछार कर उनका स्वागत किया।

मौके पर राज परिवार के सदस्य लाल विजस नाथ शाहदेव ने कहा कि आसपास के गांव के लोगों में एकता, सामाजिक सौहार्द्र बना रहे और बड़े-छोटे सभी एक दूसरे से परिचित हो सके, इसी को ध्यान में रखकर नववर्ष उत्सव का आयोजन किया गया। लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव ने कहा कि कारो नदी का तट काफी आकर्षक है। हर दिन लोग यहा लोंग पिकनिक मनाने आते हैं। सरकार और प्रशासन को चाहिएं कि इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करे। मौके पर जरियागढ़ राजपरिवार के अध्यक्ष लाल गुणवेदं नाथ शाहदेव, लाल धर्मेन्द्र नाथ शाहदेव, लाल रूपेंद्र नाथ शाहदेव लाल ज्योतिंद्र नाथ शाहदेव, लाल ज्योतिंद्र नाथ शाहदेव (हीरू), लाल उदय नाथ शाहदेव, लाल धीरेन्द्र नाथ शाहदेव, लाल रूपेंद्र नाथ शाहदेव, लाल प्रेमेन्द्र नाथ शाहदेव, अधिवक्ता अभिषेक भार्गव, रामकिशोर सिह, गौरव सिंह, अजीत सिंह, गोविंदपुर, मुरेचकेल, लापा, बिकुवादाग, जोजोदाग, गिडूम टिमड़ा, बकसुपुर सहित दर्जनों गांवों के लोग मौजूद थे।

नववर्ष पर नाचते-गाते लोग। ● फोटोन न्यूज

लोहरदगा में नववर्ष पर पिकनिक स्पॉट पर उमडी लोगों की भीड

PHOTON NEWS LOHARDAGA : नव वर्ष 2024 का स्वागत जिले वासियों ने भव्य तरीके से किया। 2023 की विदाई भी लोगों ने दी। जैसे ही रात के 12 बजे लोग आतिशबाजी शुरू कर दी। बम पटाखों के साथ 2023 की विदाई देने के साथ ही लोग एक दूसरे को फोन पर शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया। सुबह से नव वर्ष की तैयारी में जुटे लोग विभिन्न तरीकों से नए वर्ष का स्वागत किया।

कुछ लोग मंदिर में पूजा अर्चना के लिए निकल पड़े तो कुछ लोग पिकनिक मनाने के लिए जिले के विभिन्न रमणीक स्थान के लिए निकाल गए। नव वर्ष का स्वागत के लिए जिले में कई ऐसे रमणिका स्थल है, जो बाहें फैलाए पिकनिक मनाने वालों का स्वागत में तैयार है। पिकनिक का आनंद लेने के लिए सबसे ज्यादा उत्साहित युवा एवं बच्चे दिखे।

सुबह से ही युवा एवं बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाने के समान खरीदे एवं साउंड बॉक्स तैयार कर पिकनिक स्थल के लिए निकल गए। युवा वर्ग इतना उत्साहित था कि अपने घरों से खाना बनाने का सामान लेकर पिकनिक स्पॉट के लिए निकले। पिकनिक मनाने वाले लोग कोई मटन तो कोई चिकन लेकर पिकनिक स्पॉट पहुंचे और परिवार सहित पिकनिक स्पॉट में ही खाना बनाकर इन स्पॉटों में बने व्यंजनों का आनंद लिया।

दिन भर खाने पीने, गीत संगीत का दौरा चलता रहा। शाम होने के बाद ही लोग अपने घरों के लिए रमणिका स्थल से निकले। जिले के खखपरता मंदिर, लावा पानी जलप्रपात, केकरांग घाटी, कोयल नदी तट, शंख नदी तट, नंदलाल फॉर्म, कोरांबे महाप्रभु मंदिर, कांति झरना, अखिलेश्वर मंदिर, मनोकामना सिद्ध मंदिर खरता, नंदनी जलाशय, शहरी क्षेत्र में स्थित अजय उद्यान सहित अन्य स्थानो में पहुंचकर नए साल का आनंद उठाया।

BRIEF NEWS

आज से खुलेगा हाईकोर्ट और रांची सिविल कोर्ट

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट और रांची सिविल कोर्ट मंगलवार से खुलेगा। कोर्ट की कार्यवाही सुबह 10:30 बजे से शुरू होगी। जानकारी के अनुसार झारखंड हाई कोर्ट में एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ सहित सभी अदालत में सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई होगी। वहीं रांची सिविल कोर्ट में भी सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई होगी।

झारखंड को मिलेंगें सात नये विश्वविद्यालय

RANCHI : राज्य में 2024 में सात नये विश्वविद्यालय की स्थापना होनी है। इस दौरान चार अंगीभूत कॉलेजों को विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया जाएगा तो वहीं, तीन नए विश्वविद्यालय भी खोलें जाएंगे। इससे भविष्य में झारखंड के शिक्षा के स्तर को सुधारा जा सकता है। राजय में शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की कवायद चल रही है। इसके तहत सात नये विश्वविद्यालय खोली जा रही है। इनमें चार कॉलेजों को विश्वविद्यालय में अपग्रेड किया जाएगा और तीन नये विश्वविद्यालय खोले जाएंगे।देवघर कॉलेज, रांची महिला कॉलेज, केओ कॉलेज गुमला और जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज को विश्वविद्यालय में अपग्रेड किया जाएगा। इसके अलावा तीन नये विश्वविद्यालय स्थापित किये जाएंगें।

राजनीतिक मैदान में हमसे नहीं सका विपक्ष तो तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर परेशान कर रहा

राजनीतिक उठापटक का साल रहेगा 2024 एकजुटता के साथ फिर बनाएंगे सरकार : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : शहीदों को श्रद्धांजलि देने सीएम सोमवार को खरसावां पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ने कहा कि अलग राज्य बनने के दौरान यहां सरप्लस बजट था, परंतु पूर्व की सरकारों ने यहां के संसाधनों का दोहन किया। 2019 में सरकार बनने के बाद से ही हमने आदिवासियों को उनका हक और अधिकार देना शुरू किया, जिससे उनके पेट में दर्द होने लगा। राजनीतिक मैदान में हमसे नहीं सके, तो तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर परेशान कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि सरकार गठन के बाद से ही विपक्षी दल के नेता हमारी सरकार को गिराने का षडयंत्र रच रहे हैं, लेकिन झारखंड के युवा अब जागरूक हो चुके हैं। उनके हर मंसूबों पर पानी फेरने के लिए तैयार बैठे हैं। ये अपने मंसूबे में कभी सफल नहीं होंगे। हमारी सरकार पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। इसके साथ ही 2024 में अगले पांच साल के लिए भी सरकार बनायेंगे। सीएम ने कहा कि झारखंड के माथे से पिछड़े राज्य के कलंक को मिटाने का काम करेंगे। मंच से विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि 2024 राजनीतिक उठापटक का साल रहेगा। ऐसे में हमें एकजुटता दिखाते हुए फिर से सरकार बनानी है।

आदिवासी-दलित एक हो गये तो देश की सत्ता से बाहर हो जाएंगे विपक्षी दल

सीएम हेमंत सोरेन ने देशभर के आदिवासियों को एक होने की अपील करते हुए कहा कि देश में करीब डेढ़ सौ लोकसभा सीट एसटी-एससी के लिए आरक्षित है। जिस दिन आदिवासी व दलित एक हो गये, ये देश की सत्ता में कभी वापस नहीं आ पायेंगे। उन्होंने कहा कि जो इस राज्य पर बुरा नजर डालेगा, उसे झामुमो नहीं छोड़ेगी। यहां के लोगों के मान, सम्मान स्वाभिमान से खिलवाड़ करने नहीं दिया जायेगा। शहीद स्थल पर किसान मेला के आयोजन पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का नाम लिए बगैर आलोचना करते हुए कहा कि आज के दिन हम सभी शहीद दिवस को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते हैं। मगर कुछ लोग इसकी रूपरेखा बदलने में लगे हुए हैं।

ये थे मौजूद

मौके पर कल्याण मंत्री जोबा मांझी, विधायक दशरथ गागराई, दीपक बिरुआ, सविता महतो, सुखराम उरांव, जिप अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, भुवनेश्वर महतो, आदिवासी हो समाज महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष कृष्ण चंद्र बोदरा, मनोज सोय, सावित्री कुदादा, सुभेंदु महतो आदि उपस्थित थे। सभा स्थल पर काफी संख्या में लोग पहुंचे थे।

विकास को आगे ले जा रही सरकार : मंत्री

आदिवासी कल्याण सह परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने भाजपा पर जमकर हहला बोला। उन्होंने कहा कि आजाद भारत के एक वर्ष बाद पूर्वजों ने इसी धरती से आंदोलन का बिगुल फूंका था। पिछली सरकार ने जब सीएनटी-एसपीटी एक्ट संशोधन करने का प्रयास किया तो इसी खरसावां की धरती से विरोध के स्वर उठे और उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा। क्षेत्र के सांसद ने यहां इतिहास को कैसे समाप्त करें, इसके लिए प्रयास किया है। भाजपा को झारखंड के नाम से परहेज था। वनांचल करने का प्रस्ताव दिया था। शहीद दिवस की महत्ता सीएम की उपस्थिति में सभा को संबोधित करते हुए खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि वीर शहीदों की महत्ता को कम करने के लिए आज के दिन भारत सरकार द्वारा शहीद किसान मेला का आयोजन किया गया है। हम किसान मेला के विरोधी नहीं है, इसका आयोजन अलग दिन में होना चाहिए था। शहीद दिवस पर किसान मेला का आयोजन कर शहीदों की महत्ता को कम करने का प्रयास किया गया। खरसावां की जनता ने 2014 में वैसे लोगों को नकारने का काम किया। उन्होंने कहा कि खरसावां की जनता के प्यार व आशीर्वाद के कारण मैंने 2014 में दो शहीदों के आश्रितों को चिन्हित करते हुए सम्मान दिलाने का काम किया था। विधायक ने कहा कि खरसावां गोलीकांड के आंदोलनकारियों सम्मानित करने हेतु राज्य सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखा है ताकि सरकार द्वारा शहीदों के लिए चलाई जा रही योजना का लाभान्वित हो सकें

एक लाख से अधिक शिव भक्तों ने किया पहाड़ी मंदिर में जलार्पण

शहर के विभिन्न मंदिरों में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

PHOTON NEWS RANCHI : नववर्ष की शुरूआत लोगों ने मंदिरों में मत्था टेक कर किया। नए साल पर शहर के मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। पहाड़ी मंदिर में एक लाख से अधिक शिवभक्तों ने जलार्पण किया। मंदिर का पट खुलते ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पहाड़ी मंदिर यहां तीन बजे सुबह सरकारी पूजा आरंभ हुआ और पहाड़ी बाबा का श्रृंगार-आरती मंदिर के मुख्य पुजारी कबीरदास बाबा एवं पिंटू बाबा द्वारा किया गया। पूजा में पहाड़ी मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष एनएन पांडेय, बादल सिंह एवं मंदिर के लोग शामिल थे। इसके बाद मंदिर का पट आम भक्तों के लिए खुल गया। समिति के लगभग दो सौ स्वयंसेवक लगे हुए थे। सभी लोगों ने पहाड़ी बाबा का जलाभिषेक अरघा से किया। समिति द्वारा भोग का वितरण किया गया। इस दौरान यहां मेडिकल टीम, फायरब्रिगेड की गाड़ी , महिलाओं के लिए चलंत शौचालय की व्यवस्था की गई थी। शहर के हर क्षेत्र में मंदिर गुलजार रहे। कोकर के शिव मंदिर में भी भीड़ रही। मेन रोड में काली मंदिर में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। सुबह सर्वाधिक भीड़ रही। वहीं संकटमोचन मंदिर व तपोवन मंदिर में भी भक्तों की भीड़ रही। जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्म संघ के महातपस्वी आचार्य श्रीमहाश्रमण की विदुषी समणी डा. निर्वाणप्रज्ञा तथा श्रमणी मध्यस्थप्रज्ञा रांची में प्रवास कर रही हैं। समणीजी ने नव वर्ष के प्रथम दिवस पर वृहद मंगल पाठ का वाचन किया। इसके बाद महिला मंडल एवं बच्चों द्वारा गीतिका पेश की गई। इसके बाद प्रवचन हुआ। समणीजी ने कहा कि इस नव वर्ष में हमलोगों को अपने बच्चों को अपनी भारत की संस्कृति, अपने हिंदी महीने चैत्र, बैशाख आदि की जानकारी भी देनी चाहिए। साथ ही हमारे पूर्वजों द्वारा जो संस्कृति हमें धरोहर में मिली है वह आगे हमारी आने वाली पीढ़ी को भी प्राप्त हो।

पहाड़ी मंदिर में महादेव के दर्शन को आतुर दिखें भक्त।

नव वर्ष पर गुरुद्वारा में सजा विशेष दीवान

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कालोनी में नववर्ष पर सुबह विशेष दीवान सजा। नव वर्ष विशेष दीवान की शुरूआत सुबह 07.45 बजे भाई महिपाल सिंह जी द्वारा आसा दी वार कीर्तन से हुई। विशेष रूप से पधारे सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई प्रिंस पाल सिंह पटियाला वाले ने कर किरपा तेरे गुण गांवां...राजन के राजा महाराजन के महाराजा तुम हो..शबद गायन कर संगत को गुरवाणी से जोड़ा। सुबह 09.45 वजे तो 10.30 बजे तक हेड ग्रंथी श्री हरमंदिर साहिब, अमृतसर ज्ञानी मान सिंघ ने कथावाचन करते हुए कहा कि श्री गुरुग्रंथ साहिब जी की आरंभता गुरु प्रसाद से है और समूची वाणी में इसका जिक्र है। उन्होंने कहा कि सांसारिक जिम्मेवारियों के अलावा हमें अकाल पूरख का सिमरन भी करना चाहिए और रोजाना गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर श्री गुरुग्रंथ साहिब जी का आशीर्वाद लेने के बाद ही दिनचर्या शुरू करनी चाहिए।

नव वर्ष 2024 को लेकर जश्न, शहर रहा वीरान, पर्यटक स्थलों पर दिखी रौनक

राजधानी के पार्क, पहाड़ झरने नये साल पर रहे गुलजार, लोगों ने खूब की मस्ती

PHOTON NEWS RANCHI : नए साल के पहले दिन शहर की सड़कों पर सन्नाटा ही पसरा रहा। हालांकि शहर में सुबह-सुबह मंदिरों में भीड़ रही। नए साल में सैलानियों ने खूब मौज-मस्ती की। पर्यटन स्थलों पर चहल-पहल दिखी। लेकिन इसके बाद शहर खाली-खाली ही रहे। शहर की आधा से अधिक दुकानें बंद रहीं। लोग नया साल मनाने पार्क में जुटे थे। वहीं, कांके डैम, धुर्वा डैम, राक गार्डेन, आक्सीजन पार्क, मोरहाबादी मैदान से लेकर पतरातू डैम तक नए साल का नजारा दिखा। शहर के आस-पास जलप्रपातों पर भी लोगों की भीड़ रही। जोन्हा, हुंडरू, दशम, सीता, हिरनी आदि जलप्रपातों पर लोग पिकनिक मनाते दिखे। मौसम भी खुशगवार था। लोगों ने परिवार संग साल के पहले दिन का आनंद लिया। हर जगह पर सैलानियों की भीड़ देखने को मिली। हर जगह पर सैलानियो के लिए खास देखने को मिला। सैलानियों के स्वागत के लिए पतरातू में विदेशी पंक्षी पहुंचे मिले। साथ ही लोगों ने जमकर स्ट्रीमर का लुफ्त उठाया। राजधानी के आसपास मौजूद कांके डैम, रूक्का डैम, धुर्वा डैम में लोग ठंड हवाओं के साथ स्वदिष्ट व्यंजनों का आनंद उठाते हुए दिखाई पड़े। जबकि नए वर्ष में शहर के पार्क भी सुबह से गुलजार दिखाई पड़े। पार्कों के अंदर और बाहर सैलानियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल मैदान के सामने निगम पार्क में नये साल के अवसर पर बच्चे, बड़े युवा सभी की भारी भीड़ जुटी।

रांची स्थित धुर्वा डैम में जुटी पर्यटकों की भीड़, अपनों सग नए साल का जश्न मनाते नजर आए लोग।

धुर्वा डैम की सुंदरता सबसे सैलानियों के लिए सबसे खास

रांची के धुर्वा डैम की सुंदरता सबसे सैलानियों के लिए सबसे खास है। हर साल दिसंबर के माह से मार्च तक सैलानियों की काफी होती है। नए साल पर भी धुर्वा डैम में काफी भीड़ देखने को मिली। इस डैम की खुबसूरती देखते ही मिलती है। डैम में दूर-दराज से लोग नहाने तक पहुंचते है। धुर्वा डैम का पानी सबसे साफ और स्वच्छ है। नए साल में पूरे डैम परिसर में सुरक्षा बल की विशेष रूप से तैनाती की गई थी।

पतरातू डैम में हजारों की संख्या में उमड़े सैलानी

नए वर्ष पर सैलानियों के स्वागत में पतरातू डैम तैयार हो चुका है। सोमवार को पतरातू डैम में हजारों की संख्या में सैलानी उमड़े। इस दौरान सैलानियों ने पहले पतरातू घाटी का आंनद उठाया। घाटी में पहुंचे सैलानियों ने जमकर घाटी का दीदार किया। साथ ही सेल्फी खींची। इसके साथ ही पतरातू डैम में भी सैलानियों की भीड़ देखने को मिली। सैलानियों ने पतरातू डैम में स्ट्रिमर, नौका बिहार, ब्रेक डांस और खाने-पीने का आनंद उठाया। इस दौरान पतरातू डैम में सैलानियों ने विदेशी पक्षियों की तस्वीर अपने-अपने कैमरे में कैद किया। वहीं जिला पुलिस बल द्वारा सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम थे।

कांके डैम की खुबसूरती का लोगों ने किया दीदार

नए साल में कांके डैम में सुबह से ही सैलानियों की काफी भीड़ देखने को मिली। कांके डैम शहर के बीची में होने के कारण शहरवासी आसानी से डैम की खुबसूरती का दीदार करने पहुंचे। डैम में सैलानियों के लिए खाने-पीने के स्टाल लगाए गए हुए थे। चौमिन-चिल्ली, फुचका-चाट के स्टाल पर भी काफी भीड़ देखी गई।

अक्सीजन पार्क राजधानी के मोरहाबादी मैदान परिसर में मौजूद आक्सीजन पार्क शुरू से ही चर्चा में रही है। नए साल में इस बार सैलानियों के मनोरंजन के कई साधन मौजूद है। खासकर बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला-मेला और फव्वारा का आनंद उठाते दिखाई पड़े। लोग फूल-बगिचा आदि के साथ सेल्पी लेते दिखाई पड़े। साथ ही पार्क के बाहर चाट-फुचका के स्टाल में खूब भीड़ देखने को मिली।

चिल्ड्रेन पार्क मोरहाबादी मैदान में मौजूद चिल्ड्रेन पार्क बच्चों के लिए पहली पंसद है। पार्क के अंदर घोड़ सवारी, कार सवारी, वोटिंग, जांपिंग-जांपिंग जैसे कई मनोरंजन के साधन मौजूद रहे। नए साल पर रेस्टोरेंट में भी कई प्रकार के व्यंजनों को तैयार किए गए थे। जिसका सैलानियों ने जमकर लुत्फ उठाया।

चिल्ड्रेन पार्क जेल मोड़ पर मौजूद बिरसा मुंड़ा जेल पार्क में नए साल के स्वागत के लिए कई प्रकार के खाने-पीने के स्टाल लगाए गए थे। साथ ही बच्चों के लिए कई प्रकार के झूले लगाए गए थे।

सिद्धो कान्हो पार्क सिद्धो-कान्हो पार्क में भी बड़ी संख्या में नये साल का जश्न मनाते लोग नजर आये। यहां बड़ों के लिए 15 रुपये एवं बच्चों के लिए 10 रुपये प्रवेश शुल्क था। सुबह से शाम तक करीब 900 लोग पार्क में मनोरंजन के लिए पहुंचे। पार्क में झरने, पत्थर की गुफा, फूलों के बगीचे देखते ही बन रहे थे।

3 से 5 जनवरी तक राजधानी समेत 12 जिलों में छाया रहेगा आंशिक बादल

कल से बारिश की संभावना, बढ़ेगी कनकनी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों का मौसम बदल रहा है। कोहरा और धुंध का असर भी दिख रहा है। 2 जनवरी को सुबह में मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध छाया रहेगा। जबकि आसमान साफ व मौसम शुष्क बना रहेगा। वहीं 3 से 5 जनवरी तक राजधानी रांची के अलावे, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गुमला व खूंटी के अलावे उत्तर पश्चिमी हिस्से में कहीं कहीं आंशिक बादल छाए रहेंगे और वर्षा होने की संभावना है। वर्षा के बाद पूरे राज्य का तापमान एक बार फिर गिरेगा और कनकनी बढ़ेगी। वरीय विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि 2 जनवरी के बाद मौसम बदलेगा।हालांकि राजधानी में आसमान साफ रहा और मौसम शुष्क बना रहा। जबकि राज्य के उत्तरी यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, गिरिडीह, साहेबगंज के साथ साथ दक्षिण पूर्वी हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में कहीं कहीं घना कोहरा छाया रहा। यह स्थिति 5 जनवरी तक बनी रहेगी। इसे लेकर मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। राजधानी समेत राज्य के अन्य हिस्सों के न्यूनतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

ऐसा रहा मौसम

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो सुबह में मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहा जबकि राजधानी रांची में मौसम शुष्क बना रहा और आसमान मुख्यतः साफ रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री चाईबासा का और सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस गिरिडीह का रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची का अधिकतम 24.2 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

नव वर्ष पर गिरजाघरों में मसीहियों ने की प्रार्थना

RANCHI : राजधानी में नए वर्ष के स्वागत में गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। संत मरिया महागिरजाघर में सुबह को मिस्सा किया गया। इस दौरान सभी ने नव वर्ष पर ईश्वर से प्रार्थना किया। लोगों ने ईश्वर का आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि हम सभी को नये साल में नया जीवन देने के लिए प्रभु का धन्यवाद देता हूं। हमेशा हमपर प्रभु अपनी कृपा बनाए रखें। वहीं रांची के जीईएल चर्च में सोमवार को वर्ष के पहले दिन सुबह को पवित्र प्रभुभोज किया गया। इसमें पुरोहित जेडी भेंगरा के द्वारा आराधना किया गया। बिशप एसएस तिर्की उपदेशक रहे। संत पाल महापासनालय रांची पेरिस में नए साल का स्वागत प्रभु यीशु की प्रार्थना के साथ किया गया। नव वर्ष पर चर्च में रात से ही विशेष प्रार्थना किया गया।

डीएसपी की पत्नी ने पहले थाना में किया केस फिर विवादित जमीन पर लगा दिया गेट

वरीय अधिकारियों को दी गई सूचना लेकिन नहीं हुई कार्रवाई

CRIME REPORTER RANCHI : खेलगांव इलाके में रहने वाले डीएसपी प्रदीप उरांव की पत्नी शालिनी कच्छप ने विवादित जमीन से जुड़े मामले में पहले थाना में केस किया फिर जबरन विवादित जमीन पर गेट लगा दिया। डीएसपी प्रदीप उरांव साहेबगंज में पदस्थापित हैं। खेलगांव थाना की पुलिस का कहना है कि विवादित जमीन पर जबरन गेट लगाने की सूचना मिली है। मामला कोर्ट में लंबित है। इसके बाद भी डीएसपी की पत्नी के द्वारा गेट लगा दिया गया। इसकी सूचना पुलिस के वरीय अधिकारियों को भी है लेकिन किसी के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस मामले में पुष्पा कुजूर का कहना है कि उन्होंने जमीन मालिक पकलू उरांव से वर्ष 2021 में दस कट्ठा जमीन लिया था। जमीन का रजिस्ट्री भी हो गया है। लेकिन उसी जमीन पर शालिनी का दावा है कि उन्होंने पकलू को 16 कट्ठा जमीन के लिए साढ़े 25 लाख रुपये दिया है। हालांकि शालिनी का रजिस्ट्री नहीं हो पाया है। मेरी पुष्पा का कहना है कि 16 कट्ठा जमीन में उन्होंने दस कट्ठा लिया था बाकी का छह कट्ठा शालिनी ने लिया था। वहीं जमीन मालिक पकलू उरांव ने एसएसपी से शिकायत की है कि उन्होंने छह कट्ठा जमीन शालिनी को दिया है। लेकिन उन्होंने छह कट्ठा को 16 कट्ठा बना दिया। पुलिस का कहना है कि शालिनी के बयान पर भी पकलू,विजय टोप्पो,मेरी कुजूर, मनोज लोहरा और राजेंद्र लोहरा के खिलाफ केस हुआ है। खेलगांव थानेदार मनोज महतो का कहा है कि मामले की जांच चल रही है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

BRIEF NEWS

अरुण सारंगी बने उड़ीसा पुलिस के महानिदेशक

BHUBANESHWAR : आईपीएस अरुण सारंगी ने राज्य पुलिस के महानिदेशक का पदभार संभाल लिया है। उन्हें पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अरुण सारंगी को पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है क्योंकि वर्तमान डीजीपी सुनील बंशल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अरुण सारंगी बीजू पटनायक राज्य पुलिस अकादमी के निदेशक हैं। इसके अलावा वह डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। नियमित डीजीपी की नियुक्ति तक अरुण सारंगी प्रभारी रहेंगे।

केंद्रीय टीम ने हैजा फैलने के कारणों का लिया जायजा

ROURKELA : स्टील सिटी राउरकेला में हैजा फैलने की घटना में सोमवार को हालात का जायजा लेने केंद्रीय टीम राउरकेला पहुंची। पांच सदस्यीय टीम से दो लोग पहले राउंड में पहुंच गए हैं। राउरकेला सरकारी अस्पताल में सेंट्रल टीम के सदस्यों के बीच बचाव और राहत कार्य पर चर्चा हुई।

बिलाड़ के हमले में 8 भेड़ें मारी गईं, कई घायल

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के लहुणीपाड़ा ब्लॉक महुलपदा इलाके में पिछले कुछ दिनों से बिलाड़ का आतंक जारी है। बिलाड़ का एक समूह अलग-अलग गांवों में आकर और खटाल में घुसकर भेड़ों पर हमला कर रहा है। बिलाड़ के हमले में 8 से ज्यादा भेड़ों की मौत हो गई, जबकि कई भेड़ें घायल हो गईं। हालांकि वन विभाग बिलाड़ की गतिविधियों पर नजर रख रहा है, लेकिन हमले के समय का पता नहीं चल पाया है। बताया गया है कि बिलाड़ के एक समूह ने करीब पांच लोगों के घरों में भेड़ों पर हमला किया है।वन विभाग द्वारा आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था की जा रही है।

राउरकेला से सात जनवरी तक उड़ान सेवाएं रद्द

ROURKELA : खराब दृश्यता के कारण राउरकेला-भुवनेश्वर और राउरकेला-कोलकाता एलायंस उड़ान कथित तौर पर सात जनवरी, 2024 तक रद्द कर दी गई। लगातार दृश्यता लगभग 3500 मीटर है। घने कोहरे और रनवे की खराब दृश्यता के कारण लगातार उड़ान रद्द होने के बाद राउरकेला हवाई अड्डे पर लोगों की उम्मीदें धूमिल होती जा रही हैं।

खरसावां स्थित गोंदपुर मैदान में आयोजित किसान मेला में पहुंचे राज्यपाल, बोले-

किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए निरंतर कार्य कर रहे पीएम

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के हित में कई नई योजनाएं शुरू की हैं। प्रधानमंत्री किसानों, आदिवासियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

राज्यपाल सोमवार को खरसावां स्थित गोंदपुर मैदान में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से आयोजित किसान मेला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान मेला के आयोजन से लोगों को आपस में संवाद करने, आधुनिक तकनीकी एवं आधुनिक उपकरणों से कृषि कार्य करने इत्यादि की जानकारी होती है।

कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल। ● फोटोन न्यूज

राज्यपाल ने कहा कि किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को छह हजार रुपये की सम्मान राशि प्राप्त हो रही है। पूर्व में फसल बीमा योजना के तहत जब पूरा इलाका बाढ़ और सुखाड़ से प्रभावित होता था, तब कृषकों को बीमा का लाभ मिला करता था। लेकिन अब एक अकेले किसान का खेत बाढ़ और सुखाड़ से प्रभावित होता है तो उसे भी बीमा का लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के माध्यम से खाद एवं कीटनाशकों के छिड़काव की व्यापक योजनाएं बनाई गयी हैं और इससे लोगों को लाभ मिलना शुरू हो गया है। इससे कृषकों का श्रम कम लगेगा एवं लागत भी कम होगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जून मुंडा ने राज्य को सबसे अधिक एकलव्य विद्यालय की दी सौगात

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने राज्य को सबसे अधिक एकलव्य विद्यालय का सौगात दी है। उनके नेतृत्व में निश्चित ही कृषि के क्षेत्र में क्रांति होगी। विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों में वहां की जलवायु एवं पर्यावरण के कृषि क्षेत्र में अनुकूल विकास होगा। उन्होंने किसान मेला में आधुनिक तकनीक से किए मशरूम उत्पादन एवं मोटे अनाज (मिलेट्स) के विभिन्न उत्पादों को देखकर कहा कि इससे इस क्षेत्र में काफी विकास होने की संभावना है। राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि सभी अपने-अपने क्षेत्रों में ह्याकिसान उत्पादक संगठनह्ल गठित कर सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले। राज्यपाल ने विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों को कृषि कार्य से संबंधित किट तथा विभिन्न सखी मंडलों को आधुनिक कृषि मशीनें भी वितरित की।

नये साल का मना जश्न, विभिन्न क्लबों सहित देव स्थानों में जुटे लोग

नववर्ष पर मंदिरों में जुटी भक्तों की भीड़। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला में नये साल का जश्न धूमधाम से मना। विभिन्न क्लबों, रेस्टोरेंटों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पिकनिक स्पॉट खंडाधर में लोगो ने बनभोज कर नया साल का आनंद लिया।

हनुमान बाटिका समेत विभिन्न देव स्थानों पर नये साल में भक्तो की भीड़ देखने को मिली। वैष्णव देवी मंदिर प्रांगण में भंडारा और भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भंडारा का आयोजन में पूरी सब्जी एवं खिचड़ी के भोग भक्तों बीच वितरण किया गया। बसंती सरोबार, इंद्रागाधी पार्क एरोड्रम फील्ड लगभग सभी स्थानों पे लोगों ने पिकनिक कर घूमने फिरने गए।

नव वर्ष 2024 के स्वागत के लिए राउरकेला ब्राह्मणी क्लब में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथि के रूप में श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक, रघुनाथपाली विधायक सुब्रत तराई, हॉकी स्टार पद्मश्री फिलिप तिर्की, पानपोसा उपजिलापाल विजय कुमार नायक शामिल हुए।

टाटा स्टील के एमडी ने केक काटकर किया नये साल का स्वागत, बोले-

सरकार का इंडस्ट्रियल टाउन बनाने का फैसला सही

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने शहर के वरिष्ठ नागरिकों और गणमान्य लोगों के साथ केक काटकर नये साल का स्वागत किया। बिष्टुपुर स्थित रुसी मोदी सेंटर फॉर एक्सीलेंस में आयोजित कार्यक्रम में केक कटिंग कार्यक्रम आयोजित हुआ। मौके पर टिनप्लेट के पूर्व एमडी आरएन शर्मा, टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी टुन्नु समेत अन्य लोग मौजूद थे। इस दौरान टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन के साथ उपाध्यक्ष चाणक्य चौधरी समेत तमाम अधिकारीगण मौजूद थे।

इस अवसर पर एमडी ने सभी नव वर्ष की बधाई दी और कंपनी द्वारा किये जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। बताया कि आने वाला साल भी चुनौतियों से भरा रहेगा। चीन जैसे देशों के स्टील के सेक्टर में बढ़ते निर्यात के कारण काफी परेशानी बढ़ रही है। इसको लेकर भी रणनीति के तहत काम करने की जरूरत है। स्टील सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सरकारों के प्रयासों का सकारात्मक असर रहा है और टाटा स्टील का मुनाफा काफी बेहतर हुआ है। उन्होंने बताया कि कंपनी को और आगे ले जाने के लिए विस्तारीकरण पर काम चल रहा है। टाटा स्टील को ओड़िशा प्लांट के विस्तार के साथ ही जमशेदपुर के सारे डाउनस्ट्रीम प्लांट का भी विस्तार होगा। कंपनी करीब तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश जमशेदपुर और आसपास के लिए कर रही है।

केक काटते टीवी नरेंद्रन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

कार्बन उत्सर्जन को जीरो करने का प्रयास : टीवी नरेंद्रन ने इंडस्ट्रियल टाउन बनाने को लेकर झारखंड सरकार द्वारा लिये गये फैसले का स्वागत किया है। कहा कि झारखंड सरकार ने जमशेदपुर के विकास को लेकर काफी बेहतर काम किया है। इंडस्ट्रियल टाउन बनाने का फैसला सही है। इंडस्ट्रियल टाउन बनने से शहर का विकास होगा और शहर को एक नयी पहचान मिलेगी। टाटा स्टील हमेशा से चाहती थी कि इंडस्ट्रियल टाउन बनाया जाये। इसको लेकर नागरिकों ने भी कंपनी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील कार्बन उत्सर्जन को जीरो करने के लिए लगातार काम कर रही है। वे लोग अभी चीन के निर्यात को लेकर वेट एंड वाच की स्थिति में है। इसके बाद टाटा स्टील समेत देश की सारी स्टील कंपनियां एक बार फिर से डंपिंग ड्यूटी को बढ़ाने की मांग करेगी जैसे 2015 में हुआ है।

यमराज ने लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने वालों को फूलों के हार का फ्रेम दिखाकर किया गया सतर्क

PHOTON NEWS ROURKELA : सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने वालों का फूलों से स्वागत किया गया। इसके विपरीत, जो लोग बिना हेलमेट के गाड़ी चला रहे थे, उन्हें फूलों के हार का फ्रेम दिखाया गया। कहा गया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न करने वालों का फोटो में फूल के हार लग जायेगा। यह 2024 के पहले दिन राउरकेला शहर में परिवहन विभाग द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह था। ₹सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा₹। यह नारा लंबे समय से चला आ रहा है। लेकिन लोग इस बात पर ज्यादा ध्यान न देकर आए दिन ट्रैफिक नियम तोड़ रहे हैं। हेलमेट पहनके दोपहिया वाहन चलाने, सीट बेल्ट लगाने आदि के बारे में बार-बार चेतावनी दी जा रही है। राउरकेला में सोमवार लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए सड़क सुरक्षा नाटक की शुरूआत की गई है।

यमराज बनकर लोगों को जागरूक करता कलाकार। ● फोटोन न्यूज

नशे में गाड़ी चलाने पर प्रतिबंध होने के बावजूद लोग शराब के नशे में गाड़ी चलाते नजर आते हैं। लोगों के मन में सड़क सुरक्षा कानूनों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए आज से 7 जनवरी तक सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। राउरकेला में भी परिवहन विभाग के तत्वावधान में सोमवार से कार्यक्रम शुरू हो गया है।आरटीओ समेत परिवहन विभाग के अधिकारी सड़कों पर वाहनों की जांच कर रहे हैं और लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक कर रहे हैं।

शहर में सड़क सुरक्षा जागरूकता जुलूस भी निकाला जाता है। यमराज की पोशाक पहने एक कलाकार बेहद प्रभावशाली अंदाज में लोगों को सड़क सुरक्षा जागरूकता संदेश देते नजर आए।

दैनिक जीवन की गतिविधियों से अवगत कराने विभिन्न स्कूलों में पहुंचेगी बस

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय परिसर में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त अनन्य मित्तल ने दैनिक जीवन में मशीनें आधारित भ्रमणशील विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर भ्रमण हेतु रवाना किया। विज्ञान प्रदर्शनी बस के माध्यम से 1 जनवरी से 31 जनवरी तक जिला के विभिन्न निर्धारित 9 उच्च विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को दैनिक जीवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया जाएगा। वाहन में दैनिक जीवन से जुड़ी कुल 20 प्रदर्श लगाए गए हैं, जो जीवन को सुलभ बनाने के लिए मनुष्य द्वारा किसी न किसी रूप में सुबह उठने से लेकर रात सोने तक में उपयोग करता आया है, इसकी जानकारी दी जाएगी। बताया गया कि यह प्रदर्शनी बस द्वारा निर्धारित विद्यालयों में तीन दिनों तक प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। मौके पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील समेत अन्य उपस्थित थे।

बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

इन चिन्हित विद्यालयों में जाएगी बस

मांगीलाल रूंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय, चाईबासा, प्लस टू जिला स्कूल, चाईबासा, प्लस टू उच्च विद्यालय, झींकपानी, प्लस टू उच्च विद्यालय, मंझारी, मारवाड़ी प्लस टू उच्च विद्यालय, चक्रधरपुर, प्लस टू उच्च विद्यालय, पुरुनियां, रस्सेल प्लस टू उच्च विद्यालय, जगन्नाथपुर, प्लस टू उच्च विद्यालय, मझगांव, प्लस टू उच्च विद्यालय, चीटीमिटी।

बानरा स्पोर्टिंग क्लब की ओर से आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

घाघरी में मनाया वीर सपूत पोटो हो सरदार की शहीद दिवस, विधायक ने दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड के घाघरी फुटबॉल मैदान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बानरा स्पोर्टिंग क्लब घाघरी द्वारा घाघरी गांव के सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में सेरेंगसिया घाटी लड़ाई के वीर सपूत पोटो हो सरदार का शहीद दिवस कार्यक्रम आदिवासी रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना कर मनाया गया।

मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपक बिरुवा जी ने उपस्थित होकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किए। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष सतीश सुंडी, मन्ना कुदादा समेत अन्य उपस्थित हुए। सबसे पहले घाघरी गांव के दिउरी द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पोटो हो के तस्वीर पर माला पहनाकर कार्यक्रम का आरंभ किया गया। उसी के साथ उपस्थित अन्य लोगों ने बारी-बारी से पोटो हो के तस्वीर पर पुष्प अर्पण कर शहीद दिवस को सादगी से मनाया।

श्रद्धांजलि देते विधायक दीपक बिरुवा। ● फोटोन न्यूज

इस अवसर पर बानरा स्पोर्टिंग क्लब घाघरी की ओर से तीन दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का भी किया गया। इसका समापन पहली जनवरी को शहीद दिवस पर अवसर पर हुआ। प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेताओं को विधायक एवं अन्य अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रंगीला बॉयज क्लब बनाम बीआरसी टोंटो के बीच खेला गया, इसमें रंगीला बॉयज क्लब की टीम बीआरसी टोंटो को हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष सतीश बानरा समेत अन्य लोगों का योगदान सराहनीय रहा।

जेकेएआई झारखंड चाईबासा ब्रांच की एक दिवसीय एथलेटिक्स इवेंट प्रतियोगिता संपन्न

खिलाड़ियों को खेलते रहना चाहिए इससे स्वस्थ रहता है शरीर : फादर

PHOTON NEWS CHAIBASA : जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया झारखंड चाईबासा ब्रांच द्वारा गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी जेकेएआई चाईबासा का मुख्य ब्रांच क्लब और स्कूल ब्रांच के कराटेकारों के लिए कुछ एथलेटिक्स इवेंट प्रतियोगिता का आयोजन संत जेवियर ब्वॉयज स्कूल हिंदी मीडियम चाईबासा के प्ले ग्राउंड में आयोजित किया गया। विदित हो कि गत वर्ष भी जपान कराटे एसोसिएशन द्वारा चाईबासा में मैराथन दौड़ का आयोजन किया था। इस वर्ष कराटेकारों की स्टेमिना का आकंलन करने के लिए एथलेटिक्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला बार एसोसिएशन महासचिव फादर आगस्टिन कुल्लू एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया झारखंड के उपाध्यक्ष मो इरशाद अली शामिल हुए। मुख्य अतिथि फादर आगस्टिन कुल्लू ने कराटेकारों को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को कोइ भी खेल खेलते रहना चाहिए, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है आज के दिन में आप सभी खेल के माध्यम से भी अपना कैरियर को बना सकते है। मुख्य अतिथी द्वारा अपने संबोधन के उपरांत एथलेटिक्स इवेंट प्रतियोगिता का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस एथलेटिक्स इवेंट प्रतियोगिता में तीन एज ग्रुप बनाया गया गया था जिसमें 10 वर्ष तक 11-14 वर्ष एवं 14 वर्ष से ऊपर के कराटेकार शामिल हुए।

प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

प्रतियोगिता समाप्ति उपरांत सभी विजयी प्रतिभागियों को विशिष्ट अतिथि जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया झारखंड के उपाध्यक्ष मो इरशाद अली द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में मुख्य रूप से जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया झारखंड चाईबासा ब्रांच के मुख्य कराटे प्रशिक्षक सेंसाई पंकज कुमार सिंह, संत जेवियर ब्वॉयज स्कूल हिंदी मीडियम चाईबासा के ब्रदर अनिल, संत जेवियर कल्याण केन्द्र प्रभारी राकेश तिग्गा, रंजन खन्डाईत, संजय कुमार प्रसाद, सिनियर कराटेकारों में सेंपाई रघुनाथ गोप, सेंपाई विजय मुंडा, सेंसाई मानसिंह बनारा, सेंपाई मंजित सिंह बोयपाई, सेंपाई स्नेहा स्लोमी बालमुचू, सेंपाई निरजंन दास, सेंपाई अंशु विश्वकर्मा, सेंपाई राजा घोष महत्वपूर्ण भुमिका निभाई। अन्त में जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया झारखंड चाईबासा ब्रांच के मुख्य कराटे प्रशिक्षक सेंसाई पंकज कुमार सिंह द्वारा उपस्थित सभी अभिभावकों को भी कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु धन्यवाद दिया साथ ही कराटेकारों एवं अभिभावकों को आने वाले साल की हार्दिक शुभकामनाएं दिए।

एथलेटिक्स इवेंट प्रतियोगिता के परिणाम

बालिका वर्ग 10 वर्ष तक
- 100 मीटर : प्रथम-श्रेया लागुरी, द्वितीय-आध्या आशी पुरती, तृतीय-सुप्रिया कुमारी एवं निशा देवगन
- 200 मीटर : प्रथम-श्रेया लागुरी, द्वितीय-आध्या आशी पुरती, तृतीय-आशी प्रिया
- मेढक जंप : प्रथम-श्रेया लागुरी, द्वितीय-सुप्रिया कुमारी, तृतीय-निशा देवगम,

बालक वर्ग 10 वर्ष तक
- 100 मीटर : प्रथम-प्रजीत कालुन्डिया, द्वितीय-अमन तियु, तृतीय-अयान तियु,
- 200 मीटर : प्रथम-प्रजीत कलुन्डिया, द्वितीय-अमन तियु, तृतीय-अनमोल कुमार
- मेढक जंप : प्रथम-प्रजीत कलुन्डिया, द्वितीय-अमन तियु, तृतीय-समर सिंह कुन्टिया

बालिका वर्ग 11-14 वर्ष तक
- 100 मीटर : प्रथम-प्रियांशी खन्डाईत, द्वितीय-भावनी कुमारी, तृतीय-परिधी बोयपाई
- 200 मीटर : प्रथम-सिमरन सिद्धू, द्वितीय-भावनी कुमारी, तृतीय-युविका इनुस बोदरा
- 400 मीटर : प्रथम-भावनी कुमारी, द्वितीय-सिमरन सिद्धू, तृतीय-युविका इनुस बोदरा
- मुर्गा लड़ाई : प्रथम-भावनी कुमारी, द्वितीय-सांगनी कारवा, तृतीय-अराध्या कुमारी

बालक वर्ग 11-14 वर्ष तक
- 100 मीटर : प्रथम-नारायण सिंह कुदादा, द्वितीय-आयुष देवगम, तृतीय-सेलाय सुन्डी
- 200 मीटर : प्रथम-नारायण सिंह कुदादा, द्वितीय-सेलाय सुन्डी, तृतीय-निरेश लमाय
- 400 मीटर : प्रथम-सेलाय सुन्डी, द्वितीय-निरेश लमाय, तृतीय-नारायण सिंह कुदादा
- मुर्गा लड़ाई : प्रथम-आदित्य महतो, द्वितीय-अशं कुमार मछुवा, तृतीय-यश कुजूर

बालिका वर्ग 14 वर्ष से उपर
- 100 मीटर : प्रथम-जुशीना तुबिड, द्वितीय-सरस्वती तियु, तृतीय-अनिशका पुरती

बालक वर्ग 14 वर्ष से उपर
- 100 मीटर : प्रथम-सावन कुमार, द्वितीय-अनिश संगम कलुन्डिया, तृतीय-पियुष कर्माकर
- 800 मीटर : प्रथम-अनिश संगम कलुन्डिया, द्वितीय-विभोर कुमार, तृतीय-हिमांशु बिरूवा
- मिक्स रिले दौड़ : प्रथम-प्रियांशी खन्डाईत, सेलाय सुन्डी, आध्या आशी पुरती, आयुष देवगम, द्वितीय-परिधी बोयपाई, नारायण सिंह कुदादा, यश कुजूर, भावनी कुमारी, तृतीय- सिमरन सिद्धू, अशं कुमार मछुवा, सावन पुरती, प्रियांका कारवा

इसके अलवा अविभाक में महिलाओं के लिए बैलुन फोड़ कराया गया जिसमें प्रथम-दीपा कोड़ा, द्वितीय-अंजली पुरती, तृतीय-सीता कुन्टिया रही।

बर्मामाइंस में सैकड़ों लोगों ने थामा भारतीय जनतंत्र मोर्चा का दामन

कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भारतीय जनतंत्र मोर्चा बर्मामाइंस मंडल की ओर से स्टेशन रोड स्टार टॉकीज के समीप एक सभा का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दुर्गा राव ने की। सभा में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने विधायक सरयू राय के विचारों से प्रभावित होकर पार्टी का दामन थामा। लोगों ने उपस्थित पदाधिकारियों के समक्ष विभिन्न समस्याओं से संबंधित विधायक सरयू राय के नाम प्रेषित एक आवेदन सौंपा। सभा को व्यापक रूप देने में मंडल अध्यक्ष दुर्गा राव, महामंत्री बबलू कुमार एवं उपाध्यक्ष मोहम्मद फैजल ने संगठनात्मक कौशल का परिचय देते हुए अहम भूमिका निभाई। सभा के उपरांत लिट्टी चोखा का वृहद आयोजन कुशलतापूर्वक संपन्न हुआ। सभा में जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, जिला महामंत्री मनोज सिंह उज्जैन, जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर राव, जिला मंत्री विकास गुप्ता, राजेश कुमार, जिला कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद, वरीय नेता रमेश कुंवर, शंकर कर्मकार, महेश तिवारी, प्रेम सक्सेना, विनोद यादव, नागेंद्र सिंह, फिरोज, प्रसनजीत सिंह, समारू साहू, राहुल प्रसाद इत्यादि शामिल थे।

प्रभात खबर के प्रधान संपादक को धमकी पर एनयूजेआई ने सरकार से की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के अध्यक्ष रास बिहारी ने हिन्दी दैनिक प्रभात खबर के प्रधान संपादक आशुतोष चतुर्वेदी को शराब माफिया द्वारा दी गई धमकी पर गहरी चिंता जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि रांची के होटवार जेल से फोन करके प्रमुख हिन्दी दैनिक के प्रधान संपादक को धमकी देने से झारखंड सरकार पर भी सवाल उठते हैं। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले को भारतीय प्रेस परिषद में भी उठाया जाएगा।

एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने इस पूरी घटना पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जेल के फोन नंबर से धमकी देना सीधे तौर पर राज्य सरकार की कार्यशैली पर गहरा प्रश्न चिह्न उठाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी संरक्षण की वजह से अपराधियों और माफिया के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने बताया कि 29 दिसंबर, 2023 को प्रभात खबर के मुख्य संपादक आशुतोष चतुर्वेदी को योगेंद्र तिवारी नाम के एक माफिया द्वारा धमकियां दी गईं। कॉल करने वालों के बारे में पूछताछ करने पर अजीबो-गरीब तथ्य मिले। माफिया द्वारा वरिष्ठ पत्रकार को धमकी देने के लिए इस्तेमाल किये गये नंबरों (0612-2911807, 2911805, 2911806, 227002) के तार रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल से जुड़े मिले। इसकी शिकायत उसी दिन पुलिस आयुक्त के समक्ष दर्ज करायी गयी। जेल से धमकी देने की जानकारी डीजीपी झारखंड, गृह सचिव, झारखंड सरकार और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों दी गई।

दिल्ली के रोहिणी में पैथ लैब की इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के रोहिणी में एक पैथोलॉजी लैब में रविवार देर रात भीषण आग लग गयी। अग्निशमन विभाग ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि आग एक इमारत की तीसरी और चौथी मंजिल पर लगी, जहां पैथोलॉजी लैब है। उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना विभाग को रात करीब 12:45 बजे मिली।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, ''कुल 10 दमकल गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। आग को पूरी तरह से बुझाने में दो घंटे से अधिक समय लगा। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।' उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

पत्नी की हत्या कर पति ने दी जान, कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदा युवक

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदकर एक शख्स ने आत्महत्या कर ली है। प्लेटफार्म से कूदने वाले शख्स की नीचे गिरते ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गौरव शर्मा निवासी आगरा के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही गुरुग्राम में पत्नी की हत्या करके वह फरार हो गया था। गौरव ने आज सुबह करीब 10:30 बजे कौशांबी के प्लेटफार्म नंबर एक से नीचे छलांग लगा दी, जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गौरव मूलत आगरे का रहने वाला था। वह अपनी पत्नी और डेढ़ साल के बच्चे के साथ गुड़गांव रहता था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और फरार था। पुलिस ने गौरव के परिजनों को सूचना दी और गौरव के परिजन कौशांबी थाने पहुंच चुके हैं। गुड़गांव पुलिस भी गाजियाबाद पुलिस से संपर्क कर रही है। तेज धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या गुरुग्राम के डीएलएफ क्षेत्र में रहने वाले गौरव पर तेज धारदार हथियार से पत्नी की हत्या का आरोप था। महिला के शव के साथ दो साल का बच्चा भी रोता रहा। छह महीने पहले ही परिवार डीएलएफ फेस तीन के एस ब्लॉक में रहने के लिए आया था। महिला के शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान पाए गए है। उसके मोबाइल फोन को टॉयलेट सीट में डाल दिया गया।

ठंड के बावजूद कम नहीं हुआ दिल्ली में लोगों का उत्साह, मंदिरों में नव वर्ष की पहली आरती

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत में दिल्लीवाले कल देर रात तक जमकर थिरके। राजधानी के कई बड़े होटलों, रेस्त्रां व बार में नए साल का जश्न लंबा चला। आज नए साल के पहले दिन राजधानी के कई बड़े मंदिरों मे सवेरे की आरती के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचे हैं।

कनॉट प्लेस, इंडिया गेट समेत सभी बड़े बाजारों व पर्यटक स्थलों पर लोगों का हुजूम देखते ही बना। इसी तरह विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी नए साल का स्वागत भजनों व अपने-अपने तरीके से किया गया। दोपहर बाद से ही पुलिस कनॉट प्लेस आने वाले सभी प्रमुख मार्गों और अन्य पॉश इलाकों में जगह-जगह बैरीकेडिंग कर आने-जाने वाले चालकों की तलाशी लेती दिखी। किसी भी स्थान पर लोगों को भीड़ के रूप में इकट्ठा नहीं होने दिया जा रहा है।देर रात तक पुलिस के आला अधिकारी भी सड़कों पर गश्त करते दिखाई दे रही है। हमेशा की तरह कुछ युवाओं की टोलियों ने बाइक और कार में

सवार होकर सड़कों पर जश्न मना रहे हैं। कुछ लोगों ने इंडिया गेट पर केक की तैयारियों में जुटे हैं।

कोरोना के नए वेरिएंट के कारण सुरक्षा निर्देशों का पालन करते हुए कुछ लोगों ने घर में अपने परिवार के साथ म्यूजिकल पार्टी का आयोजन किया। हालांकि कई लोग इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए होटल और रेस्त्रां विशेष डिनर करने बाहर भी निकले हैं, लेकिन इनकी संख्या कम रही। इंद्रपुरी निवासी राम नरेश ने बताया कि हर साल न्यू ईयर पार्टी बाहर अपने दोस्तों के साथ मनाते थे, लेकिन इस बार वह अपने परिवार के साथ दोस्तों को घर बुलाकर ही पार्टी कर रहे। उन्होंने बताया कि सारी तैयारियां हो गई हैं, घर में ही कई प्रकार के व्यंजन तैयार कर रहे हैं। इंटरनेट के युग में नए वर्ष को लेकर बधाई देने में देर नहीं लगती। यही वजह है कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर शाम ढलते ही बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। एक-दूसरे को मैसेज कर नववर्ष में बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

दिल्ली में 'बेहद खराब' हवा के बीच 2024 का स्वागत, 10.1 डिग्री सेल्सियस तापमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस समय के औसत से तीन डिग्री अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी में हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हुई। यात्रियों और सुबह जल्दी उठने वालों को अलग-अलग स्तर की कम विजिबिलिटी का अनुभव हुआ, सुबह 7 बजे के आसपास सफदरजंग में सबसे कम विजिबिलिटी 700 मीटर दर्ज की गई। इस बीच, पालम में 1,100 मीटर की थोड़ी बेहतर विजिबिलिटी थी। भारतीय रेलवे के मुताबिक, खराब विजिबिलिटी के कारण मुंबई-फिरोजपुर, बेंगलुरु-निजामुद्दीन राजधानी, हैदराबाद-नई दिल्ली समेत 21 ट्रेनें घंटों की देरी से चलीं। हालांकि, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार में हवा की गुणवत्ता पीएम 2.5 का स्तर 331 और पीएम 10 का स्तर 236 के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में प्रवेश कर गई, जबकि एनओ2 का स्तर 54 पर पहुंच गया और सीओ 74 यानी 'संतोषजनक' पर था।बवाना स्टेशन ने पीएम 2.5 को 325 पर दर्ज किया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था, जबकि पीएम 10 का स्तर 195 पर पहुंच गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि सीओ 50 यानी 'अच्छे' स्तर पर पहुंच गया। द्वारका सेक्टर 8 में एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन में पीएम 2.5 को 373 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि पीएम 10 को 262 या 'खराब' पर दर्ज किया गया, जबकि सीओ 46 पर, 'अच्छे' स्तर पर था।

आईटीओ स्टेशन पर एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में था, पीएम 2.5 का स्तर 316 पर और पीएम 10 का स्तर 172 पर, 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि सीओ 41 पर, 'अच्छे' स्तर पर था। ओखला फेज-2 में पीएम 2.5 का स्तर 332 पर, 'बहुत खराब' श्रेणी में और पीएम 10 202 पर, 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया।

उभरते गतिशील भारत के लिए बच्चे सबसे मूल्यवान, वो सर्वोच्च सुरक्षित वातावरण के हकदार; दिल्ली हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। , नई दिल्ली। एक गुमशुदा बच्चे के पिता की याचिका पर अहम टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि अपहरण व मानव तस्करी के शिकार होने वाले बच्चों को जल्द तलाशने के सर्वोच्च प्राथमिकता पर सभी एजेंसियों व जांच अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने की जरूरत है। अदालत ने कहा कि इस तरह के प्रयास किए जाने की जरूरत है कि न सिर्फ बच्चों को जल्द से जल्द तलाश किया जाए बल्कि अपराधियों को सजा भी दिलाई जा सके। अदालत ने कहा कि निश्चित तौर पर याचिकाकर्ता पिता को उसकी बेटी सौभाग्य से वापस मिल गई, लेकिन इसके लिए उन्हें कठिनाइयों और तनाव का सामना करना पड़ा, क्योंकि

दिल्ली पुलिस की ओर से मामले में समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामले में साक्ष्य न मिलने से खत्म हो जाएगी न्याय की उम्मीद- दिल्ली हाईकोर्ट

अदालत ने पाया कि जांच अधिकारियों को बच्चों की गुमशुदगी से जुड़े ऐसे मामलों की जांच करते समय कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में इस संबंध में जरूरी मानक दिशानिर्देश जाते हैं।

दूतावास के पास मिले प्लास्टिक के फूल से गहराया रहस्य, देसी बम से किया गया था धमाका

नई दिल्ली। इस्त्राइल दूतावास के पास देसी बम से हुए धमाके की जांच घटनास्थल से मिले प्लास्टिक के फूल से रहस्यमयी हो गई है। इसके अलावा पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि आरोपी ने रेकी कर बम विस्फोट की वारदात को अंजाम दिया है और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए आने-जाने के लिए कई ऑटो व अन्य साधनों का इस्तेमाल किया है। एनएसजी को मौके पर देसी बम से विस्फोट होने के पूरे सबूत मिले हैं।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि रात होने की वजह से दिल्ली पुलिस को मौके से शुरुआती जांच में अंधेरा होने की वजह से देसी बम के सबूत नहीं मिले थे। अगले दिन एनएसजी व एनआईए की टीमें फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचीं तो देसी बम होने के पूरे सबूत मिले हैं।

एनएसजी व दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच में ये लग रहा है कि आरोपी ने देसी बम झाड़ियों में फोड़ा हुआ है। इस

कारण झाड़ियों से काफी पत्ते नीचे गिरे हैं। एनएसजी व स्पेशल सेल की टीम ने मौके से काफी मात्रा में पत्ते उठाए हैं। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि जांच की जा रही है कि ये पत्ते नीचे कैसे गिरे हैं। इस बात की भी जांच की जा रही है कि इन पत्तियों में बम विस्फोट के नमूने या फिर कोई केमिकल तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौके से प्लास्टिक के फूल मिलने का रहस्य काफी गहराया है। पुलिस अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आखिर बम विस्फोट वाली जगह पर प्लास्टिक के फूल क्यों हैं। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 35 ऑटो चालकों को स्पेशल सेल के कार्यालय बुलाया था। इन ऑटो चालकों से भी किसी और संदिग्ध या आरोपी के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

इंडिया गेट पर गायब हो गया नीली जैकेट वाला

जामिया नगर का नीली जैकेट वाला संदिग्ध युवक बम विस्फोट वाली जगह से ऑटो लेकर इंडिया गेट गया था। इंडिया गेट पर ये संदिग्ध कैद हुआ है। सीसीटीवी कैमरे खराब होने से ये पता नहीं लग रहा है कि ये संदिग्ध इंडिया गेट से कहां गया है। स्पेशल सेल अब इंडिया गेट के पास से गुजरने वाले सभी ऑटो का जीपीआरएस से डेटा ले रही है। जीपीआरएस ये पता लगाया जाएगा कि आरोपी ऑटो लेकर आगे कहां गया है।

नोएडा में 28 करोड़ से ज्यादा की रकम बैंक से ट्रांसफर करने के मामले की जांच अब क्राइम ब्रांच करेगी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 22 में बने साउथ इंडियन बैंक के सहायक प्रबंधक ने अपनी मां और पत्नी समेत कई अलग-अलग खातों में 28 करोड़ से ज्यादा की रकम ट्रांसफर की और परिवार समेत फरार हो गया। इस मामले की जांच अब जिले की क्राइम ब्रांच पुलिस करेगी। अभी तक इस मामले की जांच नोएडा के सेक्टर 24 थाना पुलिस कर रही थी। इस मामले में पुलिस अब तक 90 अकाउंट फ्रीज कर चुकी है। करोड़ों की धोखाधड़ी और गबन के मामले में संबंधित बैंक के डीजीएम रिजनल ने सहायक प्रबंधक, उसकी मां और पत्नी समेत अज्ञात के खिलाफ सेक्टर-24 थाने में बीते दिनों केस दर्ज कराया था। शिकायत में रैनजीत आर नायक ने बताया था कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से सेक्टर-22 स्थित शाखा से गड़बड़ी की शिकायत मिल रही थी। जिस पर विभाग ने अपनी विजिलेंस टीम से यहां की जांच कराई। जांच में पता चला कि सेक्टर-48 स्थित एसोशिएट इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च फाउंडेशन नामक कंपनी के खाते से सहायक बैंक प्रबंधक राहुल शर्मा ने 28.07 करोड़ रुपए पत्नी भूमिका शर्मा और मां सीमा समेत अन्य के खातों में ट्रांसफर कर कंपनी व बैंक के साथ धोखाधड़ी की है।

इंद्रेश कुमार बोले- 22 जनवरी को मस्जिद-मदरसों में करें देश की प्रगति के लिए इबादत, सभी का डीएनए एक

नई दिल्ली। आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने अपील की कि 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से दिन के एक बजे तक जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो, दरगाहों, मदरसों, मकतबों, मस्जिदों में देश की उन्नति, प्रगति, सौहार्द के लिए इबादत करें।

शाम को इन स्थानों पर चिराग रोशन करें। इंद्रेश कुमार रविवार को आकाशवाणी के रंगभवन में 'राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर-एक साझी विरासतः कुछ अनसुनी बातें'पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सभी का डीएनए एक है। सभी राम के हैं। नेकां नेता फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि राम हिंदुओं के ही नहीं, हमारे भी हैं। हमने कब इनकार किया है। फारूक आइएनडीआइए को समझाते क्यों नहीं कि इबादत के लिए न्योते की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता छह दिन से 15 दिनों तक पदयात्रा कर अयोध्या पहुंचेंगे।

राम की भारत को आवश्यकताः आरिफ मोहम्मद खान

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम राम की भारत को आवश्यकता है। आने वाली नस्लों को चरित्र निर्माण के लिए राम को समझना और समझाना जरूरी है।

कहा, मनुष्य सामाजिक प्राणी भर नहीं, उसकी महत्वकाक्षाएं भी हैं। अगर उसके पास आदर्श नहीं है, तो यह बेलगाम हो जाती हैं। इसके चलते संस्कृतियां खराब हुईं। उन्होंने कहा, जी-20 के जरिये हमने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीएचपी के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राममंदिर आंदोलन कभी भी मुसलमानों के विरोध में नहीं था।

विशिष्ट अतिथि राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा, राम भारत की एकता का प्रतीक हैं, उन्होंने सिर्फ सेतु निर्माण नहीं किया था, अपने वनवास के दौरान सभी जनजातियों और लोगों को भी जोड़ा था। इससे पहले पुस्तक की लेखिका गीता सिंह और आरिफ खान भारती ने पुस्तक की सामग्री पर विस्तार से चर्चा की।

नोएडा में पुलिस की जीप में पिकअप ने मारी टक्कर, दरोगा की मौत

नोएडा। थाना फेस-वन में तैनात उप निरीक्षक बीती रात को कानून व्यवस्था के मद्देनजर सरकारी जीप पर सवार होकर गश्त कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल दरोगा को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर आज सुबह उनकी मौत हो गई है। इस घटना के चलते पुलिस विभाग में शोक की लहर फैल गई है।पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने बताया कि उपनिरीक्षक रामकिशोर शर्मा पुत्र वेद प्रकाश शर्मा निवासी ग्राम दशरथपुर थाना दौराला जनपद मेरठ उम्र 54 वर्ष थाना फेस-वन में तैनात थे। उन्होंने बताया कि बीती रात को वह थाने की सरकारी गाड़ी थार मोबाइल पर सवार होकर देर रात को सेक्टर-2 में गश्त कर रहे थे, तभी सेक्टर-दो चैराहे पर एक पिकअप गाड़ी के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए पुलिस की जीप में टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उप निरीक्षक रामकिशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

लोक सेना हिंद ने जन लोकपाल विधेयक पर केजरीवाल को घेरा

नई दिल्ली। लोक सेना हिंद के अध्यक्ष डॉ. मुनीश रायजादा ने आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जन लोकपाल विधेयक को लेकर बड़ा हमला किया है। अन्ना हजारे के आंदोलन में केजरीवाल व अन्य के साथ सक्रिय हिस्सा लेने वाले डॉ. रायजादा कभी आम आदमी पार्टी के मजबूत समर्थक रहे हैं। डॉ. रायजादा के नेतृत्व में लोक सेना हिंद ने राजीव चौक में मेट्रो के गेट नंबर छह के बाहर

शाम तक जन लोकपाल विधेयक की बरसी मनाई। डॉ. रायजादा ने दिल्ली के मुद्दों को फलक पर लाने के लिए राजनीतिक दल के रूप में लोक सेना हिंद का गठन किया है। राजीव चौक में यह कार्यक्रम आम लोगों के बीच कौतूहल का विषय रहा। डॉ. रायजादा का कहना है कि केजरीवाल ने 2013 में रामलीला मैदान में अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान यह वचन दिया था कि अगर आम आदमी पार्टी की सरकार सत्ता में आई तो जन लोकपाल विधेयक को पास कर उसका क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को सत्ता में आए नौ वर्ष से अधिक का समय हो चुका है लेकिन उन्होंने इस विधेयक की सुध नहीं ली है। उसे पास करना तो दूर केजरीवाल ने अब इसके बारे में बात करना भी बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोक सेना हिंद जन लोकपाल विधेयक के प्रति अक्षमता को जनसमर्थन का गंभीर उल्लंघन मानती है। दिल्ली के नागरिकों को अरविंद केजरीवाल ने धोखा दिया है। वह कहते हैं कि अगर दिल्ली में लोक सेना हिंद की सरकार बनती है तो जन लोकपाल विधेयक को लागू किया जाएगा।

सेहतमंद रहने के लिए जीवन शैली में सुधार, स्वास्थ्य जांच है जरूरी: विष्णु मित्तल

नई दिल्ली। भाजपा की ओर से जारी मंडल स्तर पर स्वास्थ्य शिविर की श्रंखला में मयूर विहार फेज-1 में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में भी अच्छे स्वास्थ्य पर जोर दिया है और अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि समय पर जांच

हो, जीवन शैली में सुधार किया जाए। निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग बस के अयोजन में निगम पार्षद रेणु चौधरी, मयूर विहार जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष रामचरण गुजराती ,तेजपाल सिंह , ज़िला मंत्री जितेंद्र डेडा , पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश कपूर , अजय गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और बड़ी संख्या में लोगों ने कैंप में पहुंचकर स्वास्थ्य की जांच कराई। इस मौक़े पर लोगों को आँख और कान के उपकरण भी दिये गये।

सुधरें और सुधारें

दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले ग्रेगोरियन कैलेंडर पर साल बदल गया। अब हम साल 2024 के आने के सुखद एहसास से भरे हुए हैं। हम मनुष्यों ने समय के साथ बढ़ते हुए इस धरती पर अनगिनत अच्छे मुकाम देखे हैं और तमाम जीवों के बीच सबसे ज्यादा तरक्की की है, इसलिए हम प्राकृतिक रूप से बहुत आशावादी हैं। सदैव बेहतर बदलाव के इच्छुक और आने वाले हर पल के लिए अनायास खुशी से सराबोर। सदियों से हमें हर दिन उगते सूरज के साथ पढ़ाया और बताया जाता रहा है कि आज कुछ न कुछ बेहतर होगा। पिछले तीन-चार वर्षों में दुनिया ने एक भयानक महामारी का कहर झेला है। बेशक, बीता साल 2023 हमारे लिए महामारी से उबरने का वर्ष रहा, किंतु बुरे तजुर्बे के बावजूद हम ज्यादा कुछ सीख नहीं पाए। तभी तो दुनिया में कम से कम दो जगह, यूक्रेन और गाजा में युद्ध का मंजर है। जहां मनुष्य ही मनुष्य रक्त के प्यासे हो रहे हैं और शायद 2024 में उनकी यही कामना होगी कि कथित दुश्मन का मान मर्दन हो जाए या दुश्मन के खून की नदियां बह जाएं। अतः नए साल में पहली आकांक्षा यही उमड़ती है कि किसी भी तरह इस साल युद्ध से हम बाज आएं। युद्ध हो या परस्पर हिंसा वास्तव में यह समग्रता में हम मानवों की बुद्धिमत्ता पर सवाल है। जाति, नस्ल व सांप्रदायिक आधार पर होने वाले शर्मनाक संघर्ष धर्म, मजहब और शिक्षा पर सवाल हैं। बेहद विकसित कहलाने वाले देश अमेरिका में कोई नफरती व्यक्ति बंदूक उठाता है और लोगों को अंधाधुंध मारने लगता है। अन्य उभरती महाशक्ति चीन में कोई सत्ता से अलग विचार रखता है, तो मिटा दिया जाता है। और विडंबना देखिए, अक्सर ये दो कथित महाशक्ति देश मानवाधिकार और शासन-प्रशासन के लिए दूसरे देशों पर नसीहतों की बौछार कर देते हैं। दुनिया की महाशक्तियों का वैश्विक कुतर्क शर्मनाक है, कोई इजरायल के साथ खड़ा है कि वह दुश्मनों को बर्बरता के साथ खत्म करे, तो कोई भारत को सलाह दे रहा है कि आतंकियों से संवाद करो और उनके अनुकूल हल निकालो। नए साल में क्या वैश्विक स्तर पर दुनिया के महाशक्ति देश ज्यादा न्यायपूर्ण और समावेशी होंगे? ध्यान रहे, दूसरे देशों में घुसने का दुस्साहस पहले अमेरिका ही ज्यादा करता था, वह अफगानिस्तान को अपने हाल पर छोड़ लौट गया, पर अब रूस और चीन के साम्राज्यवादी मनसूबे आए दिन चिंता बढ़ा रहे हैं। जहां अमेरिका, रूस और चीन जैसे वीटो पावर वाले देश किसी न किसी तरह की मनमानी को तवज्जो देते हों, वहां संयुक्त राष्ट्र बस एक नाम पट्टिका भर होता जा रहा है। क्या भारत, ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, जापान जैसे देशों की भागीदारी को स्थाई बनाते हुए संयुक्त राष्ट्र विश्व हित में जागेगा? यह नया साल अनगिनत उम्मीदें लिए आया है। कोरोना के बाद सुधरती अर्थव्यवस्थाओं को दुस्साहस, अत्यधिक मुनाफाखोरी, भ्रष्टाचार और किसी भी तरह की लूट से बचते हुए गरीबों को ध्यान में रखकर काम करना होगा। नए साल में हर किसी को अपनी भूमिका के बारे में तार्किक ढंग से सोचना होगा। परिवार-समाज में खुशी की बुनियाद यही है कि हम खुद के लिए जैसे व्यवहार की उम्मीद दूसरों से करते हैं, हमें सभी के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए।

सराहनीय पहल

किसी मरीज को क्ठव में भर्ती करने के लिए गाइडलाइंस लाने का केंद्र सरकार का फैसला वक्त की जरूरतों के अनुरूप है। यह पहला मौका है, जब सरकार ने ऐसा कोई गाइडलाइन जारी किया है। कई वजहों से इसकी जरूरत महसूस की जाने लगी थी।इस कदम के साथ जुड़ी आश्वस्त करने वाली पहली बात यह है कि गाइडलाइन क्रिटिकल केयर मेडिसिन के एक्सपर्ट माने जाने वाले देश के 24 डॉक्टरों की समिति ने तैयार की है। दूसरी बात यह कि इसे अनिवार्य नहीं बनाया गया है। इसे सलाह या मार्गदर्शन के ही रूप में रखा गया है। ऐसा करना जरूरी इसलिए था क्योंकि मरीज की स्थिति के बारे में हमेशा पहले से तय खांचे में नहीं सोचा जा सकता। निजी पूंजी के आने से पिछले कुछ वर्षों में देश में हेल्थकेयर स्ट्रक्चर का तेजी से विकास हुआ है। प्राइवेट हॉस्पिटलों की संख्या बढ़ने से लोगों की चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच बढ़ी है। लेकिन इन अस्पतालों में क्ठव बेड का खर्च जनरल वार्ड के मुकाबले पांच से दस गुना ज्यादा होता है। ऐसी शिकायतें रही हैं कि मरीज को जरूरत न होने पर भी क्ठव में भर्ती कर लिया गया या यह कि क्ठव में भी आवश्यक चिकित्सा सेवा समय पर उपलब्ध नहीं हुई। जाहिर है, इस गाइडलाइन की जरूरत थी। हालांकि कुछ हलकों से यह आवाज भी आई है कि देश में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच नाकाफी है और इसलिए सरकार को अपनी प्राथमिकता क्ठव सुविधाओं को सीमित करने के बजाय इसे सब तक पहुंचाने की होनी चाहिए। लेकिन क्ठव संसाधन हर देश में सीमित ही होते हैं। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि इसका गैरजरूरी इस्तेमाल न हो ताकि यह सभी जरूरतमंदों को उपलब्ध हो सके। विकसित देशों में भी ऐसे प्रोटोकॉल रखे जाते हैं। जहां तक इन गाइडलाइंस के सुझावात्मक होने का सवाल है तो इससे इसकी उपयोगिता कम नहीं हो जाती। चूंकि गाइडलाइन डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज द्वारा सार्वजनिक कर दिया गया है, इसलिए यह सबके लिए उपलब्ध है। ऐसे में हेल्थ मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाली तमाम टेक्निकल एडवाइजरी और रेग्युलेटरी बॉडी का काम आसान होगा। अब वे आसानी से तय कर पाएंगे कि किसी खास केस में क्ठव में एडमिशन जरूरी था या नहीं। हालांकि ये चीजें समाज में जागरूकता के स्तर और पेशागत जिम्मेदारियों के अहसास से जुड़ी हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

अगले दो दिनों में मैं तमिलनाडु, लक्षद्वीप और केरल में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लूंगा। कार्यक्रमों की शुरूआत तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से होगी, जहां मैं भारतीदासन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करूंगा। एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का भी उद्घाटन किया जाएगा. साथ ही अन्य विकास कार्यों का भी शुभारंभ किया जाएगा. इन कार्यों से कई लोगों को लाभ होगा। मैं लक्षद्वीप के लोगों के बीच रहने के लिए उत्सुक हूं। करोड़ रुपए के विकास कार्य 1150 करोड़ की परियोजनाओं का या तो उद्घाटन किया जाएगा या फिर उनका शिलान्यास किया जाएगा। इन कार्यों में बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना, सौर ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और बहुत कुछ से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों की शहादत को शत-शत नमन। जब पूरा विश्व नए साल का जश्न मनाता है, हमारा राज्य अपने अमर वीर बलिदानियों के परम बलिदान और संघर्ष को याद करता है। झारखण्ड में साल का प्रत्येक दिन वीर शहीदों और महान आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान को समर्पित होता है।राज्य के वीर पुरखों के सपनों को साकार कर रही है झारखण्डी सरकार।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार एक फायदेमंद सौदा

ANALYSIS

पीयूष गोयल

भारत मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया से कच्चा माल और मध्यवर्ती सामान आयात करता है, जबकि इसका निर्यात मुख्य रूप से तैयार उत्पाद हैं। इसलिए एफटीए भारतीय उद्यमियों की उत्पादन लागत को कम करेगा और उनके सामान को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। इससे भारतीय स्टार्ट-अप को आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर भी मिलते हैं। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि इंडऑस ईसीटीए ने एक बहुत ही आशाजनक शुरूआत की है, जिसने मोदी सरकार के इस विश्वास को मजबूत किया है कि इससे श्रम-केंद्रित क्षेत्रों में लाखों नौकरियां पैदा करने में मदद मिलेगी, क्योंकि भारतीय उत्पादों को विशाल ऑस्ट्रेलियाई बाजार में शत-प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच मिलती है। अप्रैल-नवंबर 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया को भारत का माल निर्यात 14 प्रतिशत बढ़ा है, जो चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में बाकी दुनिया के साथ भारत के व्यापार की तुलना में निर्णायक रूप से बेहतर प्रदर्शन है। प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मांग सिकुड़ गई है। ऑस्ट्रेलिया का कुल आयात चार प्रतिशत कम हो गया है, लेकिन भारत से इसकी खरीदारी जोरदार तरीके से बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया से भारत का आयात 19 प्रतिशत कम हो गया है, जिससे व्यापार घाटे में 39 प्रतिशत कमी आ गई है।

सालभर पहले लागू होने वाला भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (इंडऑस ईसीटीए) इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रमुख पहलों को मद्देनजर रखते हुए सभी हितग्राहियों के साथ व्यापक परामर्श के बाद सूझ-बूझ के साथ योजना बनाई जाती है। साथ ही आम आदमी समेत छोटे एवं मध्यम उद्योग के लाभ के लिए प्रभावी ढंग से उन्हें क्रियान्वित किया जाता है। इंडऑस ईसीटीए दो क्रिकेट-प्रेमी देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद समझौता है, जो हमारे अमृतकाल में आत्मविश्वासी और आकांक्षी नए भारत के वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह दो संसदीय लोकतंत्रों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है, जो कानून के शासन का समर्थन करते हैं और समान कानूनी प्रणालियां रखते हैं। दोनों देश जापान और अमेरिका के साथ क्वाड का हिस्सा हैं। दोनों देश जापान के साथ त्रिपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन पहल (एससीआरआई) में शामिल हो गए हैं। दोनों देश 14-सदस्यीय इंडो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) के भी सदस्य हैं। मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) एक दशक से अधिक समय में किसी विकसित देश के साथ भारत की पहली व्यापार संधि है, जिसमें अपार क्षमता निहित है। भारत मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया से कच्चा माल और मध्यवर्ती सामान आयात करता है, जबकि इसका निर्यात मुख्य रूप से तैयार उत्पाद हैं। इसलिए एफटीए भारतीय उद्यमियों की उत्पादन लागत को कम करेगा और उनके सामान को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। इससे भारतीय स्टार्ट-अप को आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर भी मिलते हैं। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि इंडऑस ईसीटीए ने एक बहुत ही आशाजनक

शुरूआत की है, जिसने मोदी सरकार के इस विश्वास को मजबूत किया है कि इससे श्रम-केंद्रित क्षेत्रों में लाखों नौकरियां पैदा करने में मदद मिलेगी, क्योंकि भारतीय उत्पादों को विशाल ऑस्ट्रेलियाई बाजार में शत-प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच मिलती है। अप्रैल-नवंबर 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया को भारत का माल निर्यात 14 प्रतिशत बढ़ा है, जो चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में बाकी दुनिया के साथ भारत के व्यापार की तुलना में निर्णायक रूप से बेहतर प्रदर्शन है। प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मांग सिकुड़ गई है। ऑस्ट्रेलिया का कुल आयात चार प्रतिशत कम हो गया है, लेकिन भारत से इसकी खरीदारी जोरदार तरीके से बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया से भारत का आयात 19 प्रतिशत कम हो गया है, जिससे व्यापार घाटे में 39 प्रतिशत कमी आ गई है। रोजगार का सृजन करने वाले क्षेत्रों में प्रेफेंशियल लाइन्स के तहत ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में जोरदार वृद्धि हुई। ऑस्ट्रेलिया को इंजीनियरिंग सामानों का निर्यात अप्रैल-अक्टूबर 2023-24 में 24 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि कुल निर्यात में केवल एक प्रतिशत की वृद्धि हुई। रेडीमेड कपड़ों में ऑस्ट्रेलिया को शिपमेंट में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कुल निर्यात में गिरावट आई। आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) ने ऑस्ट्रेलिया को इलेक्ट्रॉनिक्स सामान और प्लास्टिक के शिपमेंट में इन क्षेत्रों में समग्र निर्यात से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की। इसके अलावा, भारत ऑस्ट्रेलिया को 700 से अधिक नई वस्तुओं का निर्यात कर रहा है। वर्ष 2023-24 के पहले 10 महीनों में ये निर्यात 335 मिलियन अमेरिकी डॉलर का है, जिसमें 65 मिलियन डॉलर के स्मार्टफोन भी शामिल हैं। अन्य नए उत्पादों में रत्न और आभूषण क्षेत्र की कई वस्तुएं, लाइट ऑयल, गैर-औद्योगिक हीरे और साथ ही रेशम से बने स्कर्ट और कपड़े शामिल हैं। हमारे व्यापार साझीदार मानते हैं कि प्रधानमंत्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था को सराहनीय ढंग से आगे बढ़ाया है, जिससे इस उथल-पुथल भरी दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था आशा की किरण बन गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत 2027 तक एक विकसित देश बनने की राह पर है। हमारे व्यापारिक साझेदार इस ताकत को पहचानते हैं और कृषि व डेयरी जैसे हमारे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के बारे में हमारी चिंताओं को समझते हैं। भारत के विकास पथ में विश्वास, निवेशक अनुकूल नीतियों और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए परिवर्तनकारी सुधारों के साथ इंडऑस ईसीटीए ने भारत को ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों के लिए और भी अधिक आकर्षक बना दिया है। इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया से कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़कर 307.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो पूरे 2022 में प्राप्त 42.43 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सात गुना है। परामर्श सेवाओं में एफडीआई 2022 में 0.15 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मामूली स्तर से बढ़कर 248 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। सेवा क्षेत्र में काफी वृद्धि दर्ज की गई है। भारत के आईटी और व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात ने अपनी मजबूत गति जारी रखी। शिक्षा, ऑडियो-विजुअल सेवाओं और मोबिलिटी के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के साथ अन्य द्विपक्षीय समझौतों से ईसीटीए की गति में इजाफा हुआ है। इसके कारण व्यापार गतिशीलता में 50 प्रतिशत से अधिक और भारतीय छात्रों के लिए अध्ययन के बाद के कामकाजी-वीजा में लगभग शत-प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। यह इस दिशा में उल्लेखनीय कदम है। ईसीटीए के बाद दोहरे कराधान से मुक्त भारतीय आईटी उद्योग अब समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उद्योग जगत के कुछ अनुमानों के अनुसार, पिछले वर्ष इसने करोड़ों डॉलर की बचत की है। ईसीटीए की सफलता से उत्साहित होकर नैसकॉम, ऑस्ट्रेलिया में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए आईटी क्षेत्र में एसएमई को सुविधा प्रदान करने के संबंध में एक तंत्र स्थापित कर रहा है। इंडऑस ईसीटीए और पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात के साथ इसी तरह के समझौते पर राष्ट्रीय और क्षेत्रीय वाणिज्य मंडलों, निर्यातकों, उद्योग-विशिष्ट समूहों, अर्थशास्त्रियों, व्यापार विशेषज्ञों, विभिन्न मंत्रालयों और विभाग सहित उद्योग के हर वर्ग के साथ व्यापक परामर्श के बाद हस्ताक्षर किए गए थे। उद्योग जगत के दिग्गजों ने दोनों एफटीए की काफी सराहना की। यह पिछले व्यापार समझौतों की तुलना में एक बड़ा कदम है, जिनमें इतना व्यापक परामर्श शामिल नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि हर नीति या समझौता राष्ट्रीय हित में होना चाहिए और देश के लिए लाभकारी होना चाहिए। इसी भावना से, हमने मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया और यूएई के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं तथा वही मार्गदर्शक सिद्धांत अन्य देशों के साथ बातचीत को आकार दे रहे हैं। हम निष्पक्ष, पारदर्शी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद समझौतों की आकांक्षा रखते हैं, जो हमारे व्यवसायों को प्रतिस्पर्धी बनाते हैं, उनके लिए नए बाजार खोलते हैं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ये एफटीए व्यापार और वाणिज्य का विस्तार करते हैं तथा आर्थिक विकास को गति देते हैं। इससे रोजगार और व्यापार के अवसर पैदा होते हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए ने अपने पहले वर्ष में यह कर दिखाया है।

(लेखक, वाणिज्य एवं उद्योग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, उपभोक्ता मामले के मंत्री हैं।)

कांग्रेस किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा करने का ऐलान किया है। पार्टी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने के बाद गांधी देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे। राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी? 1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम सभी ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बार और अपने को खोया, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे के पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया। रिफ्यूजी कैंपों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। बंटवारा के बाद कई महीनों और वर्षों तक शरणार्थियों के निवास प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं बने। शरणार्थियों को कोई विशेष दर्जा, आरक्षण या छूट सरकार ने नहीं दी। नतीजतन, शरणार्थियों की एक पूरी पीढ़ी शिक्षा, नौकरी और तमाम अन्य क्षेत्रों में पिछड़ गई। शरणार्थियों को बंटवारे से ज्यादा दर्द और तकलीफ नेहरू सरकार की बेरुखी, बेइंसाफी और बदइंतजामी ने दी। 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की। इसके अगले दिन से ही दिल्ली और देश के दूसरे कुछ हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे। इन दंगों में सिखों के घरों, दुकानों को जलाया और लूटा गया और उनको मौत के घाट उतारा गया। दिल्ली और अन्य स्थानों पर हत्यारों और लुटेरों की भीड़ का नेतृत्व ज्यादातर कांग्रेस के नेता कर रहे थे। इन दंगों में दिल्ली में ही लगभग 2700 लोग मारे गए थे और देशभर में मरने वालों का संख्या 3,500 के करीब थी। 19 नवंबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और इंदिरा गांधी के उत्तराधिकारी उनके पुत्र राजीव गांधी ने दिल्ली बोट क्लब में इकट्ठा हुए लोगों के हुजूम के सामने कहा कि, ह्यजब इंदिराजी की हत्या हुई थी, तो हमारे देश में कुछ दंगे-फसाद हुए थे, हमें मालूम है कि भारत की जनता को कितना क्रोध आया, कितना गुस्सा आया और कुछ दिन के लिए लोगों को लगा कि भारत हिल रहा है। जब भी कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है।ह्ण राजीव गांधी के शब्दों में उन हजारों सिखों का कोई जिक्र नहीं था जो अनाथ और बेघर हो गए थे बल्कि उनका वक्तव्य उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। दंगे के 21 साल बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में इसके लिए माफी मांगी और कहा कि जो कुछ भी हुआ, उससे उनका सिर शर्म से झुक जाता है। लेकिन क्या इतना कहने भर से ही सरकार का फर्ज पूरा हो गया? क्या इससे आजाद भारत के सबसे सबसे बुरे हत्याकांड की यादें मिट गईं? सिख दंगों के दोषी कांग्रेसी नेता गांधी परिवार के खास हैं। गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने आज तक हजारों निर्दोष सिखों के कत्लेआम के लिए माफी नहीं मांगी है। साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी देश के पीएम थे। हादसे के वक्त यूनियन कार्बाइड कंपनी का सीईओ अमेरिकी कारोबारी वारेन एंडरसन था। हादसे के 4-5 दिन बाद यानी सात दिसंबर को एंडरसन भोपाल पहुंचे थे और उन्हें हवाई अड्डे पर ही गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन उसी दिन कुछ ही घंटों के बाद उन्हें न केवल जमानत मिल गई यहां तक कि मध्य प्रदेश राज्य के सरकारी विमान में उन्हें दिल्ली भेजा गया। एंडरसन उसी दिन दिल्ली से अमरीका चले गए थे। कांग्रेस की सरकार ने हजारों निर्दोष देशवासियों की हत्या के दोषी को उचित दण्ड और सजा देने की बजाय उसे बचाने और भगाने में मददगार बनीं। देश के संत गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे थे। तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी से अपनी मांग मनवाने के लिए प्रसिद्ध संत करपात्री जी महाराज के नेतृत्व में सात नवंबर 1966 को देशभर के लाखों साधु-संत अपने साथ गायों-बछड़ों को लेकर संसद के बाहर आ डटे थे। सरकार ने निहत्थे साधु-संतों की भीड़ पर गोलियां चलवाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां बरसवाईं। जिसमें सैकड़ों साधु-संतों और गोरक्षकों की जान गई। इसमें मरने वालों की संख्या पर विवाद है। मीडिया के मुताबिक पुलिस ने 209 राउंड फायरिंग की थी। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को हर महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। लेकिन मुस्लिम कट्टरपंथियों के दबाव में राजीव गांधी सरकार ने 1986 में संसद में कानून बना कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। इस तरह शाहबानो अदालती लड़ाई जीतने के बाद भी हार गईं। कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति ने उन्हें हरा दिया। असल में मुस्लिम बेटी को अदालत से मिला न्याय कांग्रेस की सरकार ने उससे छीन लिया। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा अनुच्छेद 370 लगाने के बाद से जो कश्मीरी लोगों के साथ अन्याय हुआ और 90 के दशक में कांग्रेस सरकार की बदनीयति के कारण जो कश्मीरी पंडित विस्थापित हुए, वो कहां का न्याय था? सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 1990 में 44167 कश्मीरी पंडित परिवारों ने घाटी छोड़ी थी। असल में कांग्रेस ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए अनुच्छेद 370 को जिंदा रखा और अलगाववादी ताकतों को फटकारने की बजाय पुचकारने और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर बल दिया। 1971 के भारत-पाक युद्ध में 93000 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने सरेंडर किया था।

पूरे विश्व को मानना होगा एक परिवार

दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें। महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है। आज भी दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है।यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 01 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं, दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 01 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 01 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की। बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया गया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरूआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो। हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरूआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को मनाया गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

थोड़ी राहत मिली

कतर में भारत के आठ पूर्व नौसैनिकों को फांसी की सजा नहीं दी जाएगी, यह खबर राहत देने वाली है। वहां की अपीलीय अदालत ने यह आदेश दिया है। हालांकि, अभी फैसले से जुड़े डीटेल्स नहीं आए हैं। यह भी पता चलना बाकी है कि इन नौसैनिकों को क्या सजा मिलेगी। केस की गंभीरता का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि भारत के आठ पूर्व नौसैनिक अफसरों को फांसी की सजा सुनाए जाने की खबर मिलने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं था कि उन पर आरोप क्या लगाए गए हैं, उनके खिलाफ सबूत क्या पाए गए हैं। ऐसे में इन पूर्व नौसैनिकों के परिवार वालों की हालत समझी जा सकती थी। कतर के स्थानीय मीडिया में सूत्रों के हवाले से जो अपुष्ट खबरें बाहर आ रही थीं, उनके मुताबिक इन नौसैनिकों पर इस्राइल के लिए जासूसी करने का आरोप है। वैसे तो जब तक कोई आधिकारिक सूचना न हो, तब तक उस पर बात करने का ज्यादा मतलब नहीं बनता, लेकिन लोकल मीडिया में ऐसी खबरों का आना इतना तो बता ही देता है कि वहां का जनमत इन आरोपों को लेकर कितना संवेदनशील होगा। ऐसे में भारत सरकार ने ठीक ही मामले को बेहद संयत ढंग से उठाया। कूटनीतिक स्तर पर भी प्रयास जारी रखे गए, लेकिन साथ ही यह भी कहा गया कि कतर के नियम-कानूनों का सम्मान करते हुए न्यायिक प्रक्रिया के जरिए इस मसले को सुलझाया जाएगा। अब तक का घटनाक्रम बताता है कि यह तरीका धीरे-धीरे ही सही पर सफल साबित हो रहा है। फिर भी समझना होगा कि अभी चीजें बहुत शुरूआती स्तर पर हैं। तय नहीं है कि आगे घटनाक्रम कैसा आकार लेगा। चूंकि कतर और भारत के बीच 2015 में कैदियों के आदान-प्रदान का समझौता हो चुका है, इसलिए इस बात के लिए भी प्रयास किया जा सकता है कि इन कैदियों को बाकी की सजा काटने के लिए भारत भेज दिया जाए। एक और संभावना यह है कि कतर के शाह किसी मौके पर इन कैदियों को माफी दे दें। मगर फिलहाल एक रास्ता वहां के सुप्रीम कोर्ट में जाकर सजा को और कम करवाने की कोशिशों का भी है। इसलिए अभी संयम बनाए रखते हुए प्रयास जारी रखने की जरूरत है। फिर भी, भारत सरकार ने इस मामले में जितनी तत्परता और कुशलता दिखाई है, उसकी सराहना की जानी चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

एचसीएल के फाउंडर नाडर की कमाई मुकेश अंबानी से ज्यादा

- शिव नाडर ने गैराज में शुरू की थी कंपनी, रोज देते हैं 5.6 करोड़ का दान

नई दिल्ली ।

साल 2023 समाप्त हो गया है। बीते साल कमाई के मामले में देश की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी एचसीएल के फाउंडर शिव नाडर सब पर भारी पड़े। वित्त वर्ष 2023 में दान देने के मामले में भी वह सबसे आगे रहे। शिव नाडर 1976 में एक गैराज में एचसीएल की स्थापना की थी और आज वह देश के चौथे सबसे बड़े रईस हैं। पिछले साल यानी कैलेंयर ईयर 2023 में उनकी नेटवर्थ में 9.39 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और यह 33.9 अरब डॉलर पहुंच गई। नाडर की एचसीएल में 61 फीसदी हिस्सेदारी है। इस साल कंपनी के शेयरों में 45 फीसदी से अधिक तेजी आई है। खबर के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बीते साल 9.23 अरब डॉलर की तेजी आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 96.3 अरब डॉलर पहुंच गई। लेकिन वह कमाई के मामले में नाडर से पिछड़ गए। नाडर की नेटवर्थ में पिछले साल 9.39 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। नाडर भारतीय रईसों की लिस्ट में चौथे और दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 44वें नंबर पर हैं। लेकिन दान देने के मामले में कोई उनके आसपास भी नहीं हैं। लगातार दो वर्षों से उन्होंने देश के सबसे बड़े दानवीर की कुर्सी पर कब्जा जमा रखा है। शिव नाडर का जन्म 14 जुलाई, 1945 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में हुआ था। बचपन में उन्हें आर्थिक दिक्कतों के सामना करना पड़ा। कोयंबटूर के पीएसजी कॉलेज से इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर की डिग्री लेने के बाद उन्होंने 1967 में पुणे के वालचंद ग्रुप के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह दिल्ली के डीसीएम ग्रुप के साथ एक कंप्यूटर प्रोग्रामर के तौर पर नौकरी की। लेकिन नौकरी में मन नहीं रमा और 1976 में अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर एचसीएल की स्थापना की। हिंदुस्तान कंप्यूटर्स लिमिटेड यानी एचसीएल की शुरुआत एक गैराज से हुई। नाडर की लीडरशिप में कंपनी ने दिन दोगुना चार चौगुनी प्रोग्रेस की और जल्दी ही एक ग्लोबल आईटी सर्विसेज कंपनी बन गई। आज एचसीएल की 60 से भी ज्यादा देशों में मौजूदगी है और इसमें 2,22,000 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। जुलाई 2020, में नाडर ने कंपनी के चेयरमैन का पद छोड़ दिया और इसकी कमान अपनी बेटी रोशनी नाडर मल्होत्रा के हाथों में सौंप दी। वह कंपनी के चेयरमैन एमेरिटस और स्ट्रैटजिक एडवाइजर हैं। नाडर ने 1994 में शिव नाडर फाउंडेशन की स्थापना की थी जो शिक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में काम करता है। कोरोना काल में भी उन्होंने बढ़चढ़कर दान दिया था।

70,000 रुपये तक पहुंच सकता है सोना

नई दिल्ली ।

पीली धातु की चमक नए साल 2024 में भी बने रहने की संभावना है। हाल में सोने की कीमत में आई तेजी पर जानकारों का कहना है कि अगले साल सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच सकता है। रुपये की स्थिरता, भूराजनीतिक अनिश्चितता और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के कारण नए साल में भी सोने का आकर्षण कायम रहेगा।

फिलहाल जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स में सोना 63,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 2,058 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास है। वहीं रुपया इस समय 83 प्रति डॉलर के पार पहुंच चुका है। दिसंबर की शुरुआत में वैश्विक तनाव की वजह से पश्चिम एशिया में सोने के दाम एक बार फिर चढ़ गए। उभरते बाजार के कारोबारियों का अनुमान है कि ब्याज दर में बढ़ोतरी का चक्र कमोबेश समाप्त हो चुका है। हालांकि, इस साल सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव रहा। घरेलू बाजार में चार मई को पीली धातु का भाव 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में यह 2,083 डॉलर प्रति औंस की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बाद में 16 नवंबर को सोना 61,914 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया। कॉमट्रेंड्ज रिसर्च के निदेशक ज्ञानशेखर त्यागराजन ने कहा, 'निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बरकरार है। यही वजह है कि इस साल चार दिसंबर को सोने का भाव 64,063 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। वैश्विक बाजार में यह 2,140 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।'

त्यागराजन ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि 2024 में अंततः यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2,400 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच जाएगा। वहीं घरेलू बाजार में सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर जा सकता है।' उन्होंने कहा कि चुनावी साल में रुपया कमजोर हो सकता है। इससे घरेलू स्तर पर सोने के दाम बढ़ेंगे। कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष और जिंस शोध के प्रमुख रविंद्र राव ने कहा कि खुदरा आभूषण खरीदारी को भारत और चीन में उच्च घरेलू कीमतों से प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि मौजूदा रफ्तार जारी रहती है, तो केंद्रीय बैंकों की मांग पिछले साल के रिकॉर्ड से अधिक हो सकती है।

10 हजार से भी कम में अब 32 इंच के एलईडी टीवी उपलब्ध

नई दिल्ली ।

दस हजार रुपये से कम कीमत में टीवी लेने वाले उपभोक्ताओं के पास अब 24 और 32 इंच के स्क्रीन साइज वाले एलईडी टीवी के विकल्प मौजूद हैं। इसके लिए अमेजन सेल से कम कीमत में घर बैठकर मनपसंद इच्छा पूरी कर सकते है।

जब भी स्मार्ट टीवी खरीदने की बात आती है, तो उसके बारे में अच्छे से जानकारी होना बेहद जरूरी है। ऐसे में अगर आप अपने घर के लिए टीवी को लेने की सोच रहे हैं, तो यहां दिए गए विकल्प को चेक कर सकते हैं। यह एलईडी टीवी अण्डर 10000 24 और 32 इंच के साइज में आ रहे हैं। इनमें एंटरटेनमेंट के लिए काफी एप्स का भी सपोर्ट दिया हुआ है। इसके अलावा इन्हें आप यूएसबी और एचडीएमआई कनेक्टिविटी भी कर सकते हैं।

स्लिम और स्लीक डिजाइन वाले यह एलईडी टीवीआपके बजट में एकदम फिट बैठेंगे। इनमें मनोरंजन का भी पूरा मजा मिलेगा। इन्हें आप अपने बेडरूम, ऑफिस, किड्स रूम में भी लगवा सकते हैं।

एडवांस्ड एन सीरीज वाला यह 32 इंच का एचडी एलइडी टीवी है। इस स्मार्ट टीवी में 24 वाट का हाई-फाई स्पीकर दिया हुआ है। इसके अलावा यह स्मार्ट टीवी ऑडियो मोड के साथ आएगा। यूएसबी और एचडीएमआई की कनेक्टिविटी वाले इस एसर एचडी एलईडी टीवी में 1 साल की कॉमप्रिहेंसिव वारंटी मिल रही है। यह स्मार्ट टीवी डिजिटल नॉइस रिडक्शन के साथ आ रहा है।

ए प्लस ग्रेड पैनल वाला यह स्मार्ट टीवी एचडी डिस्प्ले के साथ आ रहा है। इसमें 20 वाट का आउटपुट स्पीकर दिया हुआ है। 24 इंच का यह करबोनन एलईडी टीवी बेहद कम कीमत में आएगा। इसमें आप अपनी मनपसंद एप्स को भी एंजॉय कर सकते हैं। इसमें 720 पिक्सेल की रेजोल्यूशन और 60 हर्ट्ज की रिफ्रेश रेट दी है। यह टीवी वाइड व्यूइंग एंगल से भी देखा जा सकता है।

18 महीने की वारंटी के साथ आ रहा यह फ्रेमलेस डिजाइन वाला स्मार्ट टीवी है। यह टीवी जीईई5, यूट्यूब, हंगामा और प्राइम वीडियो जैसी एप्स को भी सपोर्ट करता है। 32 इंच का यह एचडी रेडी स्मार्ट एलईडी टीवीबेडरूम में लगाने के लिए बेस्ट रहेगा। इसमें 20 वाट का आउटपुट साउंड दिया हुआ है। आईपीई टेक्नोलॉजी वाला यह स्मार्ट टीवी 16.7 मिलियन कलर्स को सपोर्ट करता है।60 हर्ट्ज की रिफ्रेश रेट के साथ आ रहा यह स्मार्ट एण्ड्रायड एलईडी टीवीकाफी बढ़िया है।

जोमैटो को मिला 4.2 करोड़ रुपये का जीएसटी डिमांड नोटिस

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने कहा है कि उन्हें 2018 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के 4.2 करोड़ रुपये के कथित कम भुगतान पर दिल्ली और कर्नाटक के कर अधिकारियों से नोटिस मिला है।जोमैटो ने स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में इसका उल्लेख किया है, 'कंपनी को जीएसटी के कम भुगतान का आरोप लगाते हुए बिक्री कर अधिकारी, वार्ड 300, दिल्ली और डिप्टी कमिश्नर, डीजीएसटीओ-4, बेंगलुरु, कर्नाटक से तीन आदेश प्राप्त हुए, जिसमें केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (सीजीएसटी अधिनियम, 2017') की धारा 73 के तहत लागू ब्याज और जुर्माने के साथ, दिल्ली माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 ('डीजीएसटी अधिनियम, 2017') और कर्नाटक माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 ('केजीएसटी अधिनियम, 2017') शामिल हैं।' जोमैटो ने यह भी कहा कि वह टैक्स डिमांड नोटिस के खिलाफ अपील करेगा। कंपनी ने कहा, ऐसा लगता है कि दिल्ली और कर्नाटक के अधिकारियों ने पहले प्रस्तुत हमारे जवाब पर उचित विचार किए बिना 30 और 31 दिसंबर, 2023 को उपरोक्त आदेश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है, हमारा मानना है कि हमारे पास योग्यता के आधार पर एक मजबूत मामला है और कंपनी उचित अपीलीय अधिकारियों के समक्ष आदेशों के खिलाफ अपील दायर करेगी। यह जोमैटो को डिलीवरी शुल्क के रूप में एकत्र किए गए अवैतनिक बकाया पर माल और सेवा कर अधिकारियों से 400 करोड़ रुपये का कारण बताओ नोटिस मिलने के बाद आया है। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने पिछले महीने जोमैटो और उसके प्रतिद्वंद्वी स्विगी को एक डिमांड नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें क्रमशः 400 करोड़ रुपये और 350 करोड़ रुपये से अधिक का लंबित बकाया भुगतान करने के लिए कहा गया था। जोमैटो को कारण बताओ नोटिस 29 अक्टूबर, 2019 और 31 मार्च, 2022 के बीच की अवधि के लिए है।

अरविंद पनगढ़िया वित्त आयोग के चेयरमैन बने

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अरविंद पनगढ़िया को वित्त आयोग का चेयरमैन बनाया गया है।

सरकार ने एक गजट नोटिफिकेशन में यह जानकारी दी है। ऋतिक रंजन पांडेय को कमीशन का सेक्रेटरी बनाया गया है। चेयरमैन और कमीशन के दूसरे सदस्यों का कार्यकाल रिपोर्ट सौंपे जाने या 31 अक्टूबर 2025 तक होगा। कमीशन के दूसरे सदस्यों की नियुक्ति के बारे में अलग से नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। वित्त आयोग एक संवैधानिक संस्था है जिसका गठन संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत किया जाता है। इसका कार्य केंद्र और राज्यों की वित्तीय स्थितियों का मूल्यांकन करना, उनके बीच टैक्स के बटवारे की सिफारिश करना तथा राज्यों के बीच टैक्स के वितरण की रूपरेखा तय करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनगढ़िया को 2015 में नीति आयोग का पहला वाइस चेयरमैन बनाया था। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में योजना आयोग को खत्म करके उसकी जगह नीति आयोग बनाया गया था। 30 सितंबर, 1952 को जन्मे अरविंद पनगढ़िया न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में इकनॉमिक्स के प्रोफेसर हैं। इससे पहले वह एशियन डेवलपमेंट बैंक में टॉप इकनॉमिस्ट रह चुके हैं। साथ ही उन्होंने वर्ल्ड बैंक, इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड और वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन में भी कई पदों पर काम किया है। केंद्र सरकार ने हाल में 16वें फाइनेंस कमीशन की संदर्भ शर्तों यानी टर्म्स ऑफ रेफरेंस को मंजूरी दी थी। यह आयोग एक अप्रैल, 2026 से अगले पांच साल के लिए सिफारिशें देगा। कमीशन 31 अक्टूबर, 2025 तक राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।

पंद्रहवें वित्त आयोग का गठन 27 नवंबर 2017 को किया गया था। आयोग ने 2020-21 से 2025-26 तक छह साल की अवधि के लिए अपनी सिफारिशें दीं थीं। वित्त आयोग को अपनी सिफारिशें देने में आम तौर पर लगभग दो साल लगते हैं। संविधान के अनुच्छेद 280 के खंड (1) के अनुसार, वित्त आयोग का गठन हर पांचवें वर्ष या उससे पहले किया जाता है। 16वें वित्त आयोग के एडवांस सेल का गठन 21 नवंबर 2022 को वित्त मंत्रालय में किया गया था, ताकि आयोग के औपचारिक गठन तक प्रारंभिक कार्य की निगरानी की जा सके।

दिसंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.64 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली । साल 2024 के पहले दिन मोदी सरकार के अच्छी खबर आई। जहां दिसंबर-2023 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी से 1.64 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। ये एक साल पहले यानी दिसंबर 2022 के मुकाबले 10 प्रतिशत ज्यादा है। तब जीएसटी से 1.49 लाख करोड़ जुटाए गए थे। वहीं एक महीने पहले नवंबर में सरकार ने जीएसटी से 1.67 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। दरअसल लगातार 10वीं बार ऐसा हुआ है कि रेवेन्यू कलेक्शन 1.5 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। हालांकि अब तक सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन अप्रैल 2023 में हुआ था, तब ये आंकड़ा 1.87 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया था। इसके अलावा लगातार 21 महीने से देश का जीएसटी कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ रुपए से ऊपर बना हुआ है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, दिसंबर 2023 में जीएसटी कलेक्शन 1,64,882 करोड़ रुपए रहा है। इसमें सीजीएसटी 30,443 करोड़ रुपए,एसजीएसटी 37,935 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 84,255 करोड़ रुपए (माल के आयात पर कलेक्ट किए 41,534 करोड़ रुपए सहित) और सेस 12,249 करोड़ रुपए रहा है। सेस में माल के आयात से मिले 1,079 करोड़ रुपए शामिल हैं।

साल के पहले दिन सोने और चांदी की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी

मुंबई । साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी 2024 को सोने और चांदी की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 46 रुपये महंगा होकर 63,302 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 47,477 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। चांदी में भी सोमवार को तेजी देखी जा रही है। यह 229 रुपए महंगा होकर 73,624 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। पहले यह 73,395 रुपए पर था। पिछले महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार रुपए के पार पहुंच गई थी। साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया। यानी साल 2023 में इसकी कीमत 8,379 रुपए (16 प्रतिशत) बढ़ गई। वहीं, चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

श्रीलंका ने ईंधन की खुदरा कीमतें बढ़ाईं

कोलंबो । सरकार अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर और वैश्विक तेल बाजार की कीमतों के आधार पर मासिक रूप से ईंधन की कीमतों में संशोधन करती है। हालांकि सोमवार की बढ़ोतरी पूरी तरह से नई वैट दरों का परिणाम है। श्रीलंका की वैट दर में सोमवार से तीन प्रतिशत की वृद्धि की गई है। पहले 15 प्रतिशत कर लगता था, जो अब बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया है। वहीं अधिकतर वैट-मुक्त वस्तुओं को 18 प्रतिशत कर के दायरे लाया गया है। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एसएलआर 20 प्रति लीटर से अधिक की बढ़ोतरी की गई जो नई वैट दरों के तहत किसी भी वस्तु की खुदरा कीमत में पहली वृद्धि है। सरकार ने कहा कि संघर्षरत अर्थव्यवस्था पर बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उसने ईंधन की खुदरा कीमत को उचित स्तर पर बनाए रखने के लिए ईंधन पर 7.5 प्रतिशत आयात शुल्क हटा दिया। श्रीलंका राष्ट्रपति एवं वित्त मंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पिछले महीने कहा था कि राज्य के राजस्व को अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वांछित स्तर तक बढ़ाने के लिए वैट को 15 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करना आवश्यक है।

चीन की विनिर्माण गतिविधि दिसंबर में कम सुस्त रही

बैंकॉक । चीन की विनिर्माण गतिविधियों में दिसंबर में गिरावट आई, जिसके साथ ही दुनिया की नंबर दो अर्थव्यवस्था अब भी सुस्त बनी हुई है। चीनी फैक्टरी प्रबंधकों के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक या पीएमआई दिसंबर में गिरकर 49 पर आ गया। अधिकारियों का कहना है कि यह सुस्त मांग का संकेत है।

एचएफसीएल को बीएसएनएल से 1,127 करोड़ का ठेका मिला

नई दिल्ली । एचएफसीएल लिमिटेड (एचएफसीएल) को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) से 1,127 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। इस ठेके के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी के अखिल भारतीय नेटवर्क के ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (ओटीएन) के बुनियादी ढांचे को बदलने का काम किया जाएगा। जटिल प्रणालियों को एकीकृत करने में अपनी अद्वितीय विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए एचएफसीएल ने अत्याधुनिक ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी को तैनात करने के लिए नोकिया नेटवर्क के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। यह साझेदारी अत्याधुनिक समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह प्रौद्योगिक उत्कृष्टता नेटवर्क के मापदंडों को नए सिरे से परिभाषित करती है।

नए साल पर बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी रिकार्ड स्तर पर पहुंचे

निवेशकों को कुल 1.22 लाख करोड़ रुपये का लाभ

मुम्बई ।

साल के पहले ही कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुए। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली खरीददारी से बाजार में ये उछाल आया हालांकि अंतिम घंटे में बिकवाली हावी रहने से ये भारी बढ़त कायम नहीं रह पायी। कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही रिकार्ड स्तर पर पहुंचे। सेंसेक्स पहली बार 72,561.91 के स्तर पर पहुंचा। वहीं निफ्टी ने 21,834.35 का नया रिकॉर्ड स्तर बनाया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 31.68 अंक करीब 0.044 फीसदी बढ़कर 72,271.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.50 अंक तकरीबन 0.048 फीसदी बढ़कर 21,741.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज कुल बाजार पूंजीकर बढ़कर 365.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। ये पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार 29 दिसंबर को 364.28 लाख करोड़ रुपये था। इस प्रकार आज निवेशकों को कुल 1.22 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स भी आज 0.54 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.73 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स में सबसे अधिक तेजी ऑयल एंड गैस, टेलीकम्युनिकेशंस, आईटी और फार्मा शेयरों में देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर ऑटो और बैंकिंग सेक्टर में हल्की गिरावट रही। बीएसई सेंसेक्स के 30 में 11 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। इसमें भी एनटीपीसी के शेयरों में सबसे अधिक 2.94 फीसदी की तेजी रही। इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा एमएंडएम , नेस्ले इंडिया , पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही और ये 0.71 फीसदी से लेकर 1.66 फीसदी तक बढ़कर बंद हुए। वहीं भारती एयरटेल का शेयर सबसे ज्यादा 1.98 फीसदी गिरा जबकि एचडीएफसी बैंक ,एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.66 फीसदी से लेकर 1.43 फीसदी तक की गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई पर आज बढ़त के साथ बंद होने वाले शेयरों की संख्या अधिक रही। कुल 4,047 शेयरों में आज कारोबार देखने को मिला। इसमें से 2,527 शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं 1,364 शेयरों में गिरावट रही। जबकि 156 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के सपाट बंद हुए। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख के बीच शुरुआती कारोबार में घरेलू सूचकांकों में गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयर सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को शुरुआती कारोबार में 207.29 अंक गिरकर 72,032.97 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 46.65 अंक फिसलकर 21,684.75 पर पहुंच गया।

घरेलू शेयर बाजारों के लिए वर्ष 2023 शानदार रहा

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजारों के लिए वर्ष 2023 शानदार रहा। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 11,399.52 अंक बढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी में 3,626.1 अंक की तेजी आई। भारत से साथ-साथ जापान, यूरोप और अमेरिका में भी बीते साल शेयर बाजार ने निवेशकों की बल्ले-बल्ले रही। केवल चीन के शेयर बाजा में बीते साल गिरावट रही। सोमवार को करूर वेश्य बैंक, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, एसबीआई काड्र्स एंड पेमेंट सर्विसेज के शेयर निवेशकों की झोली भर सकते हैं। आरबीआई ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी को करूर वेश्य बैंक में 9.95 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दे दी है। आदित्य बिड़ला ग्रुप की केमिकल डिवीजन ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने गुजरात के भरूच में सालाना 1.23 लाख टन अतिरिक्त क्षमता वाली मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट शुरू कर दी है। डॉ.रेड्डीज लैबोरेटरीज की स्टेप डाउन सब्सिडियरी ने इजरायल की कंपनी के 10,14,442 प्रीफर्ड ए-1 शेयर खरीदे हैं जो कंपनी में 6.46 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। एसबीआई काड्र्स एंड पेमेंट सर्विसेज के शेयरहोल्डर्स ने नितिन चुघ को नॉमिनी डायरेक्टर बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

नए साल पर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुआ सस्ता

मुंबई ।

तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में आंशिक कटौती की है। नए साल के पहले दिन कंपनियों ने 1.50 रुपये प्रति सिलिंडर कम किए हैं। नई कीमतें नए साल 2024 के पहले दिन से ही लागू हो गई हैं। वैसे घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे आम आदमी को सीधे तौर पर फायदा नहीं मिलेगा। घर के किचन में आने वाला सिलेंडर पुरानी कीमत पर ही मिलेगा। वैसे उम्मीद की जा रही थी कि चुनावी साल लगते ही आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है।

1 जनवरी 2019 को 14.2 किलोग्राम गैर-सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतें काफी कम हो गई थीं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की वेबसाइट के मुताबिक अब राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1.50 रुपये घटकर 1755.50 रुपये हो गई है। मुंबई में इसका दाम 1.50 रुपया सस्ता होकर 1708.50 रुपये हो गया है। चेन्नई में सबसे ज्यादा 4.50 रुपये घटकर इसकी कीमत 1924.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में इसकी कीमत 1869 रुपए हो गई है।

एमएंडएम की वाहन बिक्री दिसंबर 2023 में बढ़कर 60,188 इकाई रही

नई दिल्ली ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) की दिसंबर 2023 में कुल वाहन बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 60,188 इकाई रही। एमएंडएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री 24 प्रतिशत बढ़कर 35,174 इकाई रही, जो दिसंबर 2022 में 28,445 इकाई थी। दिसंबर 2023 में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री भी 24 प्रतिशत बढ़कर 35,171 इकाई हो गई, जबकि 2022 में इसी महीने यह 28,333 इकाई थी। एमएंडएम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमें चुनिंदा हिस्सों में आपूर्ति संबंधी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हम भविष्य में इन चुनौतियों को कम करने के लिए अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कंपनी के अनुसार पिछले महीने कुल मोटर वाहन निर्यात 41 प्रतिशत घटकर 1,819 इकाई रहा, जबकि दिसंबर 2022 में यह 3,100 इकाई था। दिसंबर 2023 में कुल ट्रैक्टर बिक्री 18 प्रतिशत घटकर 19,138 इकाई रही, जबकि 2022 में इसी अवधि में यह 23,243 इकाई थी। वहीं घरेलू ट्रैक्टर की बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 18,028 इकाई हो गई, दिसंबर 2022 में यह 21,640 इकाई थी। कंपनी के अनुसार ट्रैक्टर निर्यात भी दिसंबर 2023 में 31 प्रतिशत घटकर 1,110 इकाई रहा, जो एक साल पहले इसी महीने में 1,603 इकाई था।

उड़ान आपकी है

संतोष-भरा जीवन जीने के लिए अपने व्यक्तित्व की डोर थामना बिल्कुल वैसे ही ज़रूरी है.. जैसे खुश होने के लिए खुद मुस्कुराना..

बालिका को जीवन के प्रथम चरण से ही हर बात के लिए रोका टोका जाता रहा है। ऐसे उठो बैठो, अकेले बाहर मत जाओ, यह न करो.. कहीं न कहीं ये बातें महिलाओं के मन में कमजोर होने का भाव जगाती हैं। और अरमानों का वह आज़ाद परिंदा, क़ैद में रहकर, हौसला खोकर उड़ान भरना भूल जाता है। नतीजतन, स्त्री धीरे धीरे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर होने लगती है। आत्मविश्वास की कमी के कारण भी हर कार्य करने से पहले उसे सहमति की आवश्यकता होती है। फिर धीरे धीरे वह दूसरों के निर्णय को ही अपना निर्णय बना लेती है। गुजरते समय के साथ आत्मसम्मान में कमी आ जाती है और मन में अनजाना-सा दुख पनपने लगता है।

हम सब आईने की तरह होते हैं। जैसे खुद को देखेंगे, स्वयं के बारे में जैसा सोचेंगे, वही हमारे कार्यों में दिखेगा, फिर वैसा ही लोग हमारे बारे में सोचेंगे। इसलिए आज से ही अपनी नींव मजबूत करना शुरू करें। खुद को जानें, खुद पर यक़ीन करें और फिर मजबूती से क़दम बढ़ाएं।

सामान्य भूलें जो हमें जीवन की कमान समंभालने से रोकती हैं -

-खुद से, खुद की मर्ज़ी से अनजान।
-राय और मश्विरे लिए बिना कुछ भी न कर पाना।
-छोटी-से छोटी भूल के लिए कई दिनों तक शर्मिंदा महसूस करना।
-ज़िंदगी तो दूर, दिन तक की योजना न बना पाना।
-शब्दों का बेजा प्रयोग करना।

क्या आप भी अक्सर ऐसा कहती या सोचती हैं -

-डिग्री सही सब्जेक्ट में ली होती, तो आज नौकरी ढूंढना आसान होता।
-जब इतना पैसा होगा, ज़िंदगी में मज़ा तो तब आएगा।
-अगर स्कूटी की जगह कार होती, तो काम बढ़ाया भी जा सकता था।

इसे आप कुछ इस तरह भी कह सकती हैं -

-मैंने जीवन में कुछ करने के दूसरे विकल्पों के बारे में नहीं सोचा।
-पैसों का प्रबंधन कभी ठीक से नहीं हुआ मुझसे।
-मुझे सुविधाएं ज़रा ज्यादा चाहिए।

अब अगर यह तय करना है कि ज़िंदगी की कमान संभालनी है, तो सबसे पहली बात, शिक़ायतें करना छोड़ दें। आपकी ज़िंदगी की कमियों या समस्याओं के लिए अगर खुद उपाय नहीं किया, तो किसी पर दोष मढ़ने का हक़ नहीं।

हर दिन, हर परिस्थिति में ये चार मंत्र हमेशा याद रखिए -

1-चाहे हालात कैसे भी हों, किसी के सिर दोष मढ़ने के बजाय केवल निदान पर ध्यान दूंगी।
2-मेरी अपनी कोई भी दिक़्क़त हो, पहले उसका हल खुद ही ढूंढूंगी।
3-अपने बारे में ईमानदार रहना होगा, चाहे कितनी भी बड़ी समस्या में फंस जाऊं।
4. अपने सपनों, अपनी इच्छाओं की अनदेखी नहीं करूंगी। न ही कभी यह सोचूंगी कि मैं फलां कार्य के लिए योग्य नहीं हूं।

पता करें कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है-

-एक काग़ज पर कार्यों की प्राथमिकता अनुसार सूची बनाएं।
-पता करें कि कौन-सी बाधाएं आपको अंदर से परेशान कर रही हैं?

स्वयं पर विश्वास करें

-विश्वास करें कि आप अपने लक्ष्य को वास्तविक बनाने में सक्षम हैं। यदि आप अपनी शक्ति व क्षमताओं पर विश्वास करेंगी, तभी लोग व घटनाएं भी आपका समर्थन करेंगी।
-आपके विचार ही अनुभव बनाते हैं, इसलिए भय या संदेह को खुद पर हावी न होने दें।
-मुस्कुराती रहें और स्वयं से हश्वयार करें।

कार्यान्वित करें- योजना बनाएं कि आप स्वयं को किस रूप में देखना चाहती हैं। उसी तस्वीर की प्रतिकृति मन में बना लें।

स्वयं के फ़ैसले लें- आपके लिए जो कार्य वाक़ई आवश्यक है, उसकी तरफ़ ठोस क़दम बढ़ाएं। दूसरों के विचारों को अहमियत देना जरूरी है, पर अंतिम फ़ैसला स्वविवेक व अपनी आवश्यकता के आधार पर करें।

आत्मनिर्भर बनें- हर विषय में जानकारी लें। गैजेट्स, शहर के रास्ते आदि के बारे में जानें, ताकि समय आने पर आपको किसी पर निर्भर न रहना पड़े। स्वयं के कार्य करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। फिर कोई भी कार्य करने से पहले आप राय नहीं लेंगी, बल्कि दूसरों को परामर्श देने में भी सक्षम होंगी।

स्वयं के लिए समय निकालें- जो कुछ करना आपको अच्छा लगता है, उस कार्य को करने में कुछ समय व्यतीत करें। आध्यात्मिक उन्नति करें।

एक मिनट कीजिए सोलह श्रृंगार!

अगर आपको ऐसा जादुई आईना मिल जाए, जिसमें आप एक मिनट में दर्जनों बार श्रृंगार कर सकें और एक बटन दबाते ही सभी रूप ओझल हो जाएं तो कैसा रहे? चौंकिए नहीं। यूरोप के ब्यूटी काउंटरों पर एक ऐसे आईने की नुमाइश की जा रही है, जिसमें महिलाएं विभिन्न रूपों को आजमा कर सबसे अच्छे रूप का चयन कर रही हैं। जापानी ब्यूटी ब्रांड शिसीडो द्वारा तैयार किया गया यह आईना उपयोगकर्ता को आंखों, होठों और गालों का वास्तविक मेक-अप करने का भी विकल्प उपलब्ध कराता है। कंपनी के यूरोपीय स्टोर्स में यह आईना महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। आईने में एक कैमरा लगा है, जो महिला के रूप को अपनी मैमोरी में कैद कर लेता है। इसके बाद आईने के संवेदनशील टच स्क्रीन को छूकर 50 से अधिक आंखों और होठों के रंगों का चयन किया जा सकता हैं। 12 प्रकार के लालिमा से युक्त गालों के रंग का भी चुनाव इस आईने को देख कर किया जा सकता है। इस आईने में दिखाई देने वाला रूप ठीक उसी प्रकार का होता है, जो वास्तविक आईने में दिखता है। यदि मेकअप करने के चलते आंखों का रंग साफ नहीं दिखाई देता है, तो उसे स्क्रीन पर देखा जा सकता है। महिला अपने पसंदीदा रूप का चयन करने के बाद अपना फोटो भी ले सकती हैं। आईने में लगी मशीन उनके विभिन्न रूपों में से कुछ का संचय कर लेती है, जो बाद में पसंदीदा रूप के चयन में सहायता करती है।

उपनाम दर्शाए परिवार प्रेम

अगर बात विवाह जैसे पवित्र बंधन की हो तो हमारे देश में इसे बखूबी निभाया जाता है। शादी के बाद पत्नी की पहचान पति से ही होती है। खासकर उसके नाम और उपनाम से। मगर अमेरिका में तो लोग अपनी पत्नी का उपनाम तक लगाने लगे हैं। हालांकि विकसित देशों में भी पत्नी का उपनाम लेने पर पहले कोर्ट में अर्जी देनी पड़ती है और फिर पैसे भी भरने पड़ते हैं। ऐसा नहीं है कि वहां इसका विरोध नहीं किया जाता, लेकिन फिर भी 350 डॉलर देकर वहां पत्नी का उपनाम इस्तेमाल किया जा सकता है।

पति काटे कोर्ट के चक्कर: आजकल कई पति शादी के बाद अपनी पत्नी का सरनेम रखना पसंद कर रहे हैं। लेकिन उन्हें कुछ कानूनी दांवपेंच से गुजरना पड़ता है। जबकि औरतों के साथ यह बात लागू नहीं होती। उन्हें आसानी से अपने पति का सरनेम मिल जाता है। भारत में पति को पत्नी से ऊपर का दर्जा मिलता है, इसीलिए जब लड़की शादी कर अपने घर जाती है तो वह अपने पति के सरनेम से जानी जाती है। हमारे देश में कम लेकिन बाहर के देशों में कई लोग ऐसे हैं, जो पत्नी का सरनेम खुशी से अपने नाम के साथ जोड़ना चाहते हैं।

महिलाएं भी दाखिल करती हैं अर्जी: कई देश ऐसे हैं जहां पति का सरनेम रखने के लिए भी कोर्ट की इजाजत लेनी पड़ती है। इराक, यमन, जार्डन, सीरिया में तो औरतें अपने पिता का उपनाम रखती हैं। शादी के बाद भी उनका नाम पिता के उपनाम के साथ ही जाना जाता है। अगर कोई महिला अपने पति का सरनेम रखने की इच्छा जताती है तो उसे कोर्ट में अर्जी दाखिल करनी होती है और बिना अदालती आदेश के वह अपने पति का सरनेम नहीं रख सकती।

पति के साथ खुद का सरनेम: भारत परम्पराओं का देश है। यहां परम्पराएं निभाई जाती हैं। शादी के बाद एक लड़की को अपने पति का नाम मिलता है। महिलाएं भी यहां पति का सरनेम रखना पसंद करती हैं। प्रियंका गांधी शादी के बाद अपने आप को प्रियंका वडेरा कहलाना अधिक पसंद करती हैं। कई मामले में महिलाएं पति के सरनेम के साथ-साथ अपना सरनेम भी रखती हैं। ऐश्वर्या राय ने शादी के बाद अपने पति का सरनेम लगाया और ऐश्वर्या राय बच्चन हो गईं। अभिनेत्री मानसी जोशी ने रोहित राय से शादी करने के बाद अपना नाम मानसी जोशी राय रखा है। लोग उन्हें इस नाम से जानते हैं, इसलिए शायद उन्होंने ऐसा किया।

शिखर की चाह

कामकाजी इंसान की ख्वाहिश लीडरशिप के शिखर पर पहुंचने की होती है। महिलाओं को यह राह निष्कंटक नहीं लगती। लेकिन इस राह को आसान वे खुद ही बना सकती हैं...

यह आपका कार्यक्षेत्र है। यहां आपका काम आपको पहचान और समान दिलाता है। आपको आत्मनिर्भर बनाता है। बेशक, यहां कई चुनौतियां हैं, पर यह न भूलें कि यहां अवसर भी हैं। आगे बढ़ने और लीडर बनने के अवसर। सो, पहले समझें कि लीडरशिप के लिए किन गुणों की दरकार होती है-

जिम्मेदारी- लीडर अधिकार से पहले जवाबदेही लेते हैं, क्योंकि जवाबदेही के साथ अधिकार तो मिल ही जाते हैं। वे लक्ष्य तय करते हैं। लीडर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को कभी 'न' नहीं कहते।

संवाद- औरों को अपनी राय रखने और फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हर तरह के फीडबैक का सम्मान करते हैं। दुराव छिपाव नहीं रखते।

आत्म अवलोकन- लीडर अपनी ग़लतियां मानते हैं और उन्हें दूसरों पर नहीं थोपते। न ही वे बहाने बनाते।

प्रोत्साहन- सहकर्मियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। मदद और मार्गदर्शन के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। औरों की तरक़्क़ी में सहायक बनते हैं।

आइडिया- लीडर नए आइडिया और हश्वलान देते हैं, जिन पर उनके साथ अनुयायी चलते हैं।

तैयारी- अपनी योग्यताएं बढ़ाते रहते हैं। लीड करने के लिए तैयार रहते हैं। चाहे चुनौती कुछ भी हो, स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। दृतर में कई चुनौतियां महिलाओं के सामने खड़ी होती हैं, जिनमें एक जो सबसे महत्वपूर्ण है, उसका ताल्लुक़ केवल और केवल छवि से है।

इस बारे में हिलैरी क्लिंटन के एक प्रेस सहयोगी के कथन से जाना जा सकता है- 'महिला लीडर क्या कह रही है या वो क्या कहेगी, से कहीं ज्यादा लोग इस बारे में बात करते हैं कि वो कहते वक़्त कैसी दिख रही थी।' आप कैसी दिखती हैं, दफ़्तर में कैसे रहती हैं से लेकर किससे, क्या बात करती हैं, ये सब माइक्रोस्कोप के नीचे रखकर देखा जाता है।

इसलिए, ध्यान रखें

-सबसे पहला प्रयास तो उन लोगों से जो केवल रूप या ड्रेस की बातें करते हैं, ध्यान हटाकर काम पर लगाना है। कुछ दिनों बाद ये लोग भी आपके फोकस के क़ायल हो जाएंगे।
-योग्यता में लगातार सुधार व निखार लाती रहें।
-फ़ैसले लेने के मामले में कमज़ोर साबित हुईं, तो दफ़्तर में सहायक भूमिकाओं तक सीमित रह जाएंगी।
-बहुत सारे लोग मदद के लिए तैयार होंगे और चाहेंगे कि बदले में आप उनका एहसान मानें। अपनी समस्याओं से जहां तक संभव हो, खुद निपटें।
-दफ़्तर में निजी बातें करना या अनावश्यक घरेलू बातें करना दूसरों को ग़लत अर्थ लगाकर, आपका ध्यान भटकाने का मौक़ा दे सकता है।

ये भी आजमाएं- नवीनतम गैजेट्स रखें। ये बताते हैं कि आप जमाने के साथ चलने वाली हैं। इनसे यह भी संदेश मिलता है कि सूचनाओं और संदेशों का आदान-प्रदान आपके लिए जरूरी है, यानी आपकी पोजीशन और काम महत्वपूर्ण हैं।

हमेशा याद रखें- स्त्री होने के कारण अतिरिक्त सुविधाओं और छूट की उम्मीद न रखें। ये मिल तो जाएंगी, पर आपको सिर्फ़ कमजोर महिला समझकर ख़ारिज कर दिए जाने का ख़तरा भी रहेगा, जो आपकी लीडरशिप की राह में सबसे बड़ी बाधा है। लोगों से सहयोग तो लें, लेकिन उन पर आश्रित न हो जाएं।

आलोचकों से न उलझें- आलोचकों पर अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। मशहूर अमेरिकी गायिका बियोंसे नोल्स कहती हैं, 'मैं यह उम्मीद नहीं कर सकती कि मैं जो भी करूं, वह हर किसी को पसंद आए ही।'

गृहक्षेत्र में सद्भाव- अमेरिकी शेयर मार्केट में बड़ी कमाई करने वाली सेली क्रॉचेक की सलाह है- स्त्री सुनिश्चित करे कि पति उसके काम व जिम्मेदारियों को समझ रहा है।

तैयारी करें जहां- पहुंचना चाहती हैं, उसके लिए आवश्यक तैयारी करें। यह हर सफल महिला का मंत्र है। बिना तैयारी के अवसर भी बेकार चले जाते हैं।

वैष्णो देवी जाने वालों को बिना मास्क के यात्रा की इजाजत नहीं

नई दिल्ली । नए साल के मौके पर वैष्णो देवी के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इस बार पिछले 10 सालों का रिकार्ड टूटेगा। क्योंकि यहां रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच रहे हैं। इस साल अभी तक 97 लाख के करीब लोगों ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए हैं। इससे पहले साल 2012 में एक करोड़ श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए थे। इस बीच देश में बढ़ते कोरोना मामलों के देखते हुए श्राइन बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड के अनुसार बिना मास्क के यात्रियों को यात्रा करने की इजाजत नहीं होगी। मां वैष्णो देवी भवन के साथ ही सभी मार्ग यहां तक कि आधार शिविर कटरा में सुरक्षा बलों के साथ ही पुलिस विभाग की अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं इसके अलावा यात्रा की ड्रोन द्वारा भी निगरानी की जाएगी। आज श्रद्धालुओं को विशेष यात्रा कार्ड जारी होगा। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की तरफ से मां वैष्णो देवी की यात्रा करने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को विशेष स्टीकर युक्त आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध करवाएगा। इसके साथ ही भारी भीड़ को देखते हुए भक्तों के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

ममता का कार्यकर्ताओं को संदेश...बुरी ताकतों के सामने नहीं झुकने वाले

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के 27वें स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि उनके कार्यकर्ता किसी भी परिस्थिति में बुरी ताकतों के सामने नहीं झुकने वाले हैं। यह आपके अटूट समर्थन के बल पर है कि हम इस महान लोकतांत्रिक देश में सभी के लिए लड़ना जारी रखने वाले हैं। किसी भी बुरी ताकत के सामने समर्पण नहीं करने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, सभी आतंक के खिलाफ हम अपने देश के आम लोगों के लिए आजीवन संघर्ष जारी रखने वाले हैं। पार्टी महासचिव और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को एक संदेश भेजा, जहां उन्होंने स्थापना के बाद से तृणमूल कांग्रेस की इस यात्रा में उनके समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। सोमवार सुबह पार्टी के मुख्यालय तृणमूल भवन में स्थापना दिवस मनाया गया, जहां तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने अपना झंडा फहराया। इस अवसर पर पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य उपस्थित थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी पार्टी का प्रमुख चेहरा होगी, जबकि महासचिव सहित नेतृत्व केंद्र में सरकार बदलने के लिए आंदोलन का नेतृत्व करेगा।

दिल्ली में कोहरा और खराब वायु प्रदूषण के कारण प्रभावित हुआ जनजीवन

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो वर्तमान के औसत से तीन डिग्री अधिक है। दिल्ली में हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हुई। यात्रियों और सुबह जल्दी उठने वालों को अलग-अलग स्तर की कम विजिबिलिटी का अनुभव हुआ, सुबह 7 बजे के आसपास सफदरजंग में सबसे कम विजिबिलिटी 700 मीटर दर्ज की गई। इस बीच, पालम में 1,100 मीटर की थोड़ी बेहतर विजिबिलिटी थी। हालांकि, दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार में हवा की गुणवत्ता पीएम 2.5 का स्तर 331 और पीएम 10 का स्तर 236 के साथ बहुत खराब श्रेणी में प्रवेश कर गई, जबकि एनओ2 का स्तर 54 पर पहुंच गया और सीओ 74 यानी संतोषजनक पर था। बवाना स्टेशन ने पीएम 2.5 को 325 पर दर्ज किया, जो बहुत खराब श्रेणी में था, जबकि पीएम 10 का स्तर 195 पर पहुंच गया, जो मध्यम श्रेणी में था, जबकि सीओ 50 यानी अच्छे स्तर पर पहुंच गया। द्वारका सेक्टर 8 में एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन में पीएम 2.5 को 373 पर बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि पीएम 10 को 262 या खराब पर दर्ज किया गया, जबकि सीओ 46 पर, अच्छे स्तर पर था। आईटीओ स्टेशन पर एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में था, पीएम 2.5 का स्तर 316 पर और पीएम 10 का स्तर 172 पर, मध्यम श्रेणी में था, जबकि सीओ 41 पर, अच्छे स्तर पर था। ओखला फेज-2 में पीएम 2.5 का स्तर 332 पर, बहुत खराब श्रेणी में और पीएम 10 202 पर, खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 636 नए मामले

नई दिल्ली । भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 636 नए मामले सामने आए और 3 लोगों की मृत्यु हुई है। अभी देश में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 4,394 हैं। दिल्ली में कोरोना के नए वेरिएंट जेएन 1 का एक रोगी मिला है। इसकारण दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एलएनजेपी अस्पताल में मरीजों के लिए 20 बेड आरक्षित हैं। अभी तक अस्पताल में एक भी मरीज की पुष्टि नहीं हुई है। कोरोना के मरीजों के लिए अस्पताल में अलग हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। देहरादून में एक और कोरोना का मामला सामने आया है। इस बार 8 साल का बच्चा कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इससे पहले एक 77 वर्षीय महिला कोरोना पॉजिटिव मिली थी, जिनका इलाज मैक्स हॉस्पिटल में चल रहा है। दोनों कोरोना के मरीजों के सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जा रहा है। कोरोना पॉजिटिव 8 साल के बच्चे को दून अस्पताल में भर्ती किया गया है। बच्चे को सीजनल इंफ्लुएंजा हो गया है। चिकित्सकों के मुताबिक, कोविड और सीजनल इंफ्लुएंजा के लक्षण एक जैसे हैं। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. रावत ने बताया कि शनिवार को इंफ्लुएंजा के पांच संदिग्ध मरीजों की जांच हुई थी। इसमें एक आठ साल के बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दोनों मरीजों की रिपोर्ट पोर्टल पर एक दिन बाद जारी हो रही है।

भारत से पहले बीजिंग की यात्रा करने को तैयार राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू

नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के भारत दौरे से पहले जनवरी में चीन का दौरा करने की संभावना है, जिससे वह नई दिल्ली पहुंचने से पहले बीजिंग पहुंचने वाले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित मालदीव के पहले नेता बन जाएंगे। रिपोर्ट में माले के एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि चीन और मालदीव मुइज्जू की बीजिंग की द्विपक्षीय यात्रा के लिए बातचीत कर रहे हैं, जो कुछ ही हफ्तों में हो सकती है। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू ने अपने बाद के मालदीव के राष्ट्रपतियों को भी चुनौती दी, जिन्होंने भारत को अपने पहले बंदरगाह के रूप में चुना। नवंबर 2023 में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से चीन मुइज्जू की तीसरी विदेश यात्रा होगी। दुबई की यात्रा से पहले उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में पहली बार तुर्की का दौरा किया था। इस बीच, मुइज्जू की चीन यात्रा और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के साथ मुलाकात पर भारत की नजर रहने की उम्मीद है। 2008 में लोकतांत्रिक रूप से चुने गए पहले राष्ट्रपति नशीद के बाद से मालदीव के हर राष्ट्रपति ने पहली बार भारत का दौरा किया था। इस अक्सर भारतीय अधिकारियों द्वारा मालदीव में भारत की प्रमुख स्थिति और बाद में घोषित भारत प्रथम नीति के प्रतीक के रूप में उद्धृत किया गया था। यह लगभग एक दशक के बाद है, मालदीव का कोई राष्ट्रपति चीन का दौरा करेगा। यामीन रणनीतिक रूप से स्थित हिंद महासागर के देश की बीजिंग यात्रा के आखिरी नेता थे। राष्ट्रपति पद के अपने अंतिम वर्ष, 2017 में, यामीन ने देश में भारतीय हितों को लक्षित करने के लिए ओवरटाइम काम किया। यामीन की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने एक गुप्त मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और चीन को सबसे पश्चिमी एटोल में से एक में एक वेधशाला बनाने में सक्षम बनाने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिससे भारत में चिंता पैदा हो गई कि यह चीन को एक महत्वपूर्ण हिंद महासागर शिपिंग का एक सुविधाजनक स्थान प्रदान करेगा। वह मार्ग जहाँ से अनेक व्यापारी और अन्य जहाज गुजरते हैं। मुइज्जू के पूर्ववर्ती इब्राहिम सोलिह भारत समर्थक थे और बीजिंग ने सत्ता में आने के कुछ ही दिनों के भीतर मौजूदा चीन-झुकाव वाले नेता को देश में निमंत्रण देने में कोई समय नहीं लगाया। मुइज्जू के चुनावी वादे भारत से मालदीव से अपनी सेना वापस बुलाने और भारत के साथ 100 से अधिक समझौतों की समीक्षा करने के लिए कहना था। हालाँकि भारत इन भारतीय संपत्तियों के निरंतर संचालन के लिए एक व्यावहारिक समाधान की उम्मीद कर रहा है, मुइज़ू ने सीओपी 28 के मौके पर पीएम मोदी के साथ अपनी बैठक के बाद कहा कि भारत अपने सैनिकों को वापस लेने पर सहमत हो गया है ।क

संसद से पास तीन नए कानून को सुप्रीम कोर्ट में दी गई चुनौती, रोक लगाने की हुई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दंड संहिता में बदलाव लाने के लिए कानून के तीन नए सेटों के अधिनियमन को चुनौती देने वाली एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि उनमें कई ÷खामियां और विसंगतियां÷ हैं। लोकसभा ने 21 दिसंबर को तीन प्रमुख कानून पारित किए थे - भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को विधेयकों पर अपनी सहमति दी। ये नए कानून-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे।

तीनों कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग करते हुए, वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया कि इन्हें बिना किसी संसदीय बहस के अधिनियमित किया गया था क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलंबित थे। याचिका में अदालत से तीन नए आपराधिक कानूनों की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए तुरंत एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि नए आपराधिक कानून कहीं अधिक कठोर हैं और वास्तव में पुलिस राज्य स्थापित करते हैं और भारत के लोगों के मौलिक अधिकारों के हर प्रावधान का उल्लंघन करते हैं। यदि ब्रिटिश कानूनों को औपनिवेशिक और कठोर माना जाता था, तो भारतीय कानून अब कहीं अधिक कठोर हैं क्योंकि ब्रिटिश काल में आप किसी व्यक्ति को अधिकतम 15 दिनों तक पुलिस हिरासत में रख सकते थे। 15 दिनों से लेकर 90 दिनों या उससे अधिक तक का विस्तार, पुलिस उत्पीड़न को सक्षम करने वाला एक चौंकाने वाला प्रावधान है।

भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह कानून के एक नए अवतार में अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों, अलगाववादी गतिविधियों या संप्रभुता या एकता को खतरे में डालने जैसे अपराधों को शामिल किया गया है। नए कानूनों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जानबूझकर या जानबूझकर, बोले गए या लिखे हुए शब्दों के जरिए, या संकेतों के जरिए, या दृश्य प्रतिनिधित्व के जरिए, या इलेक्ट्रॉनिक संचार के जरिए या वित्तीय साधनों के इस्तेमाल के जरिए, या अन्यथा, अलगाव को भड़काता है या उकसाने का प्रयास करता है या सशस्त्र होता है विद्रोह या विध्वंसक गतिविधियाँ, या अलगाववादी गतिविधियों की भावनाओं को प्रोत्साहित करना या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरे में डालना या ऐसे किसी भी कार्य में शामिल होना या करना, आजीवन कारावास या कारावास से दंडित किया जाएगा जिसे सात साल तक बढ़ाया जा सकता है और इसके लिए उत्तरदायी भी होगा।

आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार बोले 22 जनवरी को मस्जिद-मदरसों में करें देश की प्रगति के लिए इबादत

नई दिल्ली । आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने अपील की कि 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से दिन के एक बजे तक जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो, दरगाहों, मदरसों, मकतबों, मस्जिदों में देश की उन्नति, प्रगति, सौहार्द के लिए इबादत करें। शाम को इन स्थानों पर चिराग रोशन करें। इंद्रेश कुमार रविवार को आकाशवाणी के रंगभवन में 'राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर-एक साझी विरासत-कुछ अनसुनी बातें' पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सभी का डीएनए एक है। सभी राम के हैं। नेकां नेता फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि राम हिंदुओं के ही नहीं, हमारे भी हैं। हमने कब इनकार किया है। फारूक आइएनडीआइए को समझाते क्यों नहीं कि इबादत के लिए न्योते की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता छह दिन से 15 दिनों तक पदयात्रा कर अयोध्या पहुंचेंगे। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम राम की भारत को आवश्यकता है। आने वाली नस्लों को चरित्र निर्माण के लिए राम को समझना और समझाना जरूरी है। कहा, मनुष्य सामाजिक प्राणी भर नहीं, उसकी महत्वकाक्षाएं भी हैं। अगर उसके पास आदर्श नहीं है, तो यह बेलगाम हो जाती हैं। इसके चलते संस्कृतियां खराब हुईं। उन्होंने कहा, जी-20 के जरिये हमने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीएचपी के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राममंदिर आंदोलन कभी भी मुसलमानों के विरोध में नहीं था। विशिष्ट अतिथि राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा, राम भारत की एकता का प्रतीक हैं, उन्होंने सिर्फ सेतु निर्माण नहीं किया था, अपने वनवास के दौरान सभी जनजातियों और लोगों को भी जोड़ा था। इससे पहले पुस्तक की लेखिका गीता सिंह और आरिफ खान भारती ने पुस्तक की सामग्री पर विस्तार से चर्चा की।

ओडिशा में किसानों, महिलाओं, युवाओं पर ध्यान केंद्रित करेगी भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए राज्य में किसानों, महिलाओं, युवाओं और छात्रों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। पार्टी के एक नेता ने इसकी जानकारी दी। आगामी चुनावों के लिए रणनीति तैयार करने के वास्ते भाजपा नेताओं की तीन दिवसीय बैठक में इस बारे में फैसला हुआ। उन्होंने बताया कि बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल और सहायक पर्यवेक्षक विजयपाल सिंह तोमर उपस्थित थे।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष ऐश्वर्या बिस्वाल ने बैठक के बाद कहा, हमें लोगों को यह समझाने के लिए कहा गया है कि महिला स्वयं सहायता समूहों को ज्यादातर राशि केंद्र की ओर से दी जाती है, न कि राज्य सरकार की ओर से मिलती हैं। हालांकि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बहुत राशि खर्च की है, लेकिन राज्य की बीजू जनता दल (बीजद) सरकार इसका श्रेय लेती है। हम महिलाओं को इन तथ्यों से अवगत कराएंगे।'' इसके अलावा, महिला मोर्चा ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ ''बढ़ते अत्याचार'' के मुद्दे को भी उठाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी राज्य में बेरोजगारी और काम की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर रुख करने वाले युवाओं के मुद्दे को भी उठाएगी।

भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा, ''अगर भाजपा ओडिशा में सत्ता में आती है, तब चिटफंड कंपनियों द्वारा ठगे गए सभी लोगों को 24 घंटे के भीतर उनकी खून-पसीने की कमाई वापस मिल जाएगी। हम उनका पैसा लौटा देने वाले हैं। हम अध्यादेश लाकर गरीब लोगों को पैसा लौटाएंगे। सामल ने कहा कि भाजपा यह भी सुनिश्चित करेगी कि ओडिशा में किसानों की आय दोगुनी हो और किसानों को मोदी सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों का पूरा लाभ मिले। भाजपा के वादों के जवाब में कांग्रेस ने कहा, हमने देखा है कि कैसे भाजपा सरकार ने काला धन वापस लाकर देश के प्रत्येक परिवार के बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा किए हैं। जनता ने यह भी देखा है कि भाजपा सरकार ने किस तरह युवाओं को रोजगार दिया। भाजपा ने कभी भी अपने वादे पूरे नहीं किये।

इंडियन नेवी ने अरब सागर में बढ़ाई निगरानी, समुद्र में बढ़ते हमलों से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन नेवी ने अरब सागर में निगरानी बढ़ा दी है। दरअसल पिछले कुछ हफ्ते में समंदर में मर्चेंट शिप की सुरक्षा से जुड़ी कई घटनाएं हो चुकी हैं। इन्हें देखते हुए इंडियन नेवी ने सेंट्रल/नॉर्दन अरेबियन सी और ऐडन की खाड़ी में निगरानी बढ़ा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेवी ने अपने टास्क ग्रुप वहां तैनात कर दिए हैं, जिसमें डिस्ट्रॉयर और फ्रिगेट हैं। ये वॉरशिप समंदर में सिक्योरिटी ऑपरेशन को मजबूत करेंगे। साथ ही वहां से गुजर रहे मर्चेंट शिप को किसी सहायता की जरूरत होगी तो, वह भी मुहैया कराएंगे। पिछले दिनों में रेड सी, गल्फ ऑफ ऐडेन और सेंट्रल/ नॉर्दन अरेबियन सी में मर्चेंट शिप की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। इंडियन कोस्ट से करीब 700 नॉटिकल मील दूर लुटेरों ने भी शिप पर हमला किया था। पोरबंदर से साउथ-वेस्ट में 220 नॉटिकल माइकल की दूरी पर एक मर्चेंट शिप पर ड्रोन अटैक हुआ था। यह सब इंडियन इकॉनमिक एक्सक्लूसिव जोन से ज्यादा दूर नहीं था। अब ले?किन इंडियन नेवी ने लंबी रेंज के मेरिटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट की तैनाती भी बढ़ाई है, जिसके जरिए एरियल सर्विलांस (आसमान से नजर रखना) को और मजबूत किया गया है। इस मामले में इंडियन नेवी के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा कि भारत के एक्सक्लूसिव इकॉनमिक जोन में निगरानी को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए नेवी कोस्ट गार्ड के साथ समन्वय में काम कर रही है। साथ ही सभी मेरिटाइम एजेंसी से भी लगातार नेवी संपर्क में है।

एक्सपीओसैट का सफल प्रक्षेपण कर इसरो ने दिया नववर्ष की सौगात

-ब्रह्मांडीय ऊर्जा बैंड 8-30 केईवी में एक्स-रे ध्रुवीकरण मापन जैसे विविध उद्देश्य होंगे साकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने सोमवार सुबह 10 अन्य पेलोड के साथ एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट (एक्सपीओसैट) का सफल प्रक्षेपण कर देशवासियों को नववर्ष का उपहार दिया है। इससे पहले साल 2023 में चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग से देश को गौरांवित किया इसरो के अधिकारियों ने बताया कि एक्सपीओसैट और 10 अन्य वैज्ञानिक पेलोड ले जाने वाले ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान-डीएल (पीएसएलवी-डीएल) के प्रक्षेपण के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती रविवार सुबह 8.10 बजे शुरू हुई जो सुचारु रूप से चल रही है। सुबह 9.10 बजे पीएसएलवी-सी58 कोड वाला भारतीय रॉकेट पीएसएलवी-डीएल संस्करण, 44.4 मीटर लंबा और 260 टन वजनी, आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) के पहले लॉन्च पैड से एक्सपीओसैट के साथ उड़ान भरी। इसके साथ और 10 वैज्ञानिक पेलोड पीएसएलवी ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म पर लगाए गए। अपनी उड़ान के लगभग 21 मिनट बाद, रॉकेट लगभग 650 किमी की ऊंचाई पर एक्सपोसैट की परिक्रमा करेगा। इसके बाद ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म (ओपी) प्रयोगों के लिए 3-अक्ष स्थिर मोड में बनाए रखने के लिए कक्षा को 350 किमी गोलाकार कक्षा में कम करने के लिए रॉकेट के चौथे चरण को दो बार फिर से शुरू किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल -3 (पीओईएम-3) प्रयोग को इसरो और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस) द्वारा आपूर्ति किए गए 10 पहचाने गए पेलोड के उद्देश्य को पूरा करते हुए निष्पादित किया जाएगा।

केजरीवाल को जेल जानें का सता रहा डर, आप कार्यकर्ताओं को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को जेल जाने का डर सता रहा है। क्योंकि उन पर जेल जाने की तलवार लटकी हुई है। कभी भी जांच एजेंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं। ऐसे में नये साल पर केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से रुबरु हुए। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए आगामी डर को भी सामने रखा। सीएसम अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी जन-केंद्रित और कार्य-केंद्रित राजनीति के माध्यम से जनता के बीच लोकप्रियता और स्वीकार्यता हासिल की है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता की भलाई के लिए हमने जो रास्ता चुना है, उसके लिए जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय परिषद की बैठकों में पार्टी नेताओं को वर्चुअली संबोधित करते हुए आप सुप्रीमो ने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी के उन पांच नेताओं पर गर्व है जो कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मामलों में जेल में हैं। अगर आप बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और गरीबों का मुफ्त इलाज करने की बात करेंगे तो आपको जेल जाना पड़ेगा और हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।

गौरतलब है कि दिल्ली के सीएम की टिप्पणी तब आई जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 3 जनवरी को केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश होने के लिए बुलाया है। केजरीवाल ने कहा कि मुझे लगता है कि हम संघर्ष का सामना कर रहे हैं, लेकिन हमें दुखी होने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे पांच नेता जो आज जेल में हैं, वे हमारे नायक हैं। हमें उन सभी पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा कि वह वकीलों के साथ लगातार संपर्क में हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि जेल में रहते हुए भी हमारे सभी नेताओं का हौसला अभी भी बहुत ऊंचा है। आप प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी कुछ ही वर्षों में राजनीति में उभरी है क्योंकि उसने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर अन्य पार्टियों ने ध्यान केंद्रित नहीं किया।

केजरीवाल ने कहा कि हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, महंगाई और रोजगार की बात शुरू की, जो किसी भी पार्टी ने कभी नहीं की। देश में पहली बार लोगों को इन पार्टियों का असली विकल्प मिला और लोगों को काम की राजनीति पसंद आने लगी। उन्होंने कहा कि अगर हम सफल नहीं होते और कुछ अच्छा नहीं करते तो हमारी पार्टी का कोई भी नेता जेल नहीं जाता और आज सभी अपने परिवार के साथ खुश होते। ईडी ने 22 दिसंबर को केजरीवाल को तीसरा समन जारी कर उन्हें 3 जनवरी को पेश होने कहा है।

गुजरात ने वर्ष 2024 के पहले दिन बनाया सामूहिक सूर्य नमस्कार का विश्व रिकॉर्ड

गांधीनगर (एजेंसी)। नव वर्ष के पहले दिन गुजरात में एक साथ 108 जगहों पर कुल 50 हजार से अधिक लोगों ने सामूहिक सूर्य नमस्कार कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भारत का वर्ष 2024 का पहला रिकॉर्ड दर्ज कराने की गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और खेल राज्य मंत्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति में गुजरात राज्य योग बोर्ड की ओर से सोमवार को मेहसाणा जिले के मोढेरा गांव में स्थित प्राचीन सूर्य मंदिर के परिसर में सामूहिक सूर्य नमस्कार का राज्य स्तरीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। खेल, युवक सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग की ओर से सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत एक महीने तक ग्राम, तहसील, जिला, नगर और महानगर स्तर पर राज्यव्यापी सूर्य नमस्कार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मोढेरा में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इन प्रतियोगिताओं के विजेता योग साधकों को पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विशाल संख्या में उपस्थित योग साधकों और सूर्य नमस्कार करने वाले लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में दुनिया भर में भारतीय संस्कृति का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने योग की प्राचीन परम्परा को दुनिया के समक्ष उजागर कर 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कराई और योग साधना के माध्यम से दुनिया को जोड़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि योग, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार जैसी प्राचीन स्वास्थ्यवर्धक व्यायाम एवं कसरत परम्परा व्यक्ति को आध्यात्मिकता के साथ भी जोड़ने वाली अनूठी संस्कृति है। पटेल ने आगे कहा कि दीर्घदृष्टा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी के साथ-साथ पूरी पृथ्वी के हित का विचार किया है।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि सूर्य मंदिर में सूर्य की उपासना और आराधना करने का अनोखा अवसर प्राप्त हुआ है, जो नव वर्ष में नई ऊर्जा और उष्मा के साथ प्रत्येक के जीवन में आनंद और उत्साह का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि आज नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा हुई है। बीमारी के इलाज के बजाय बीमारी हो ही नहीं, ऐसी स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली के लिए लोगों ने योग और सूर्य नमस्कार जैसी क्रियाओं को नियमित रूप से अपनाया है। मुख्यमंत्री ने 'विकसित भारतञ्च2047' के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न को साकार करने के लिए सभी लोगों से योग, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार को और अधिक व्यापक बनाकर अमृत काल में अमृतमय भविष्य के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया।

राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि देश के इतिहास में सामूहिक सूर्य नमस्कार की प्रथम घटना मोढेरा सहित राज्य के 108 स्थानों पर दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि यह सामूहिक सूर्य नमस्कार देश और दुनिया को एक नया दिशा-दर्शन देगा। पूरे राज्य में पिछले एक महीने के दौरान 15 लाख से अधिक नागरिक सूर्य नमस्कार अभियान से जुड़े हैं, जिन प्रतियोगिताओं के माध्यम से आज

राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में हम सभी इस ऐतिहासिक घटना के साक्षी बने हैं। हर्ष संघवी ने कहा कि वर्ष 2024 के पहले दिन राज्य के विभिन्न 51 स्थलों पर विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। 2024 के पहले दिन सामूहिक सूर्य नमस्कार की गुजरात की इस उपलब्धि ने पूरे देश में सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने कहा कि योग भारत की संस्कृति की पहचान है। आज गुजरात योग में रोल मॉडल बन गया है। उन्होंने नए वर्ष में नए संकल्प के साथ सूर्य नमस्कार को अपनाने का अनुरोध किया। उन्होंने टेक्नोलॉजी की व्यस्तता के बीच योग को अपनाकर जीवन को सकारात्मक बनाने की विशेष अपील भी की।

साल के पहले दिन 7.4 तीव्रता के भूकंप से हिला जापान

टोकियो। उत्तर-मध्य जापान में रिक्टर स्केल पर 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद अधिकारियों को उत्तर-पश्चिमी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार, भूकंप इशिकावा और आसपास के प्रांतों में आया, जिसमें से एक की प्रारंभिक तीव्रता 7.4 थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेएमए द्वारा इशिकावा, निगाटा और टोयामा प्रांत के पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप के झटके राजधानी टोक्यो और कांटो क्षेत्र में महसूस किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, सुनामी की चेतावनी के बाद 5 मीटर तक की लहरों की आशंका के कारण लोगों से तटीय क्षेत्रों को जल्दी से छोड़ने और इमारतों के शीर्ष या ऊंची भूमि पर जाने का आग्रह किया गया था। इशिकावा में वाजिमा शहर के तट पर 1 मीटर से अधिक ऊंची लहरें टकराईं। अभी तक किसी नुकसान या हताहत की कोई रिपोर्ट नहीं है। रिपोर्ट में बताया कि होकुरिकु इलेक्ट्रिक पावर ने कहा कि वह अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में किसी भी अनियमितता की जांच कर रहा है।

स्टेज पर लिया महिला मित्र का चुम्बन, विवादों में घिरे राष्ट्रपति माइली

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली शुक्रवार को महिला मित्र फातिमा फ्लोरेज के नए संगीत कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान चुम्बन कर राष्ट्रपति ने अपनी महिला मित्र का अभिवादन किया, जिसका वीडियो दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। यह पहली बार नहीं है जब कपल ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर किस किया है। नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए मतदान खत्म होने के बाद लाइव टेलीविजन पर भी वह कुछ इसी तरह दिखे थे। माइली के साथ

थिएटर में उनकी बहन करीना और उनके सुरक्षा प्रमुख भी शामिल हुए।फ्लोरेज इस दौरान गोल्डेन लियोटार्ड पहने हुए थे। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रपति रात 9.40 बजे रॉक्सी थिएटर पहुंचे। राष्ट्रपति माइली ने कथित तौर पर कार्यक्रम के टिकट के लिए अपनी जेब से भुगतान किया था। इससे पहले स्टेज से लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि अर्जेंटीना के लिए कठिन समय आने वाला है। लेकिन देश को आगे बढ़ना होगा। राष्ट्रपति की महिला मित्र एक लोकप्रिय हास्य कलाकार हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से राष्ट्रपति को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया और कुछ समय बाद उनके साथ चली गईं। अपने तत्कालीन पति से अलग होने के बाद वह राष्ट्रपति से एक टॉक शो में मिली थीं। तब से दोनों एक दूसरे के साथ रिश्ते में हैं। इंटरव्यू के दौरान फातिमा ने मजाक में उनसे कहा था कि आप इस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए बेहद अकेले हैं। अक्टूबर में दोनों फिर टॉक शो में गए, जहां उन्होंने बताया कि वह एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। फातिमा ने कहा, हमने इंस्टाग्राम पर बातचीत शुरू की और काफी समय बाद एक-दूसरे से मिलने लगे। यह बेहद स्वाभाविक तौर पर आया। हम धीरे-धीरे करीब आए। मैं उरुग्वे में थी तब हमने एक दूसरे से बात की। इसके बाद फातिमा ने बताया कि वह फरवरी में अपने जन्मदिन पर आधिकारिक तौर पर पति से अलग हो गईं। अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति की तुलना ट्रंप से की जाती है। उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि देश को आर्थिक शॉक ट्रीटमेंट की जरूरत है।

भारतीय मूल के अमीर दंपति की मौत मामले में जांच में जुटी पुलिस

वाशिंगटन । अमेरिकी पुलिस भारतीय मूल के एक अमीर दंपति और उनकी किशोर बेटी की मौत की जांच में जुटी हुई है। राकेश कमल (57), उनकी पत्नी टीना (54) और उनकी 18 वर्षीय बेटी एरियाना मैसाच्युसेट्स में 50 लाख डॉलर के अपने आलीशान बंगले में मृत पाए गए थे। उनके बंगले में 11 शयनकक्ष और 13 स्नानघर हैं। नोरफॉक के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी माइकल मोरिसे ने घटना को ''घरेलू हिंसा'' करार दिया, क्योंकि राकेश के शव के पास से एक बंदूक बरामद की गई है। पुलिस परिवार के तीन सदस्यों की मौत की जांच कर रही है और घटना की वजह का पता लगा रही है। दस्तावेजों के अनुसार टीना और उनके पति ने 2016 में 'एडुनोवा' कंपनी खोली थी, लेकिन दिसंबर 2021 में यह बंद हो गई। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ने बताया कि इन तीनों के शव तब मिले जब उनका एक परिचित एक या दो दिन से उनसे बात न होने के बाद उनका हालचाल लेने उनके घर पहुंचा।

सेना से मुठभेड़ में आठ उग्रवादी मारे गए

- पाक में दो अलग-अलग घटनाओं में की कार्रवाई

इस्लामाबाद । पाक के सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कम से कम आठ उग्रवादी मारे गए। यह मुठभेड पाकिस्तान में दो अलग-अलग घटनाओं में हुई। पाक सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, खुफिया जानकारी प्राप्त होने के बाद शनिवार और रविवार की दरमियानी रात एक अभियान के दौरान सैनिकों और आतंकवादियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई, जिसमें पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना के मुताबिक, आतंकवादियों के ठिकाने का भी भंडाफोड़ कर हथियार, गोला-बारूद व विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया गया है। सेना ने बताया कि क्षेत्र में छिपे अन्य आतंकवादियों के खात्मे के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बयान के मुताबिक, पाकिस्तान के सुरक्षा बल राष्ट्र के साथ कदम मिलाकर बलूचिस्तान की शांति, स्थिरता और प्रगति को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।आईएसपीआर ने बताया कि एक अलग घटना में खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे तीन उग्रवादियों को मार गिराया गया। सेना ने एक अलग बयान में बताया, ''मुठभेड़ में तीन उग्रवादियों को मार गिराया गया। मारे गए उग्रवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए। बयान के मुताबिक, पाकिस्तान लगातार अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार से सीमा के उसके हिस्से पर प्रभावी सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहता आ रहा है। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने दायित्वों को पूरा करे और पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए आतंकवादियों को अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करने से रोके। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हाल के महीनों में आतंकी हमलों में वृद्धि हुई है।

विरोध के बावजूद....इंडोनेशिया पहुंचे 150 रोहिंग्या शरणार्थी

मेदान । हफ्तों तक समुद्री सफर करने के बाद करीब 150 रोहिंग्या शरणार्थी इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में एक समुद्र तट पर पहुंचे, जिसमें ज्यादातर भूखे और कमजोर महिलाएं और बच्चे हैं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। ग्राम प्रधान मुहम्मद अमीरुद्दीन ने कहा कि 53 पुरुषों, 39 महिलाओं और 55 बच्चों का समूह करंग गादीह समुद्र तट पर पहुंचा। उन्होंने बताया कि एक जर्जर, क्षतिग्रस्त लकड़ी की नाव जो उन्हें बांग्लादेश से लेकर आई थी, गांव से कुछ ही दूरी

पर एक प्रकाश स्तंभ द्वीप के तट पर बंधी हुई थी। लंबी यात्रा के बाद शरणार्थियों में से पांच बीमार हो गए थे और स्थानीय निवासियों ने उन्हें भोजन और पानी दिया। वे उनके आगे का ठिकाना तय करने के लिए आप्रवासन और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का इंतजार कर रहे थे। अमरुद्दीन ने कहा, हमने उनकी मदद की क्योंकि वे भूख और निर्जलीकरण के कारण बहुत कमजोर हो गए थे। लेकिन कई लोग उन्हें हमारे गांव में रहने नहीं देना चाहते क्योंकि वे बाद में केवल समस्याएं ही पैदा करने वाले है। उन्होंने कहा कि शरणार्थियों में से एक ने बताया कि वे बांग्लादेश के कॉक्स बाजार शरणार्थी शिविर से इंडोनेशिया के लिए रवाना हुए और एक प्रकाश स्तंभ द्वीप पर पहुंचे। म्यांमा में सुरक्षा बलों के कठोर उग्रवाद विरोधी अभियान से बचने के लिए लगभग 740,000 रोहिंग्या भागकर बांग्लादेश पहुंचे थे लेकिन वहां स्थिति खराब है जिसकी वजह से वे पलायन कर रहे हैं। इंडोनेशियाई में भी इनका विरोध बढ़ रहा है। छात्रों की भीड़ ने आसेह प्रांत की राजधानी बांदा आसेह में स्थानीय सामुदायिक हॉल पर हमला कर दिया था जहां पर जहां 137 रोहिंग्या ने शरण ले रखी थी।

इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत में नये साल पर जमकर आतिशबाजी हुई।

पाकिस्तान में जेयूआई-एफ प्रमुख फजलुर रहमान के काफिले पर हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बंदूकधारियों ने जेयूआई-एफ प्रमुख फजलुर रहमान के काफिले पर घात लगाकर हमला किया जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के काफिले पर 31 दिसंबर को हमला किया गया। क्योंकि अज्ञात बंदूकधारियों ने डेरा इस्माइल खान में पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) नेता के काफिले पर गोलीबारी की। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बताया कि यह आकलन करना जल्दबाजी होगी कि हमलों का नेतृत्व किसने किया, लेकिन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उन तत्वों की ओर उंगली उठाई जो नहीं चाहते कि 8 फरवरी को चुनाव हों। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय ने भी 29 दिसंबर को खतरे का अलर्ट जारी किया था। शुरुआती जांच से पता चला है कि मौलाना फजलुर रहमान के काफिले की दो गाड़ियां थीं जो ईंधन भरने के लिए यारक टोल प्लाजा पर आई थीं, जबकि टोल प्लाजा पर हमला चल रहा था। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बताया कि एक गोली एक वाहन पर लगी, लेकिन रहमान वाहन में नहीं थे और अब्दुल अपने गांव में थे। उनकी पार्टी के प्रवक्ता आतिफ गौरी ने हमले की निंदा कर तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में उनकी पार्टी के लिए कोई समान अवसर नहीं है।

किम जोंग की हत्या की साजिश कर रहा साउथ कोरिया

-रिपोर्ट में खुलासा- अमेरिका मदद कर रहा, दोनों देशों की सेना ट्रेनिंग भी कर रहीं

सियोल (एजेंसी)। साउथ कोरिया की सेना नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की हत्या की तैयारी कर रही है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक साउथ कोरिया ने स्वीकार किया कि उसकी सेना उत्तर कोरिया के किम जोंग उन की संभावित हत्या के लिए सक्रिय रूप से हत्या अभ्यास (डिकैपिटेशन ड्रिल) कर रही है। साउथ कोरिया के डिफेंस मिनिस्टर ने कहा- नॉर्थ कोरिया का सामना करने के लिए तानाशाह की हत्या एक ऑप्शन है। इसके लिए हमारी सेना ड्रिल कर रही है। इसके अलावा परमाणु हथियारों की तैनाती को भी ऑप्शन में रखा गया है। इसकी तैयारी भी की जा रही है। हत्या अभ्यास में अमेरिकी सेना भी हमारा साथ दे रही है।

दरअसल, 31 दिसंबर को नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने 2024 के लिए अपना एक प्लान बताया था। इसके तहत नॉर्थ कोरिया 2024 में 3

और जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना बना रहा है। नॉर्थ कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक नॉर्थ कोरिया 2024 में और परमाणु हथियार भी बनाएगा। यह खबर सामने आने के बाद साउथ कोरिया के डिफेंस मिनिस्ट ने बयान जारी किया। साउथ कोरिया के डिफेंस मिनिस्टर ने कहा- तानाशाह की हत्या के बारे में खुलकर बात करना संभव नहीं है पर हमारी सेना इसकी ट्रेनिंग कर रही है। इनमें हवाई युद्धाभ्यास, प्रमुख सुविधाओं पर छापे और इनडोर मॉप-अप की तैयारियां की जा रही हैं। यूएस आर्मी स्पेशल फोर्स और हमारी सेना ने दिसंबर में भी ड्रिल की थी।

साउथ कोरिया का साथ क्यों दे रहा अमेरिका

नॉर्थ कोरिया ने मार्च 2023 में पहली बार अपने परमाणु हथियार दुनिया को दिखाए थे। नॉर्थ कोरिया ने अपने परमाणु हथियारों को हवासैन-31 नाम दिया है। न्यूक्लियर एक्सपर्ट्स का मानना है कि नॉर्थ कोरिया के हथियार बेशक छोटे हैं फिर भी इन्हें इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों पर लगाकर अमेरिका और साउथ कोरिया में तबाही मचाई जा सकती है। यही वजह है कि अमेरिका, साउथ कोरिया का साथ दे रहा है।

अमेरिकी राजनीति में उलझे पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के लिए चुनौतीभरा होगा 2024

न्यूयॉर्क। नया साल किसके लिए कैसा होगा ये तो ज्योतिष ही बेहतर बता सकता है। पर इतना जरुर है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चल रहे मुद्दमों की फेहरिश्त देखते हुए लगता है कि उनके लिए 2024 काफी चुनौती वाला होगा। कानूनी शिकंजे में फंसे ट्रंप चुनाव लड़ने के लिए तड़प रहे हैं लेकिन अमेरिका कानून फिलहाल उन्हे अनुमति देता नजर नहीं आ रहा है। हो सकता है कि वे चुनाव लड़ने से वंचित हो जाएं। 2024 में ट्रंप को मतदान से हटाने की मांग करने वाले मुकदमे भी 14 राज्यों में लंबित हैं, जिनमें युद्ध के मैदान एरिज़ोना, नेवादा और विस्कॉन्सिन भी शामिल हैं।और यह संभावना है कि देश की सर्वोच्च अदालत इस पर अंतिम निर्णय लेगी कि ट्रंप मेन और अन्य राज्यों में मतदान में उपस्थित होंगे या नहीं। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है, पूर्व राष्ट्रपति अपने कई कानूनी संकटों के बावजूद अभी भी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन की दौड़ में सबसे आगे हैं, लेकिन उनका अभियान और अदालती कैलेंडर 2024 में तेजी से ओवरलैप होने वाले हैं, जिससे उनके लिए व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए स्वतंत्र रूप से प्रचार करना कठिन हो जाएगा। निचली मैनहट्टन अदालत में ट्रंप के नागरिकों से धोखाधड़ी के मुकदमे में जनवरी की शुरुआत में मामलों में समापन बहस निर्धारित है, जिससे उनके रियल एस्टेट साम्राज्य के भविष्य को खतरा है, जिसने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई और बाद में उन्हें व्हाइट हाउस तक पहुंचाया। न्यूयॉर्क एजी ने एक नागरिक धोखाधड़ी कर मामला लाया है, जिसमें उन पर 250 मिलियन डॉलर के जुर्माने का मुकदमा किया गया है, जबकि पीठासीन न्यायाधीश एंगोरोन ने पहले ही न्यूयॉर्क में व्यापार करने के लिए उनके व्यापार लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। लेकिन एक अपील अदालत ने इसे स्थगित कर दिया। उनके अधिकांश चुनावी तोड़फोड़ के मामले मार्च 2024 में सामने आए जब न्यायाधीश चुटकन के समक्ष वाशिंगटन डीसी जिला अदालतों में वास्तविक सुनवाई शुरू हुई और जॉर्जिया में रीको अधिनियम के तहत फुल्टन काउंटी रैकेटियरिंग मामले की सुनवाई शुरू हुई। न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा लाए गए मुकदमे में न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन का शीर्ष दावा है, उन्होंने फैसला सुनाया कि ट्रम्प और उनकी कंपनी ने अपनी संपत्ति और निवल मूल्य को बड़े पैमाने पर बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके, सौदे करके और ऋण हासिल करके बैंकों, बीमाकर्ताओं और अन्य लोगों को धोखा दिया।मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ट्रम्प ने गलत काम करने से इनकार किया है और कहा है कि वित्तीय दस्तावेजों में वास्तव में उनकी कुल संपत्ति कम बताई गई है।जबकि उनके व्यापारिक सहयोगियों ने उनकी संपत्ति 3.5 बिलियन का अनुमान लगाया था, ट्रम्प का अपना अनुमान 6.5 बिलियन था। धोखाधड़ी के लिए 250 मिलियन डॉलर का हर्जाना भरना ट्रम्प के लिए समुद्र में एक बूंद के समान है, लेकिन न्यूयॉर्क में अपने व्यापार लाइसेंस खोने से एक व्यवसायी के रूप में उनकी विश्वसनीयता, अखंडता और छवि को नुकसान होगा।

लाल सागर में हूतियों से निपटने ब्रिटेन करेगा कार्यवाही

-ईरान के हूती विद्रोहियों के कारण लाल सागर में अवरुद्ध यातायात

लाहौर (एजेंसी)। तेल अवीव (ईएमएस)। ईरान के हूती विद्रोहियों के कारण लाल सागर में अवरुद्ध यातायात के मद्देनजर अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य अभियान में ब्रिटेन के शामिल होने की प्रबध संभावना है। रिपोर्ट में ब्रिटेन सरकार के सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि ब्रिटेन, अमेरिका और संभवतः एक अन्य यूरोपीय देश जल्द ही समुद्र या यमन में हूतियों के खिलाफ एक साथ हवाई हमले शुरू करेंगे।

सूत्र ने कहा कि यूके सरकार की ओर से कोई भी कार्रवाई सीमित लेकिन महत्वपूर्ण होगी। हूती विद्रोही लाल सागर शिपिंग लेन में इजरायल से जुड़े जहाजों पर बार-बार हमला कर रहे हैं। इन्हें ईरान की तरफ से समर्थन मिला हुआ है। हूतियों का कहना है कि वह फिलिस्तीन के समर्थन में हैं और इस कारण इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से इजरायल लगातार गाजा पर बम बरसा रहा है।

लाल सागर दुनिया के प्रमुख व्यापारिक मार्गों में से है। वैश्विक व्यापार का 12 फीसदी इस रास्ते से होता है। हूती विद्रोहियों के खतरे को देखते हुए लाल सागर में अमेरिका को इस महीने की शुरुआत में बहुराष्ट्रीय नौसैनिक टास्क फोर्स स्थापित करना पड़ा। अदन की खाड़ी से लाल सागर में जाने के लिए बेहद पतले बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरना पड़ता है, जहां हूती विद्रोही एक्टिव हैं। लाल सागर से फिर जहाज स्वेज नहर में जाते हैं। यूरोप और एशिया के बाजारों को जोड़ने का यह प्रमुख समुद्री मार्ग है।

हूती विद्रोहियों ने पहले भी हमले किए हैं, जिसके कारण कई जहाज क्षतिग्रस्त हुए। हमलों को देखते हुए कई शिपिंग कंपनियों ने बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य में जहाजों को न जाने का आदेश दिया है। कुछ प्रमुख शिपिंग कंपनिया हूतियों से बचने के लिए पूरे अफ्रीका के निचले हिस्से से अपने जहाजों को भेज रही हैं, जिससे यात्रा का समय और लागत बढ़ रही है। रविवार को अमेरिका ने हूती विद्रोहियों पर कड़ा प्रहार किया। अमेरिका ने हूती विद्रोहियों की तीन नाव डुबो दी, जिसमें 10 की मौत हो गई।

अमेरिका, साउथकोरिया का नामोनिशान मिटाने दें:किम जोंग

-उत्तर कोरियाई नेता ने सेना को दिए आदेश

सियोल (एजेंसी)। अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया उसके खिलाफ उकसावे की कार्रवाई करते हैं तो उनका नामोनिशान मिटा दें। सेना को यह सख्त आदेश दिए है उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने। उक्त जानकारी सरकारी मीडिया ने दी। पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ दल की पांच दिवसीय बैठक में किम ने कहा कि वह इस साल तीन और सैन्य जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण करेंगे, अधिक परमाणु हथियारों का उत्पादन करेंगे और हमला करने वाले ड्रोन तैयार करेंगे। पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह प्रयास भविष्य में अमेरिका पर कूटनीति दबाव बढ़ाने के लिए है। सेना के कमांडिंग अधिकारियों के साथ रविवार को हुई बैठक में किम ने देश के परमाणु हथियारों के संदर्भ में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के खातिर ''सबसे कीमती हथियार'' को हमले के लिए तैयार रखना जरूरी है। जानकारी के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया अगर वे (अमेरिका, दक्षिण कोरिया) उत्तर कोरिया के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई करते हैं तो ''हमारी सेना को बिना हिचकिचाए अपने सभी प्रमुख संसाधनों को जुटाकर उन्हें पूरी तरह से खत्म करने के लिए जवाबी हमला करना चाहिए। संभावना जताई जा रही है कि नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले उत्तर कोरिया द्वारा इस साल हथियारों का परीक्षण में और तेजी लाई जा सकती है।

चुनाव से पहले देश छोड़ सकते हैं पूर्व पीएम नवाज शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते नवाज शरीफ ने 2017 में प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। जुलाई 2018 में, उन्हें लंदन में लक्जरी अपार्टमेंट की खरीद पर 10 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। नवाज के परिवार ने 1999 में स्टील मिलें कैसे स्थापित कीं, इसकी जानकारी पाकिस्तान के आवाम को नहीं देने को लेकर उसी साल दिसंबर में उन्हें सात साल की अतिरिक्त सता सुनाई गई थी। वह चार साल ब्रिटेन के लंदन में स्वत-निर्वासन में रहे। अक्टूबर में नवाज पाकिस्तान लौटे और चुनाव में एक्टीव रूप से हिस्सा ले रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि शरीफ एक बार फिर अपना वतन छोड़ सकते हैं। वरिष्ठ वकील ऐतज़ाज़ अहसन ने हाल ही में दावा किया था कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता नवाज शरीफ आगामी आम चुनाव से पहले एक बार फिर देश छोड़ सकते हैं और विदेशों से चुनाव परिणामों की निगरानी कर सकते हैं।

इनके अलावा, अहसान ने पाकिस्तान चुनाव

आयोग (ईसीपी) और अंतरिम सरकार की आलोचना की और उन पर आगामी चुनावों में नवाज शरीफ के लिए दो-तिहाई बहुमत सुरक्षित करने के लिए काम करने का आरोप लगाया।वरिष्ठ वकील ने पीटीआई और ईसीपी के बीच चल रहे टकराव के बारे में भी चिंता जताई और चुनाव आयोग की प्राथमिकता पर सवाल उठाया और विवादों में उलझने के बजाय चुनाव कराने पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया. अहसान ने विशेष रूप से पीटीआई के चुनाव चिह्न को बहाल करने के पेशावर हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के ईसीपी के फैसले की आलोचना की विशेष पार्टी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया।पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ एक बार फिर देश छोड़ फरार होने की फिराक में हैं। दावा किया जा रहा है कि वह 8 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले ही देश छोड़ सकते हैं। नवाज अक्टूबर 2023 को ही लंदन से लौटे हैं और चुनाव में काफी एक्टीव नजर आ रहे हैं लेकिन इस बीच उनके देश छोड़ने की अटकलों पर बहस छिड़ गई है। नवाज शरीफ एक बार फिर पाकिस्तान छोड़ने की फिराक में हैं। वह चुनाव से पहले देश छोड़ सकते हैं और विदेश में शिफ्ट हो सकते हैं। नवाज भ्रष्टाचार के दोषी हैं लेकिन कोर्ट ने एक अपील पर उनकी दोषसिद्धी और सजा को पलट दिया है और इसलिए वह चुनाव भी लड़ सकते हैं। वह हाल ही में ब्रिटेन निर्वासन से लौटे थे और आम चुनाव में चौथी बार प्रधानमंत्री पद की रेस में थे। इस बीच उनके देश छोड़ने की अटकलों पर पाकिस्तान में बहस छिड़ गई है।

पाकिस्तान में इमरान की राजनीति को खत्म करने में जुटा सैन्य प्रशासन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान एक इसतरह के नेता को खत्म करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इतना ही नहीं यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रकार की रणनीति का उपयोग हुआ है, कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को 8 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में शून्य अंक मिले। कई मामलों में खान पर मामला दर्ज करने और उन्हें अयोग्य ठहराने से लेकर उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छीनने तक, सत्ता प्रतिष्ठान ने जनता को भ्रमित करने के लिए कई तरीके अपनाए हैं। इसके अलावा, सेना ने पुराने नेतृत्व को बहाल कर दिया है और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज नेता नवाज शरीफ को सत्ता से हटाने के रास्ते में खड़ी अधिकांश बाधाओं को हटा दिया है।

धमकियों और जबरदस्ती का सामना कर रही पीटीआई को अपने खिलाफ मौजूदा स्थिति का मुकाबला करने के लिए एक बेहतर चुनावी रणनीति की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय स्तर पर और पंजाब और सिंध जैसे प्रमुख प्रांतों में कार्यवाहक सरकारों को एक नौकरशाही द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर चुनाव पूर्व धांधली और हेरफेर को बढ़ावा देना है। एक परिचित पत्रकार ने यह भी सुझाव दिया कि हम नवाज शरीफ को बधाई दे सकते हैं क्योंकि पीएमएल-एन की जीत कमोबेश सुनिश्चित है। बेशक, बहुमत, गठबंधन की संभावनाओं और पंजाब और अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर नियंत्रण के बारे में विशेष बातें अनिश्चित बनी हुई हैं। पीएमएलएन का अंतिम स्कोर काफी हद तक इस बात पर निर्भर होगा कि शरीफ पार्टी की आंतरिक गतिशीलता, खासकर अपने भाई और बेटी के बीच चल रही प्रतिद्वंद्विता को कैसे प्रबंधित करते हैं।

यह मानकर कि चुनाव सेना की पसंद के मुताबिक होते हैं, तब भी उसके सामने एक समस्या होगी। इमरान खान की लोकप्रियता को कैसे खत्म किया जाए, जो न केवल व्यक्ति के बारे में है, बल्कि उन सभी कारकों के बारे में है जो खान की स्थायी लोकप्रियता में योगदान करते हैं। अधिकतर युवा लोगों की भीड़ में केवल जातीय बलूच शामिल नहीं थे जो महरंग का समर्थन कर रहे थे क्योंकि वह उनका और उनके उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करती थी। वहां सारकी बोलने वाले युवा भी थे। जो चीज उन्हें एक साथ बांधती थी वह गहरी स्थिति के बारे में चिंता थी, जो उन्हें महरंग और उसके कारण के प्रति सहानुभूति रखती है। दक्षिण-पश्चिम पंजाब में युवा भीड़ में राज्य स्थापना के प्रति बड़ी चिंता के कारण खान के प्रति समान भावनाएँ थीं।

खान की लोकलुभावनता को खत्म करना एक कठिन काम है क्योंकि सेना, एक रूढ़िवादी संस्था होने के नाते, बॉक्स के बाहर सोचने में

असमर्थ है। यह अवधारणा करने में असमर्थ कि खान एक राजनीतिक विचार में बदल गया है जिसे अलग तरीके से लड़ने की जरूरत है, दृष्टिकोण उस व्यक्ति को लक्षित करना है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और राज्य के गोपनीयता मानदंडों को तोड़ने के कई मामले उनके समर्थन आधार को यह समझाने के लिए लाए गए हैं कि उनका भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडा खोखला है और वह राज्य की अखंडता के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

हरमप्रीत की कप्तानी में तीसरे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी। भारतीय टीम को पहले दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, इससे उसके हाथ से सीरीज पहले ही निकल गयी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर उसे अब तक लगातार नौ मैच में हार झेलनी पड़ी है और अब वह इस सिलसिले को तोड़ने का पूरा प्रयास करेगी। भारतीय टीम को एकमात्र जीत टेस्ट मैच में मिली थी।

इस मैच में भारतीय टीम की जीत कप्तान हरमनप्रीत के प्रदर्शन पर आधारित रहेगी। वह पिछले दो मैचों में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी थी। इससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने इस सत्र में अब तक सभी प्रारूप में जो आठ पारियां खेली हैं उनमें से केवल तीन पारियों में ही वह बड़ा स्कोर बना पायी है। वह इस दौरान एक बार भी अर्धशतक तक भी नहीं लगा पायी। ऐसे में टीम की बल्लेबाजी प्रभावित हुई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में भी हरमनप्रीत रन नहीं बना पायी थी। पहले मैच में भारतीय गेंदबाज विफल रहे थे और टीम के 282 रन बनाने के बाद भी इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाये थे। वहीं दूसरे मैच में भारतीय टीम अपने कमजोर क्षेत्ररक्षण के कारण हारी थी। उसने कई अहम कैच छोड़े थे। ऐसे में इस मैच में उसे क्षेत्ररक्षण पर ध्यान देना होगा।

दूसरे मैच में रिचा घोष ने शानदार बल्लेबाजी कर भारतीय टीम की ओर से 96 रन बनाये थे। रिचा के अलावा युवा जेमिमा रोड्रिग्स ने भी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी। रिचा अब तक टीम को आक्रामक शुरुआत देने में सफल रही हैं। इस मैच में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं दूसरी ओर अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा को अपना प्रदर्शन सुधारना होगा। पिछले मैच में अच्छी स्थिति में होने के बाद भी वह टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकीं थी।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर पिछले 16 साल से एकदिवसीय में जीत नहीं पायी है और ऐसे में उसे अगर जीत दर्ज करनी है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्नेह राणा के तीसरे मैच में खेलने की पूरी उम्मीदें हैं। स्नेह दूसरे एकदिवसीय में क्षेत्ररक्षण करते समय पूजा वस्त्राकर से टकरा गयी थी पर अब वह ठीक हैं।

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। अब इस मैच को जीतकर उसका लक्ष्य सीरीज में 3-0 से स्पष्ट जीत दर्ज करना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलिसा हीली अब तक रन नहीं बना पायी हैं। ऐसे में टीम को उनसे रनों की उम्मीद रहेगी। अब तक टीम की ओर से फोएबे लीचफील्ड और एलिसे पेरी ने ही तेजी से

नए साल के पहले दिन डेविड वॉर्नर ने किया संन्यास का ऐलान

सिडनी (एजेंसी)। दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने नए साल के पहले ही दिन वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने प्रतिष्ठित सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में पाकिस्तान के खिलाफ खेले जाने वाले अपने विदाई टेस्ट मैच से दो दिन पहले यह निर्णय लिया है। 37 साल के वॉर्नर ने वर्ल्ड कप 2023 के दौरान 50 ओवरों के प्रारूप से संन्यास लेने पर मन बनाया था। वॉर्नर ने कहा कि उन्हें अपनी पत्नी कैंडिस और तीन बेटियों- आइवी, इसला और इंडी को अधिक समय देने की जरूरत है। हालांकि वॉर्नर ने यह भी कहा कि यदि ऑस्ट्रेलिया को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शीर्ष क्रम के बल्लेबाज की जरूरत होगी, तो वह रिटायरमेंट से से वापस आ जाएंगे, जिसकी मेजबानी 2025 में पाकिस्तान को करनी है। वॉर्नर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का नवंबर में भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल उनका 50 ओवरों के प्रारूप में आखिरी मैच था 'मैं निश्चित रूप से एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास ले रहा हूं। वॉर्नर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे पता है कि चैम्पियंस ट्रॉफी आने वाली है और अगर मैं दो साल बाद भी अच्छा क्रिकेट खेलता हूं और उन्हें किसी की जरूरत है, तो मैं उपलब्ध रहूंगा। दुनिया के विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक वॉर्नर के नाम पर वनडे विश्व कप के दो खिताब दर्ज हैं, जिनमें विश्व कप 2023 में भारत के खिलाफ फाइनल की जीत भी शामिल है। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। वॉर्नर ने पिछले विश्व कप में 11 मैच में 48.63 की औसत और 108.29 के स्ट्राइक रेट से 535 रन बनाए, जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं। उनका 163 रनों का उच्चतम स्कोर पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आया था।

वॉर्नर ने 161 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में 45.30 की औसत और 97.26 के स्ट्राइक रेट से 6932 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 22 शतक और 33 अर्धशतक निकले। वॉर्नर ने जनवरी 2009 में होबार्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था और रिकी पोंटिंग, एडम गिलक्रिस्ट, मार्क वॉ, माइकल क्लार्क और स्टीव वॉ के बाद छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। वॉर्नर ने अब तक 111 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 44.58 की औसत से 8695 रन दर्ज हैं।

साल 2024 में भी व्यस्त रहेगा भारतीय टीम का कार्यक्रम

-टीम को खेलने हैं 5 टेस्ट 18 टी-20 और 3 एकदिवसीय

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इस साल भी भारतीय टीम का कार्यक्रम गत वर्ष की तरह ही काफी वयस्त रहने वाला है। भारतीय टीम को इस साल 15 टेस्ट मैच खेलने हैं। वहीं सबसे अधिक 17 टेस्ट इंग्लैंड को खेलने हैं। इसके अलवा भारतीय टीम को जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप में भी खेलना है। भारतीय टीम को इस साल का पहला मुकाबला मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। ये मुकाबला 3 जनवरी से शुरू होगा। इसके बाद भारतीय टीम मई तक अपने घरेलू धरती पर होने वाले मैचों के साथ ही आईपीएल सत्र में भाग लेगी।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलने के बाद टीम स्वदेश में ही अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के बाद भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। ये सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होने के कारण अहम रहेगी। इसके बाद आईपीएल और टी20 विश्वकप में टीम शामिल होगी। टी20 विश्वकप के बाद भारतीय टीम श्रीलंका के दौरे पर 3-3 मैचों की टी20आई और एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। वहीं इसके बाद बांग्लादेश की टीम भारत के दौरे पर आएगी और दोनों के बीच 2 टेस्ट और 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होंगे। इसके बाद भारतीय टीम अपनी ही धरती पर न्यूजीलैंड के साथ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। वहीं साल के अंत में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलने हैं।

ऋषभ पंत को नासिर ने बताया बॉक्स ऑफिस क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की आक्रामक शैली को इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और मौजूदा एक्सपर्ट नासिर हुसैन मुरीद हैं। पिछले साल ऋषभ पंत की कार का एक्सीडेंट हो गया था जिसमें उन्हें काफी चोट आई थी। उनके घुटने की सर्जरी भी हुई थी। इस कारण पंत पिछले एक साल से क्रिकेट से दूर चल रहे हैं, हालांकि वह लगातार अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि वह आईपीएल 2024 के जरिए क्रिकेट की फील्ड पर वापसी करेंगे। नासिर हुसैन ने ऋषभ पंत को बॉक्स ऑफिस क्रिकेटर बताया है।

न्यूजीलैंड वर्सेस बांग्लादेश टी 20 सीरीज हुई ड्रॉ, मेजबानों ने जीता आखिरी मुकाबला

आईसीसी से नासिर हुसैन ने ऋषभ पंत के कार एक्सीडेंट को लेकर कहा, वह बहुत गंभीर दुर्घटना थी। पूरी दुनिया की सांसें रुक गईं थी और इसमें धीमी गति से सुधार हुआ है। नासिर हुसैन कि वह सोशल मीडिया पर ऋषभ पंत की रिकवरी को फॉलो कर रहे थे, वहीं एशेज सीरीज के दौरान जब वह एक बार रिकी पोंटिंग के साथ ट्रैवल कर रहे थे तो हुसैन ने देखा कि पोंटिंग पंत की प्रगति का अपडेट ले रहे थे।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा आप सोशल मीडिया पर उसे फॉलो करते हैं, मेरे फोन में और शुरुआती कदमों से लेकर जिम में चलने के दृश्य और फिर उनके कुछ क्रिकेट खेलने के दृश्य, रिकी (पोंटिंग) के साथ उनके दृश्यों को फॉलो करते हैं। मैंने एशेज में गर्मियों में रिकी के साथ ट्रैवल किया था और रिकी उसे मैसेज भेज रहा था प्रगति कैसी चल रही है, और वह एक बॉक्स ऑफिस क्रिकेटर है।

ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने लिमिटेड ओवर क्रिकेट में विकेट कीपर की शानदार भूमिका निभाई है, वहीं वह अब टेस्ट क्रिकेट में भी हाथ आजमा रहे हैं। राहुल ने भारत को पंत की कमी महसूस नहीं होने दी, मगर हुसैन का मानना है कि पंत चोटिल होने से पहले भी बॉक्स ऑफिस पर थे और

वापसी के बाद भी वह बॉक्स ऑफिस पर बने रहेंगे।

हुसैन ने कहा, भारत ने उनके (पंत) बिना अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि केएल आए हैं और सभी प्रारूपों में शानदार रहे हैं। वे (राहुल) शानदार तरीके से खेलना आगे भी जारी रखेंगे। वे (भारत) भाग्यशाली हैं कि उनके पास राहुल और पंत जैसे खिलाड़ी हैं, लेकिन ऋषभ पंत अपनी चोट से पहले भी बॉक्स ऑफिस पर थे, और उम्मीद है कि उनकी चोट के बाद भी, बॉक्स ऑफिस पर बने रहेंगे।

राहुल जैसा कप्तान मिलने से अपने को भाग्यशाली मानता हूं : लैंगर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच जस्टिन लैंगर ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर तारीफ की है। लैंगर ने राहुल को अच्छा दिखने वाला खिलाड़ी बताया। राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान भी हैं। लैंगर ने कहा कि अपनी टीम के लिए राहुल जैसा कप्तान मिलने से भी वह अपने को भाग्यशाली मानते हैं। लैंगर ने कहा कि जब वह ऑस्ट्रेलियाई कोच तब भारतीय टीम के खिलाफ मैच में वह तब तक आराम नहीं करते थे जब तक कि राहुल आउट न हो जायें। साथ ही कहा कि राहुल जितने अच्छे दिखते हैं उनकी बल्लेबाजी भी उतनी ही अच्छी है।

यूनाइटेड कप : नोवाक जोकोविच ने सर्बिया को दिलाई चीन पर जीत

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। नोवाक जोकोविच ने पर्थ में एक दशक के बाद पहला मैच खेलते हुए यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में सर्बिया को चीन पर 2-1 से जीत दिलाई। जोकोविच ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के इस शहर में इससे पहले अपना अंतिम मैच 2013 में होपमैन कप में खेला था। जोकोविच ने एकल मैच में झांग झिझेन को 6-3, 6-2 से हराया और फिर ओल्गा डेनिलोविच के साथ मिलकर निर्णायक मिश्रित युगल में झेंग क्विनवेन और झांग के खिलाफ 6-4, 1-6, 10-6 से जीत दर्ज की। झेंग ने इस बीच डेनिलोविच को 6-4, 6-2 से हराकर चीन को बराबरी दिलाई थी। चीन ने अपने पहले मुकाबले में चेक गणराज्य को 3-0 से हराया था लेकिन अब सर्बिया भी ग्रुप ई से आगे बढ़ने की दौड़ में शामिल हो गया है।

हमें निलंबन मंजूर नहीं, न ही एडहॉक कमेटी, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप करवाएंगे : संजय सिंह

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती पर छाए संकट के बादल हटने का नाम नहीं ले रहे और अब निलंबित डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने सोमवार को कहा कि वे एडहॉक समिति या खेल मंत्रालय द्वारा लगाए गए निलंबन को नहीं मानते और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन करेंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव के तीन दिन बाद ही मंत्रालय ने महासंघ को निलंबित कर दिया। सरकार के अनुरोध पर भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) ने तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया जिसके अध्यक्ष भूपेंदर सिंह बाजवा होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में पूर्व हॉकी खिलाड़ी एम एम सोमाया और पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी मंजूषा कंवर हैं। तदर्थ समिति ने सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2 से 5 फरवरी को जयपुर में कराने का ऐलान किया है। संजय ने कहा कि हमारा चुनाव लोकतांत्रिक ढंग से हुआ है। निर्वाचन अधिकारी ने कागजों पर दस्तखत किए जिसे वे कैसे अनदेखा कर सकते है। हम इस तदर्थ समिति को नहीं मानते। यह पूछने पर कि राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कैसे होगी, उन्होंने कहा कि हम इस निलंबन को नहीं मानते। डब्ल्यूएफआई अच्छे से काम कर रही है। तदर्थ समिति राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन कैसे करेगी अगर हमारे प्रदेश संघ टीमें ही नहीं भेजेंगे। हम जल्दी ही अपनी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन करेंगे। हम जल्दी ही कार्यकारी समिति की बैठक बुलाएंगे। इसका नोटिस एक या दो दिन में भेज दिया जाएगा।

नीरज चोपड़ा के बाद किशोर जेना और डीपी मनु एआईयू के आरटीपी में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना और डीपी मनु को भी ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के साथ वैश्विक ट्रैक एवं फील्ड की डोपिंग रोधी निगरानी संस्था एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल कर दिया गया है।

मौजूदा विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा पिछले कुछ समय से आरटीपी में शामिल हैं लेकिन जेना और मनु को पहली बार इसमें शामिल किया गया है जिससे भाला फेंक में विश्व स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों के दबदबे का पता चलता है। जेना हंगरी के बुडापेस्ट में

आयोजित विश्व चैंपियनशिप 2023 में पांचवें जबकि मनु छठे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

भारत के तीन खिलाड़ियों का शीर्ष छह में शामिल होना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत के अब सात खिलाड़ी एआईयू के आरटीपी में शामिल हो गए हैं। 3000 मीटर स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, महिला भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी और लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर और जेसविन एल्ड्रिन इस सूची में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं।

आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को प्रत्येक तिमाही में अपने ठहरने के स्थान की जानकारी देनी होती है। इसमें घर का पता, ईमेल, फोन नंबर, अभ्यास स्थल, प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम और उनका आयोजन स्थल शामिल है।

नाओमी ओसाका की मां बनने के बाद कोर्ट पर सफल वापसी

ब्रिस्बेन। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने मां बनने के बाद टेनिस कोर्ट पर सफल वापसी करते हुए सोमवार को यहां ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के पहले दौर में जीत दर्ज की। जर्मनी की तमारा कोरपात्श के खिलाफ ओसाका दूसरे सेट में 5-3 पर मैच के लिए सर्विस कर रही थी लेकिन उन्होंने अपनी सर्विस गंवा दी। यह सेट आखिर में टाइब्रेकर तक खिंचा जिसमें ओसाका ने 6-3, 7-6 (9) ने जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियाई ओपन और अमेरिकी ओपन की पूर्व विजेता ओसाका गर्भवती होने के कारण पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गई थी। जुलाई में उन्होंने बिटिया को जन्म दिया था। ओसाका ने मैच के बाद कहा, 'पूरे मैच के दौरान मैं वास्तव में काफी नर्वस थी। मैं सभी दर्शकों का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया।' ओसाका अगले दौर में विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में तीन बार की चैंपियन कैरोलिना प्लिस्कोवा से भिड़ेंगी। लगातार बारिश के कारण बाहरी कोर्ट पर होने वाले मैच स्थगित करने पड़े। मुख्य कोर्ट पर छत होने के कारण उसी पर मैच संभव हो पाए। पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त होल्गर रूने ने ऑस्ट्रेलिया के मैक्स परसेल को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया, लेकिन पिछले साल अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अमेरिका के 21 वर्षीय खिलाड़ी और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को रोमन सफीउलिन से 6-3, 6-7 (5), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। मेलबर्न में 14 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी के सिलसिले में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल काफी महत्व रखता है।

पुजारा और रहाणे रणजी ट्रॉफी की तैयारियों में लगे

मुम्बई। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे आजकल रणजी ट्रॉफी की तैयारियों में लगे हैं। इन दोनो को ही खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। जिसके बाद से ही अब इनकी वापसी असंभव नजर आती है। ऐसे में अब ये दोनो घरेलू क्रिकेट ही खेल रहे हैं। इन दोनो की सोशल मीडिया पर बल्लेबाजी अभ्यास वाली एक वीडियो आई है। पुजारा सौराष्ट्र की ओर से रणजी में खेलते हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी। पुजारा को अंतिम बार इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अवसर मिला था। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भी जगह नहीं मिली थी। माना जा रहा है कि अब चयनकर्ता उनके नाम पर विचार नहीं करेंगे क्योंकि भविष्य को देखते हुए युवाओं को अवसर देना है। पुजारा हालांकि अभी भी अपने को मैच फिट बनाए हुए हैं। एक क्लिप में उन्हें रक्षात्मक स्ट्रोक खेलते हुए देखा जा सकता है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने पुजारा और रहाणे को टीम से बाहर करने पर सवाल उठाये थे। उनका कहना था कि अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा ने विदेशी हालातों में हमेश शानदार प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि पुजारा टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं और उन्होंने कई टेस्ट मैच में टीम को हार से बचाया है। साथ ही कहा कि रहाणे का प्रदर्शन भी विदेशी धरती पर शानदार रहा है।

दूसरे टेस्ट से पहले दक्षिण अफ्रीका को झटका, धारदार गेंदबाज हुआ बाहर

नई दिल्ली। केपटाउन में भारत बनाम साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला आगामी 3 जनवरी से शुरू होगा। मेजबान टीम को इसके पहले बड़ा झटका लगा है। चोट की वजह से टीम के स्टार तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी सीरीज के दूसरे मैच से बाहर हो गए हैं। यह जानकारी क्रिकेट साउथ अफ्रीका की ओर से दी गई है। अपने एक आधिकारिक बयान में कहा कि 23 वर्षीय गेराल्ड कोएत्जी को सीरीज के पहले मैच के तीसरे दिन गेंदबाजी करते में पेल्विक में परेशानी महसूस हुई थी। वह अब और भी खराब हो गई है। शुक्रवार को उनका स्कैन कराया गया जिसमें चोट की गंभीरता का पता चला है। इसमें कहा गया है कि मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने एहतियात के तौर पर कोएत्जी को दूसरे के दौरान टीम से बाहर करने का फैसला किया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने 3 जनवरी से शुरू होने वाले टेस्ट क्रिकेट के लिए गेराल्ड कोएत्जी का विकल्प नहीं चुनने का फैसला किया है। क्योंकि टीम में तेज गेंदबाजी विकल्प के रूप में कैगिसो रबाडा, मार्को जानसन और नांद्रे बर्गर के अलावा, दक्षिण अफ्रीका के पास लुंगी एनगिडी और वियान मुल्डर के रूप में अन्य तेज गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट के शुरुआती दिन ही बाएं हैमस्ट्रिंग की वजह से कप्तान तेम्बा बावुमा को खो दिया था। इस दैरान जुबैर हमजा को उनके रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया था। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले अपने अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व करेंगे। दूसरे टेस्ट में प्रोटियाज की कप्तानी अनुभवी सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर करेंगे, जिन्होंने सेंचुरियन में 185 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी।

सिमरनजीत और रजनी करेंगे एफआईएच हॉकी 5 विश्वकप में भारतीय पुरुष और महिला टीम की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिमरनजीत सिंह और रजनी इतिमारपु मस्कट में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी 5 विश्वकप में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे। एफआईएच हॉकी में 24 से 27 जनवरी तक पुरुषों के मुकाबले जबकि 28 जनवरी से 31 जनवरी तक महिलाओं के मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें कुल 16 टीमें शामिल रहेंगी।

हॉकी इंडिया के अनुसार इस दौरे के लिए दोनो ही टीमें घोषित कर दी गयी हैं। साथ ही कहा कि भारतीय महिला टीम की कमान रजनी इतिमारपु के पास रहेगी, वहीं उपकप्तान डिफेंडर महिमा चौधरी को बनाया गया है। दूसरे गोलकीपर तौर पर बंसारी सोलंकी और डिफेंडर के रूप में अक्षता अबासो ढेकाले और ज्योति छत्री को रखा गया है। मिडफील्डरों के लिए मारियाना कुजूर और मुमताज खान को जगह मिली है जबकि अजमीना कुजूर, रुताजा दादासो पिसल और दीपिका सोरेंग को फारवर्ड के रूप में रखा गया है।

भारतीय महिला टीम को इस टूर्नामेंट में नामीबिया, पोलैंड और अमेरिका के साथ पूल सी में रखा गया है। वहीं पूल ए में फिजी, मलेशिया, नीदरलैंड और मेजबान ओमान हैं जबकि पूल बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन और जाम्बिया हैं और पूल डी में न्यूजीलैंड, पराग्वे, थाईलैंड और उरुग्वे को रखा गया है।

टीम के कोच सौंदर्या ने टीम चयन की प्रशंसा करते हुए कहा, 'टीम में युवा खिलाड़ी शामिल हैं जिनके पास काफी अच्छा अंतरराष्ट्रीय अनुभव है और इस बड़े आयोजन में खेलने के लिए वे पूरी तरह से तैयार भी है।

वहीं पुरुष टीम की कप्तानी अनुभवी फारवर्ड सिमरनजीत सिंह जबकि उपकप्तानी डिफेंडर मनदीप मोर संभालेंगे। टीम में गोलकीपर सूरज करकेरा और प्रशांत कुमार चौहान के अलावा डिफेंस में मंजीत के साथ मंदीप मोर को भी शामिल किया गया है। वहीं मिडफील्ड में मोहम्मद राहील मौसीन और मनिंदर सिंह हैं जबकि फारवर्ड के तौर पर कप्तान सिमरनजीत के साथ पवन राजभर, गुरजोत सिंह और उत्तम सिंह शामिल हैं।

भारतीय टीम को पूल बी में जगह मिली है और वह नॉकआउट दौर में जगह बनाने के लिए मिस्र, जमैका और स्विट्जरलैंड का सामना करेगी। पूल ए में नीदरलैंड, नाइजीरिया, पाकिस्तान और पोलैंड हैं और पूल सी में ऑस्ट्रेलिया, केन्या, न्यूजीलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो हैं जबकि पूल डी में फिजी, मलेशिया, ओमान और अमेरिका शामिल हैं। टीम के बारे में कोच सरदार सिंह ने कहा, 'हमने हॉकी के इस रोमांचक प्रारूप के लिए युवाओं और अनुभव

के साथ एक बहुत ही संतुलित टीम चुनी है। इस टीम में कई अच्छे खिलाड़ी है जिससे हमें टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

सलमान खान के सामने कबूल की यह बात

मुनव्वर को पसंद करती है मनारा, किया प्यार का हजहार

सलमान खान होस्टेड रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 17 में आयशा खान की एंट्री होते ही जैसे मुनव्वर फारुकी और मन्नारा चोपड़ा की दोस्ती को ग्रहण सा लग गया। आयशा खान की एंट्री के साथ ही मुनव्वर फारुकी शो के सबसे चर्चित कंटेस्टेंट बन गए। हर कोई उनकी पर्सनल लाइफ में चल रही उठापटक के बारे में अपडेट करना चाहता था। आयशा चाहती थीं कि नेशनल टेलीविजन पर मुनव्वर उनसे माफी मांगें। इस बीच मन्नारा कई बार आयशा खान से झगड़ लीं और इसमें मुनव्वर भी कुछ मौकों पर बीच में आ गए।

आयशा क्यों करती हैं मन्नारा से बातचीत?

सलमान खान ने जब घरवालों से बातचीत की तो सेंटर स्टेज में मुनव्वर फारुकी का रिलेशनशिप स्टेटस ही रहा। एक तरफ जहां सलमान खान ने आयशा खान को उनके रवैये के लिए लताड़ा और कहा कि वह आखिर क्यों मुनव्वर के पीठ पीछे जाकर मन्नारा चोपड़ा से बात करने की कोशिश करती हैं। सलमान खान ने मुनव्वर फारुकी को भी ट्रैक पर लाने की कोशिश की और मन्नारा चोपड़ा से भी बातचीत की।

सलमान खान के सवालों में फंसीं मन्नारा?

बिग बॉस सीजन 17 में मन्नारा चोपड़ा को कई बार गाइड कर चुके सलमान खान ने उनसे कहा, अगर तुम्हें मुनव्वर पसंद है तो है। और मन्नारा ने जवाब दिया, हां। तब समर्थ जुरियल और ईशा मालवीय ने मन्नारा से पूछा कि क्या वह मुनव्वर को पसंद करती है? तो जवाब में उन्होंने कहा कि उस तरह नहीं। तब सलमान खान ने कहा कि हर किसी को दिख रहा है कि वो मुनव्वर को पसंद करती है।

मुनव्वर को पसंद करती हैं मन्नारा चोपड़ा?

अंकिता लोखंडे ने सलमान खान की बात पर सहमति जताते हुए हां में सिर हिलाया। सलमान खान ने कहा कि वह समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर क्यों वो जबरन की वजहें देकर इन सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। तब मन्नारा चोपड़ा ने स्वीकार किया और कहा, एक मोमेंट ऐसा था जब मैं भी समझ नहीं पा रही थी कि मुझे क्या हो रहा है। काफी देर तक चली बातचीत में जब मन्नारा को चारों तरफ से घेरा गया तो उन्होंने माना कि वह मुनव्वर को पसंद करती हैं, हालांकि वह इस बात पर राजी नहीं हुई कि वो उनसे प्यार करती हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी संग इंटीमेट सीन करके पछतावा हुआ

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पॉपुलर वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' हिटी सीरीज में से एक रही है। इसमें सभी एक्टर्स की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है फिर चाहे वो नवाजुद्दीन सिद्दीकी रहे हों या फिर सैफ अली खान। फिल्म में कई इंटीमेट सीन भी फिल्माए गए हैं, जिसमें से एक नवाज और 41 साल की एक्ट्रेस राजश्री देशपांडे पर था। इस वेब शो में इंटीमेट सीन करने के बाद एक्ट्रेस को 'पोर्न एक्टर' का टैग मिल गया गया था। ऐसे में अब राजश्री ने इस पूरे मामले पर रिएक्शन दिया है। उन्हें इस पर पछतावा हुआ है। दरअसल, राजश्री देशपांडे ने हाल ही में जूम के साथ खास बातचीत की और इस दौरान उन्होंने इंटीमेट सीन्स और लोगों के द्वारा की गई गलत हरकत पर रिएक्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि 'सेक्रेड गेम्स' में उनके इंटीमेट सीन्स सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। उनके सीन्स ना केवल वायरल हुए थे बल्कि उनके साथ छेड़छाड़ भी की गई थी और फिर उन्हें इंटरनेट पर शेयर किया गया था। एक्ट्रेस ने बताया कि इसके बाद उन्हें वैसी ही फिल्में ऑफर होने लगी थी। उन्हें लेकर कई कहानियां भी लिखी गईं।

अनुराग कश्यप-नवाजुद्दीन सिद्दीकी से नहीं किया सवाल- राजश्री

राजश्री देशपांडे ने इन सब मामलों को लेकर कहा कि उन्होंने ही केवल ये सीन शूट नहीं किया था। बल्कि उसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी शामिल थे। उन्होंने आगे कहा कि इसे डायरेक्टर अनुराग कश्यप डीओपी में शामिल थे। उनसे किसी ने भी कुछ नहीं पूछा। एक्ट्रेस का मानना है कि किसी ने भी उन लोगों से नहीं पूछा कि उन्होंने इस सीन को क्यों शूट किया? या फिर एडिटर से नहीं कहा गया कि इस पर कट लगा देना चाहिए था। वो कहती हैं कि जो कुछ भी उस पर रोना नहीं चाहती हैं। बल्कि वो इस सीन को करने के दौरान कंफर्टेबल रहीं। उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्हंने सीरीज में सुभद्रा का रोल प्ले किया था। राजश्री ने सोसायटी पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारी सोसायटी में सबसे दुर्भाग्य की बात यही है कि यहां पीरियड्स तक पर बात नहीं की जाती। फिर सेक्स को तो भूल ही जाएं।

राजश्री देशपांडे की प्रोफेशनल लाइफ

बहरहाल, अगर राजश्री देशपांडे के बारे में बात की जाए तो वो महाराष्ट्र से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'तलाश' में एक छोटी सी भूमिका निभाकर की थी। बाद में वो टीवी में चली गई थी। इसमें 'कुछ तो लोग कहेंगे' और '24 इंडिया' जैसे शोज शामिल हैं। इतना ही नहीं वो सलमान खान की 'किक' में भी छोटी सी भूमिका में दिखाई दे चुकी हैं। इसके अलावा भी एक्ट्रेस कई प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

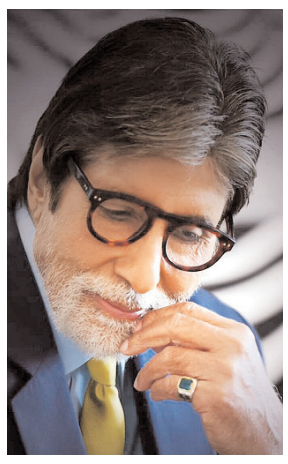

अमिताभ बच्चन ने किराए पर दिया अपना ओशिवारा वाला ऑफिस, अब घर बैठे करोड़ों कमाएंगे बिग बी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपनी पहचान के लिए किसी परिचय के मोहताज नही हैं। फिल्मों में एक्टिंग के अलावा वह अपनी वसीयत को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। अब हाल ही में खबर सामने आई है कि अमिताभ ने अपना मुंबई में ओशिवारा वाला ऑफिस रेंट पर दे दिया है। वही प्रॉपर्टी जिसे उन्होंने इसी साल खरीदा था। अब ऐसे में इस ऑफिस के रेंट से वह करोड़ों रुपए कमाएंगे। बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन का ये ऑफिस करीब 10 हजार वर्ग फीट का है। एक्टर ने ये प्रॉपर्टी वार्नर म्यूजिक इंडिया लिमिटेड को 2.07 करोड़ रुपये के सालाना किराए पर 5 साल के लिए रेंट पर दी है। किराए के अलावा उन्होंने 1.03 करोड़ रुपए सिक्योरिटी के तौर पर लिए हैं। बता दें कि अमिताभ बच्चन ने इस प्रॉपर्टी को इसी साल अगस्त में 7.18 करोड़ रुपये में खरीदा था। जब एक्टर ने ये प्रॉपर्टी खरीदी थी तो उन्होंने इसके लिए नवंबर में 2.88 लाख रुपए की स्टैम्प ड्यूटी भी चुकाई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ बच्चन 3,190 करोड़ की प्रॉपर्टी के मालिक हैं। उनके पास कई आलीशान बंगले हैं। हाल ही में उन्होंने अपना प्रतीक्षा नामक बंगला अपनी बेटी श्वेता के नाम कर दिया था।

गीतकार जावेद अख्तर ने रचा इतिहास, डंकी के एक गाने के लिए ली इतनी मोटी रकम

इस साल सुपरस्टार शाहरुख खान की तीन फिल्में रिलीज हुई। एक के बाद एक दो ब्लॉकबस्टर देने के बाद किंग खान की हालिया रिलीज डंकी भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी के साथ-साथ इसके गाने भी लोगों को खूब भा रहे हैं। इस लिस्ट सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला गाना निकले थे कभी हम घर से है, जो फिल्म के सबसे आखिर आता है। इस गाने को दिग्गज गीतकार जावेद अख्तर ने लिखा है, लेकिन क्या आप जानते हैं?

इसे लिखने के लिए उन्होंने कितने पैसे लिए। चलिए हम आपको बताते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म डंकी के निकले थे कभी हम घर से गाने को लिखने के लिए जावेद अख्तर ने जितने पैसे चार्ज किए, वो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आज तक हिंदी सिनेमा किसी भी गीतकार को सिर्फ एक गाने को लिखने के लिए इतने पैसे नहीं मिले। बताया जा रहा है कि उन्होंने इसे लिखने के लिए 25 लाख रुपये लिए। वहीं, चर्चा ये भी है कि शुरुआत में जावेद अख्तर ने राजकुमार हिरानी के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन बाद में कुछ शर्तों के बाद इस गाने को लिखने के लिए तैयार हुए।

हाल ही में गीतकार जावेद अख्तर ने एक शो में खुलासा किया कि वे इसे गाने को लिखने के लिए क्यों तैयार हुए। उन्होंने कहा, मैं आमतौर पर फिल्म में सिर्फ एक गाना नहीं लिखता। राजू हिरानी साहब ने मुझसे सिर्फ एक गाने के बोल लिखने को कहा। मैंने मना कर दिया, लेकिन उन्होंने जोर दिया और कहा, ये गाना आपके अलावा कोई नहीं लिख सकता। इसके बाद मैंने उनके सामने कुछ शर्तें रखीं और फिर इसे लिखा। जावेद अख्तर ने आगे कहा, बिना पलक झपकाए वे उन शर्तों को मान गए। ये मेरा कमाल नहीं है, ये कमाल है राजू हिरानी का, जिनके पीछे 5 सुपर-डुपर हिट फिल्में थीं, उसको समझ थी कि ये गाना मुझे इस आदमी से मिलेगा। अहंकार उन पर हावी नहीं हो रहा था, बल्कि अपनी फिल्म के प्रति उनका प्यार उन पर हावी था। उन्हें सलाम है! वहीं, एक साक्षात्कार में राजू हिरानी ने पहली बार एक लव स्टोरी लिखने के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, फिल्म में शाहरुख की मुख्य भूमिका में होने के कारण मुझे नहीं लगता कि आप इससे बच सकते हैं। डंकी शुरुआत में गैरकानूनी रूप से विदेश जाने वाले लोगों के बारे में थी, लेकिन जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ने लगी तो यह एक प्रेम कहानी बन गई। क्योंकि, हमें फिल्म में 25 साल का सफर दिखाना था कि जब लोग अलग हो जाते हैं, तो उनका क्या होता है। इस तरह यह फिल्म एक लव स्टोरी बन गई। हालांकि, यह इसका मकसद नहीं था।

रणबीर की एनिमल ने हासिल किया खास मुकाम

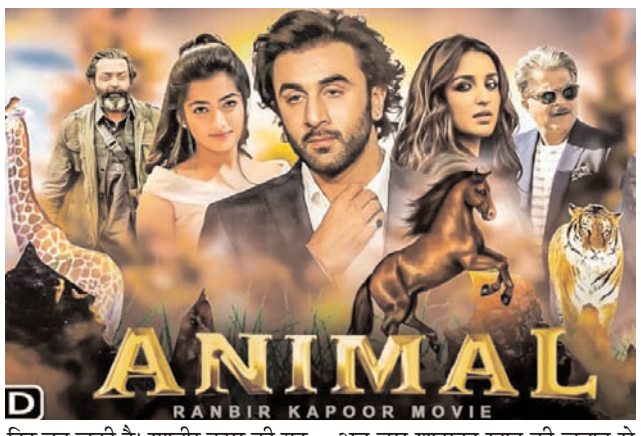

रणबीर कपूर की इस फिल्म ने शाहरूख खान की पठान को कमाई के मामले में पछाड़ दिया है। पठान की कुल कमाई 543. 09 है। वहीं, एनिमल ने अब तक 543. 22 करोड़ की कमाई कर ली है। रणबीर कपूर की एनिमल ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने कमाई के मामले में अब पठान को पीछे छोड़ दिया है। रिलीज से पहले किसी ने भी यह सोचा नहीं था कि ए सर्टिफिकेट वाली फिल्म इतनी बड़ी हिट हो जाएगी। जिस दिन एनिमल रिलीज हुई थी, उसी दिन बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर ने भी सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, लेकिन एनिमल की आंधी के सामने कोई भी फिल्म टिक नहीं पाई।

पठान को पछाड़ नंबर दो पर पहुंची एनिमल

एनिमल अपनी रिलीज के 30 दिन बाद साल 2023 की दूसरी सबसे बड़ी हिट बन चुकी है। रणबीर कपूर की यह फिल्म शाहरूख खान की पठान को कमाई के मामले में आगे निकल चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पठान की कुल कमाई 543. 09 है। वहीं, एनिमल ने अब तक 543. 22 करोड़ की कमाई कर ली है। कलेक्शन के मामले में यह अब बस शाहरुख खान की जवान से पीछे है।

जवान अब भी 640 करोड़ की कमाई के साथ नंबर वन पर बनी हुई है। जवान में शाहरुख खान के साथ साउथ स्टार नयनतारा नजर आई थीं। इस फिल्म में देशभक्ति के एक अलग रंग को दिखाया गया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

एनिमल के सभी स्टार्स की किस्मत चमकी

फिल्म एनिमल में जहां रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना की मुख्य भूमिका थी वहीं, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी छोटे-छोटे रोल में दिखाई दिए थे। इस फिल्म ने बॉबी देओल को एक नई पहचान दिलाई है। लोग उन्हें लार्ड बॉबी के नाम से जानने लगे हैं। एनिमल में तृप्ति डिमरी का भी किरदार बेहद छोटा था, लेकिन फिल्म के रिलीज के बाद उनको नेशनल क्रश कहा जाने लगा है। सोशल मीडिया पर भी उनके फॉलोवर्स की संख्या काफी बढ़ गयी है। एनिमल को संदीप रेड्डी वांगा ने निर्देशित किया है और ये उनकी दूसरी हिंदी फिल्म है। इस फिल्म से पहले उन्होंने कबीर सिंह को डायरेक्ट किया था। वह फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई थी।

जब लेडी गागा ने चंकी पांडे की रि[स्ट पर अनन्या पांडे के लिए गाया गाना, देखकर हैरान रह गए थे सब

पॉप सिंगर लेडी गागा ने एक बार अनन्या पांडे के लिए गाना गाया था और बर्थडे विश किया था। चंकी पांडे ने बताया था कि उन्होंने लेडी गागा को बताया था कि उनकी बेटी अनन्या का बर्थडे है। लेडी गागा की दुनिया के कोने-कोने में तगड़ी फैन फॉलोइंग है और वह इंडिया भी आ चुकी हैं। क्या आप सोच सकते हैं कि पॉप सिंगर लेडी गागा कभी चंकी पांडे की बेटी और एक्ट्रेस अनन्या पांडे के लिए गाना गाएंगी? शायद नहीं, पर ऐसा हो चुका है। लेडी गागा ने एक बार चंकी पांडे की रिक्रेस्ट पर अनन्या पांडे के लिए गाना गाया था, और यह देखकर सब हैरान रह गए थे। चंकी पांडे ने पूरी कहानी एक किताब में बताई थी। इसके अलावा शो केस तो बनता है में भी उन्होंने इसका जिक्र किया था।

एक बार जब इंडिया आई थीं, तो वह बेटी अनन्या के साथ दिल्ली गए थे। तब अनन्या का बर्थडे था। वहां लेडी गागा परफॉर्म कर रही थीं। लेडी गागा को देखते ही चंकी पांडे उनके पास गए और बताया कि अनन्या का बर्थडे है।

तब लेडी गागा ने न सिर्फ अनन्या पांडे को बर्थडे विश किया, बल्कि उनके लिए गाना भी गाया। यह देख सब हैरान रह गए थे। अनन्या भी हैरान थीं, क्योंकि उनके लिए तो यह एक खूबसूरत सरप्राइज था।

कौन हैं लेडी गागा?

लेडी गागा को दुनिया की सबसे बड़ी पॉप स्टार माना जाता है। दुनियाभर में उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंडिया में भी उनके खूब फैंस हैं। लेडी गागा एक सिंगर ही नहीं, बल्कि एक्ट्रेस भी हैं और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

ये तो घमंडी है, पार्टियों में न जाने पर सनी देओल को घमंडी समझने लगे थे लोग, एक्टर ने बताया क्यों बनाई दूरी

सनी देओल ने बताया कि पार्टियों में न जाने पर लोग उन्हें घमंडी समझने लगे, बाते बनाने लगे। सनी देओल ने बताया कि वह किस कारण पार्टियों में नहीं जाते और क्यों दूरी बनाकर रखते हैं। सनी देओल ने आजकल फिल्मों के होने वाले प्रमोशन पर भी बात की और नाखुशी जाहिर की। गदर 2 से 2023 में जबरदस्त कमबैक करने वाले सनी देओल कई दशकों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं, पर वह पार्टियों और अवॉर्ड फंक्शन में बहुत ही कम जाते हैं। सनी देओल ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वह पार्टियों में बहुत कम क्यों जाते हैं। साथ ही उस वक्त के बारे में भी बात की, जब लोग उन्हें इस कारण घमंडी समझने लगे थे। 1983 में फिल्म बेताब से एक्टिंग डेब्यू किया था, और तबसे लेकर अब तक उन्हें इंडस्ट्री में 40 साल हो चुके हैं। इतने लंबे वक्त तक उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की पार्टियों से दूरी बनाए रखी। इसकी क्या वजह थी, यह भी सनी देओल ने बताया है।

सनी देओल ने बताई पार्टियों की दूरी की वजह

सनी देओल ने कहा, मुझे लोगों से मिलना पसंद है। मैं वहां जाता हूं, जहां मैं अपने लोगों और फैंस से मिल पाता हूं। यह मुझे अच्छा लगता है। मैं जल्दी उठने वाले लोगों में से हूं। इसलिए मैं ऐसा नहीं हूं, जो पार्टियों में जाए। मैं पहले भी शायद ही कभी पार्टियों में जाता था। लोगों को लगता था कि ये घमंडी और अक्खड़ है। लेकिन फिर लोगों को धीरे-धीरे समझ आ गया कि ये शरमाता है। आना नहीं चाहता ये।

सनी देओल को अब नहीं बुलाता कोई

सनी देओल ने आगे कहा, ये पीता नहीं है। इसे पता नहीं है कि क्या करना है और इसलिए पार्टियों में नहीं आता। फिर सब लोग समझ गए तो मुझे कभी किसी ने नहीं बुलाया। वो जानते हैं कि ये नहीं आने वाला है।